THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 148 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण पूर्णिमा 2081 सोमवार, 19 अगस्त-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

कुवैत पहुंचे जयशंकर

कुवैत सिटी, 18 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर रविवार को एक दिवसीय दौरे पर कुवैत पहुंचे। वह भारत-कुवैत द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर कुवैती नेतृत्व से बातचीत करेंगे। कुवैत के विदेश मंत्री अब्दुल्ला अली अल-याह्या ने एयरपोर्ट पर जयशंकर का स्वागत किया। जयशंकर ने अपने दौरे को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी। एक्स पर पोस्ट करते हुए जयशंकर ने कहा, नमस्ते कुवैत! गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए विदेश मंत्री अब्दुल्ला अली अल-याह्या का धन्यवाद। कुवैती नेतृत्व के साथ आज की बातचीत को लेकर उत्सुक हूं।

चंपाई सोरेन ने जेएमएम छोड़ने के दिए संकेत

मेरे पास 3 विकल्प, संन्यास लूं, संगठन खड़ा करूं या किसी के साथ चल दूं

रांची/नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने जेएमएम छोड़ने के संकेत दिए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि पार्टी में मेरा अपमान हुआ है। सीएम रहते मैं बेहतर काम कर रहा था। मुझे हटाया गया। मुख्यमंत्री रहने के बावजूद मुझे बीच कार्यक्रम से बुला लिया गया। विधायक दल की बैठक में मुझसे इस्तीफा मांग लिया गया। आज से मेरे जीवन का नया अध्याय शुरू होने जा रहा है। इसमें मेरे पास तीन विकल्प हैं। पहला, राजनीति से संन्यास लेना, दूसरा, अपना अलग संगठन खड़ा करना और तीसरा, इस राह में अगर कोई साथी मिले, तो उसके साथ आगे का सफर तय करना। इससे पहले उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स के बायो से जेएमएम लीडर और मंत्री हटा लिया है। पूर्व सीएम के घर सरायकेला-खरसावां जिले के गांव जिलिंगगोड़ा से जेएमएम का झंडा हट गया है। आज दोपहर करीब 1 बजे चंपाई सोरेन दिल्ली पहुंचे। बीजेपी में शामिल होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि अभी मैं जहां पर हूं वहीं पर हूं। यहां मेरे बच्चे रहते हैं। मैं उनसे मिलने आता रहता हूं। मैं निजी काम से दिल्ली आया हूं।

शनिवार से ही चंपाई सोरेन के बीजेपी में शामिल होने की अटकलें चल रही हैं। चंपाई के अलावा जेएमएम से निष्कासित लोबिन हेंब्रम और बहरागोड़ा विधायक समीर मोहंती के भी बीजेपी में जाने की खबर है।

चंपाई सोरेन ने लिखा है, जोहार साथियों, आज समाचार देखने के बाद आप सभी के मन में कई

सवाल उमड़ रहे होंगे। आखिर ऐसा क्या हुआ, जिसने कोल्हान के एक छोटे से गांव में रहने वाले एक गरीब किसान के बेटे को इस मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया। अपने सार्वजनिक जीवन की शुरूआत में औद्योगिक घरानों के खिलाफ मजदूरों की आवाज उठाने से लेकर झारखंड आंदोलन तक, मैंने हमेशा जन-सरोकार की राजनीति की है। राज्य के आदिवासियों, मूलवासियों, गरीबों, मजदूरों, छात्रों एवं पिछड़े तबके के लोगों को उनका अधिकार दिलवाने का प्रयास करता रहा हूं। किसी भी पद पर रहा अथवा नहीं, लेकिन हर पल जनता के लिए उपलब्ध रहा, उन लोगों के मुद्दे उठाता रहा, जिन्होंने झारखंड राज्य के साथ, अपने बेहतर भविष्य के सपने देखे थे।

इसी बीच, 31 जनवरी को एक अभूतपूर्व घटनाक्रम के बाद इंडिया गठबंधन ने मुझे झारखंड के 12वें मुख्यमंत्री के तौर पर राज्य की सेवा करने के लिए चुना। अपने कार्यकाल के पहले दिन से लेकर आखिरी दिन (3 जुलाई) तक मैंने पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ राज्य के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया। इस दौरान हमने जनहित में कई फैसले लिए और हमेशा की तरह, हर किसी के लिए सदैव उपलब्ध रहा।

बड़े-बुजुर्गों, महिलाओं, युवाओं, छात्रों एवं समाज के हर तबके तथा राज्य के हर व्यक्ति को ध्यान में रखते हुए हमने जो निर्णय लिए, उसका मूल्यांकन राज्य की जनता करेगी। एक बात और, यह मेरा निजी संघर्ष है। इसलिए इसमें पार्टी के किसी सदस्य को शामिल करने अथवा संगठन को किसी प्रकार की क्षति पहुंचाने का मेरा कोई इरादा नहीं है।

>14

जम्मू में अकेले चुनाव लड़ेगी भाजपा

श्रीनगर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा की रविवार (18 अगस्त) को जम्मू में बैठक हुई। केंद्रीय मंत्री और जम्मू-कश्मीर भाजपा विधानसभा चुनाव प्रभारी जी. किशन रेड्डी, नेशनल जनरल सेक्रेटरी तरुण चुघ और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह भी बैठक में शामिल हुए। जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना ने कहा कि पार्टी जम्मू में अकेले चुनाव लड़ेगी। कश्मीर में निर्दलीय उम्मीदवारों का समर्थन कर सकती है। किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करेगी। बैठक के केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा, भाजपा चुनाव के लिए 24 घंटे और सातों दिन तैयार है। चुनाव को लेकर हमारी बैठकें और चर्चाएं रेग्युलर चलती रहेंगी।

सूत्रों के मुताबिक, भाजपा 21 अगस्त को कैंडिडेट्स की पहली लिस्ट जारी करेगी। पार्टी अगले हफ्ते से चुनाव प्रचार की शुरूआत कर सकती है।

>14

कुछ लोगों का राजनीतिक स्वार्थ राष्ट्रहित से ऊपर : उपराष्ट्रपति

बड़े पदों पर बैठे लोग ऐसा प्रकट करते हैं कि देश में कुछ भी हो सकता है

जयपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा, देखा जा रहा है कि व्यक्तिगत हित और राजनीतिक स्वार्थ को राष्ट्रहित से ऊपर रखा जा रहा है। अच्छे और बड़े पद पर रहने वाले कुछ लोग ऐसा दिखाते हैं कि देश में कुछ भी हो सकता है। हमारा संकल्प होना चाहिए कि हम किसी भी हाल में राष्ट्रीयता को तिलांजलि नहीं देंगे।

रविवार को उपराष्ट्रपति जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में देहदानी परिवार सम्मान एवं आभार समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। जैन सोशल ग्रुप सेंट्रल संस्थान की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति ने कहा, राजनीति में प्रजातंत्र की अपनी खूबी है। अलग-अलग विचार रखना प्रजातंत्र के गुलदस्ते की महक है। यह तब तक है, जब तक राष्ट्रहित को तिलांजलि नहीं दे दी जाए। भारतीयता हमारी पहचान है। राष्ट्र हमारे लिए सर्वोपरि है, जिनके लिए राष्ट्र सर्वोपरि नहीं है। जो राजनीतिक हित और व्यक्तिगत स्वार्थ को ऊपर रखते हैं, उनको हमें समझना चाहिए। मैं आपसे अपील करता हूं कि राष्ट्र के विकास के लिए ऐसी ताकतों को हमें रोकना होगा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की इस बात के राजनीतिक मायने भी निकाले जा रहे हैं। कुछ दिन पहले विपक्षी सांसदों ने उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की बात कही थी।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा, आज देश मे तेजी से विकास हो रहा है। वो अकल्पनीय है। साल 1989 में मैं केंद्रीय मंत्री था। हमने कल्पना भी नहीं की थी कि देश में इस तेजी के साथ विकास होगा। इसलिए मैं आज की पीढ़ी से आह्वान करता हूं कि उन्हें यह देखना चाहिए कि देश में संविधान पर खतरा कब आया था।

उन्होंने कहा, कुछ लोग कहते हैं कि आपातकाल का काला अध्याय चुनाव से खत्म हो गया था। लेकिन ऐसा नहीं है। इसलिए केंद्र सरकार ने आपातकाल के दिन संविधान हत्या दिवस मनाने की जो पहल की है, वह नई पीढ़ी को आगाह करने के लिए है। ऐसा कालखंड था, जब आपके मौलिक अधिकार समाप्त हो गए थे। सर्वोच्च न्यायालय ने भी अपने हाथ खड़े कर दिए थे। कार्यपालिका का तानाशाही रवैया शिखर पर पहुंच गया था। इतिहास में इसका कोई ओर उदाहरण नहीं मिलेगा।

भाजपा के राज्यपाल पार्टी के एजेंट बनकर घूम रहे हैं : पवन खेड़ा

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने रविवार को आईएएनएस से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार के राज्य से हर दो घंटे की कानून व्यवस्था रिपोर्ट मांगे जाने पर सवाल उठाते हुए पूछा कि यह फैसला यूपी के साथ-साथ उत्तराखंड पर भी लागू होता है? उन्होंने कहा कि हम यह जानना चाहते हैं और अगर यह लागू होता है तो क्या यह मणिपुर पर भी लागू होगा, दो घंटे में यूपी, मणिपुर और उत्तराखंड से खबरें आ जाए, तो केंद्र सरकार क्या कार्रवाई करेगी, यह भी बताएं। मुडा घोटाले पर कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया से इस्तीफे की मांग को लेकर पवन खेड़ा ने कहा कि हम कर्नाटक के सीएम से इस्तीफा क्यों मांग रहे हैं, क्योंकि बीजेपी के राज्यपाल बीजेपी के एजेंट बनकर बीजेपी का खेल खेलते हैं और हमारे मुख्यमंत्री इस्तीफा दे दें। ऐसा कैसे हो सकता है, जिस योजना के तहत सरकार से जमीन की अदला-बदली की गई, वह 2020 में बीजेपी सरकार की योजना थी, तो क्या वो भ्रष्ट योजना थी?

राहुल गांधी का मोदी सरकार पर आरोप

कहा- यूपीएससी की जगह आरएसएस से हो रही भर्ती, छीना जा रहा आरक्षण

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर एक बार फिर निशाना साधा। हाल ही में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की ओर से निकाली गई भर्ती का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह सरकार बड़े पदों पर भर्ती संघ लोक सेवा आयोग की जगह राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) से कर रही है।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट कर हमला बोला। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी संघ लोक सेवा आयोग की जगह राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के जरिए लोकसेवकों की भर्ती कर संविधान पर हमला कर रहे हैं। केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में महत्वपूर्ण पदों पर लेटरल एंट्री के जरिए भर्ती कर खुलेआम एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग

का आरक्षण छीना जा रहा है।

उन्होंने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि टॉप ब्यूरोक्रेसी समेत देश के सभी शीर्ष पदों पर वंचितों का प्रतिनिधित्व नहीं है, उसे सुधारने के बजाय लेटरल एंट्री द्वारा उन्हें शीर्ष पदों से और दूर किया जा रहा है। यह यूपीएससी की तैयारी कर रहे प्रतिभाशाली युवाओं के हक पर डाका और वंचितों के आरक्षण समेत सामाजिक न्याय की परिकल्पना पर चोट है।

उन्होंने आगे कहा, चंद कॉरपोरेट्स के प्रतिनिधि निर्णायक सरकारी पदों पर बैठ कर क्या कारनामे करेंगे, इसका नया उदाहरण सेबी है, जहां निजी क्षेत्र से आने वाले को पहली बार चेयरपर्सन बनाया गया।

अग्निपथ योजना को पूरे देश में समर्थन मिल रहा है : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले, वतन पर मरने वालों का यही बाकी निशां होगा। इन पंक्तियों का उल्लेख करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को रक्षा मंत्रालय के 'रक्षा सूत्र : संदेश टू सोल्जर्स' पॉडकास्ट में भारतीय सेना के महत्व को रेखांकित किया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस दौरान अग्निपथ योजना पर भी बात की। उन्होंने कहा कि पूरे देश में अग्निपथ योजना को समर्थन मिल रहा है। हमारे युवा बढ़-चढ़कर इस योजना के माध्यम से देश की सेनाओं में शामिल हो रहे हैं। अग्निपथ के पहले दो बैच के 40,000 हजार वीरों ने अपना प्रशिक्षण पूरा कर लिया है, और आवंटित इकाइयों में तैनाती के अधीन हैं। हमारे सशक्त बलों के सैनिकों ने विश्व शांति में भी अपनी भागीदारी निभाई है। भारतीय सेना के 160 जवानों ने विश्व शांति के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान भी दिया है।

उन्होंने कहा कि हिमालय की बर्फीली चोटियों से लेकर समुद्र की गहराइयों तक, थार के रेगिस्तान से लेकर उत्तर पूर्व के जंगलों तक हमारे वीर जवान डटे हैं।

देश के वीर जवानों ने कठिन, दुर्गम क्षेत्रों में अपने परिवार से दूर रहकर भारत की स्वतंत्रता को अक्षुण्ण रखने के लिए अपना सर्वोच्च लगाया है, राष्ट्र उनके प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है। हमारे महान स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान से, जो आजादी हमने अर्जित की उस स्वतंत्रता को बनाए रखने में हमारे जवानों की अहम भूमिका है। वीर सपूतों ने कारगिल युद्ध में अपने प्राणों की आहुति देकर भारत की अखंडता और संप्रभुता की रक्षा की। उनकी शौर्य गाथाएं बच्चे-बच्चे की जुबान पर हैं।

मुश्किल बढ़ती देख सीएम सिद्धारमैया ने बुलाई कांग्रेस विधायक दल की बैठक

बेंगलूरू, 18 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने 22 अगस्त को कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक बुलाई है। दरअसल, मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूमि घोटाला मामले में सिद्धारमैया के खिलाफ मुकदमा चलेगा। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मुकदमा चलाने की अनुमति दे दी है। इसी को देखते हुए यह बैठक विधान सौदा के कॉन्फ्रेंस हॉल में करने का फैसला लिया है।

राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा, चूंकि राज्यपाल की भूमिका के बारे में भारी हंगामा हो रहा है। इसलिए हमें अपने लोगों को अवगत कराने की जरूरत है। आखिरकार वे जनता के प्रतिनिधि हैं। 136 विधायकों

को यह जानने की जरूरत है कि क्या हो रहा है।

सीएम हाउस के एक सूत्र ने बताया कि बैठक मुडा घटनाक्रम से संबंधित है। मुख्यमंत्री कांग्रेस विधायकों को मामले के तथ्यों के बारे में जानकारी देंगे और कानूनी व राजनीतिक रूप से मामले को लड़ने की रणनीति तैयार करेंगे।

राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने तीन व्यक्तियों की शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए सिद्धारमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दी है। राज्यपाल थावर चंद गहलोत के सीएम के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी को कर्नाटक हाईकोर्ट में चुनौती दी जाएगी। इस संबंध में जानकारी मुख्यमंत्री की तरफ से दी गई है।

बता दें कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर एमयूडीए द्वारा अधिग्रहित जमीन के एक टुकड़े को अपनी पत्नी के नाम से बदलने का आरोप है।

गौरतलब है कि उनकी पत्नी को मैसूर के एक पॉश इलाके में जमीन दी गई थी और जिसकी बाजार कीमत उनकी अपनी जमीन से कहीं ज्यादा है। भाजपा ने हाल ही में इस मामले में सीएम का इस्तीफा मांगते हुए बेंगलूरू से लेकर मैसूर तक पैदल यात्रा भी निकाली थी।

विधानसभा चुनाव की तैयारी : मनीष सिसोदिया कर रहे नेतृत्व

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया अब जेल से बाहर आ गए हैं। अब आप की ओर से एक पब्लिक आउटरीच कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे हैं। इसके लिए आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की रणनीति पर चर्चा करने के लिए पार्टी के वरिष्ठ अधिकारियों से उन्होंने मुलाकात की है। आप के दिल्ली संयोजक गोपाल राय के मुताबिक पार्टी ने सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में कार्यकर्ता सम्मेलन शुरू कर दिए

हैं और विधायकों से पिछले साढ़े चार साल में अपने काम पर रिपोर्ट देने को कहा गया है।

पार्टी के एक पदाधिकारी ने कहा, सम्मेलनों के बाद आप कार्यकर्ता विधायकों की रिपोर्ट लोगों के पास ले जाएंगे और उन्हें आप सरकार के तहत किए गए कार्यों के बारे में बताएंगे। पार्टी 20 अगस्त को पार्टी मुख्यालय में 'ऑटो संवाद' भी आयोजित करने जा रही है, जिसके बाद सभी निर्वाचन क्षेत्रों में इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

आप पदाधिकारियों ने यह भी कहा कि जल्द ही सभी विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी कार्यकर्ताओं की बूथ मैपिंग की जाएगी। आबकारी नीति मामले में गिरफ्तार किए गए मनीष सिसोदिया को इस महीने की शुरूआत में जमानत पर रिहा किया गया था।

शरिया कानून से समझौता नहीं करेंगे...

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सेक्युलर सिविल कोड' पर दिए गए बयान पर कड़ी आपत्ति जताई है। बोर्ड का कहना है कि मुसलमान शरिया कानून से समझौता नहीं करेंगे, इसलिए समान या सेक्युलर नागरिक संहिता स्वीकार नहीं होगी। दरअसल स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में कहा था, समाज का एक बड़ा वर्ग मानता है और इसमें सच्चाई है कि मौजूदा नागरिक संहिता एक तरह से सांप्रदायिक नागरिक संहिता है। यह एक ऐसा नागरिक कानून है जो भेदभाव को बढ़ावा देता है। यह देश को धार्मिक आधार पर बांटता है और असमानता को बढ़ावा देता है।

प्रवक्ता एस.क्यू.आर. इलियास ने 'धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता' लाने संबंधी प्रधानमंत्री की टिप्पणी को लेकर हैरानी जताई। उन्होंने इसे एक सोची-समझी साजिश बताया जिसके गंभीर परिणाम होंगे। उन्होंने एक बयान में कहा कि बोर्ड यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण समझता है कि भारत के मुसलमानों ने कई बार यह स्पष्ट किया है कि उनके पारिवारिक कानून शरिया कानून पर आधारित हैं, जिससे कोई भी मुसलमान किसी भी कीमत पर विचलित नहीं हो सकता।

भारत पहुंचीं नेपाल की विदेश मंत्री

दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर होगी चर्चा

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल की विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा देउबा रविवार को भारत पहुंचीं। नई दिल्ली पहुंचने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने उनका स्वागत किया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर पोस्ट किया कि नई दिल्ली पहुंचने पर नेपाल की विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा देउबा का स्वागत है। यह यात्रा नियमित उच्च स्तरीय भारत-नेपाल द्विपक्षीय आदान-प्रदान की परंपरा को जारी रखती है। वह सोमवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों मजबूत करने और आपसी हितों व सहयोग को बढ़ावा देने के उपायों पर चर्चा करेंगी।

नेपाली विदेश मंत्री देउबा 22 अगस्त तक भारत दौरे पर रहेंगी। उनकी यह यात्रा विदेश सचिव विक्रम मिस्री की काठमांडू यात्रा के एक सप्ताह बाद हो रही है।

डॉ. आरजू राणा देउबा

सूत्रों के अनुसार, विदेश मंत्री राणा हाइपरपैराथायरायडिज्म के अपने पिछले ऑपरेशन से संबंधित अग्रिम जांचों के लिए नई दिल्ली के एक निजी अस्पताल का दौरा भी करेंगी। विदेश मंत्री का कार्यभार संभालने के बाद राणा की यह पहली आधिकारिक विदेश यात्रा होगी।

इसे लेकर विदेश मंत्रालय ने शनिवार को कहा था कि एस जयशंकर के निमंत्रण पर देउबा भारत का दौरा कर रही हैं। उनकी यह यात्रा दोनों पड़ोसियों के बीच सदियों पुराने, गहरे और बहुआयामी संबंधों को और मजबूत करेगी। भारत की पड़ोसी प्रथम नीति में नेपाल प्राथमिक भागीदार है। आगामी यात्रा दोनों पक्षों को द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति पर चर्चा और समीक्षा करने का अवसर प्रदान करेगी।

राणा नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा की पत्नी भी हैं। उनकी यात्रा बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक के बाद हो रही है। बैठक में विदेश, संचार और सूचना मंत्री के नेतृत्व वाले एक प्रतिनिधिमंडल के भारत-यात्रा कार्यक्रम का समर्थन किया गया था। बता दें कि देश की 1850 किमी से अधिक लंबी सीमा पांच भारतीय राज्यों- सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के साथ लगती है। भूमि से घिरा नेपाल वस्तुओं और सेवाओं के परिवहन के लिए भारत पर बहुत अधिक निर्भर है।

कोलकाता रेप-मर्डर केस

सुप्रीम कोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान मंगलवार को होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता आरजी कर अस्पताल में महिला डॉक्टर के साथ हुए रेप और हत्या के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लिया। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में एनए पीठ मंगलवार को मामले की सुनवाई करेगी।

मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में महिला डॉक्टर के साथ रेप और हत्या के मामले में सुनवाई होगी। इस मामले को लेकर देश भर में विरोध-प्रदर्शन का दौर जारी है। तमाम अस्पतालों के डॉक्टरों ने इस घटना में शामिल सभी आरोपियों के लिए सख्त से सख्त सजा की मांग की है।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने भी कहा है कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए।

इसके अलावा घटना के कारणों की भी जांच हों और डॉक्टरों की सुरक्षा में सुधार के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं।

उल्लेखनीय है कि बीते दिनों कोलकाता स्थित आरजी कर मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल की एक ट्रेनी महिला डॉक्टर का शव रहस्यमय परिस्थितियों में मिला था।

वह अस्पताल में स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष की मेडिकल छात्रा थी और चेस्ट मेडिसिन विभाग में हाउस स्टाफ के रूप में भी काम कर रही थी। अस्पताल के कर्मचारियों ने आपातकालीन बिल्डिंग की चौथी मंजिल पर उनका शव देखा था। इस मामले में सीबीआई जांच कर रही है। प्रदेश की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी मामले को फास्ट-ट्रैक कोर्ट में ले जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा है कि अगर जरूरत पड़ी तो आरोपियों को फांसी की सजा दी जाएगी।

डॉक्टरों के विरोध को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करने का आश्वासन दिया है। मंत्रालय द्वारा एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक समिति गठित की जाएगी।

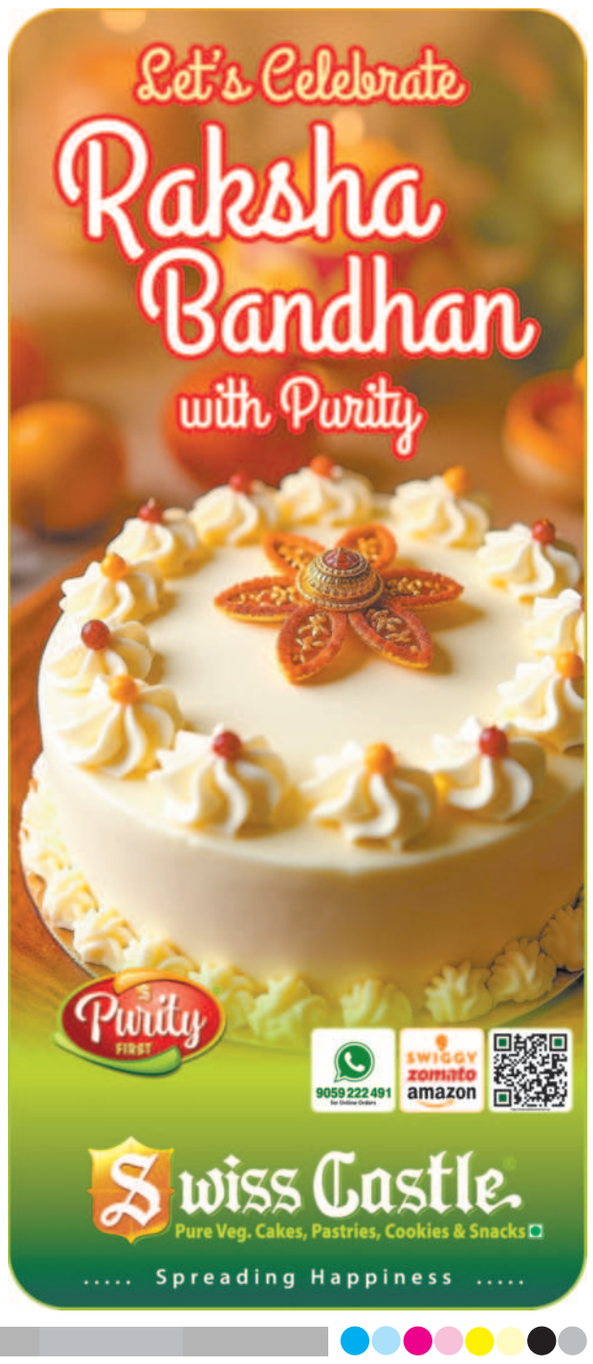

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की सचिव बनेंगी यह महिला आईएएस अधिकारी, निभा चुकी हैं बड़ी जिम्मेदारी

चंडीगढ, 18 अगस्त (एजेंसियां)। आईएएस अधिकारी दीप्ति उमाशंकर को बड़ी जिम्मेदारी मिलने जा रही है। वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की सचिव होंगी। राष्ट्रपति की ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूडी यानी ओएसडी होने के नाते उनका रैंक और वेतन दोनों ही भारत सरकार के सचिव का होगा। वह राजेश वर्मा का स्थान लेंगी। वह फिलहाल कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में इस्टैबलिशमेंट एंड अडिशनल सेक्रेटरी हैं। दीप्ति हरियाणा की रहने वाली हैं

कोलकाता रेप-मर्डर केस का आरोपी संदीप घोष

जो हैं सीबीआई के रडार पर, लगातार हो रही पूछताछ

कोलकाता, 18 अगस्त (एजेंसियां)। 9 अगस्त 2024 को सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में जूनियर डॉक्टर के साथ पहले रेप किया जाता है और फिर बेरहमी के साथ उसे मौत के घाट उतार दिया जाता है। इस रेप-मर्डर कांड को कॉलेज के प्रिंसिपल सुसाइड में बदलने की कोशिश करते हैं। लेकिन नाकाम हो जाते हैं। पूरे देश में जूनियर डॉक्टर को इंसाफ दिलाने की कवायद शुरू होती है और लोग सड़कों पर उतर आते हैं प्रेशर में आकर कॉलेज के प्रिंसिपल घटना के 4 दिन बाद अपने पद से इस्तीफा दे देते हैं। लेकिन ये प्रिंसिपल कौन हैं, जिनसे इस मामले में सीबीआई लगातार पूछताछ कर रही है। एक्स प्रिंसिपल संदीप घोष सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के प्रिंसिपल से पहले वो कलकत्ता नेशनल मेडिकल कॉलेज के वाइस प्रिंसिपल रह चुके हैं। इसके साथ ही वो एक सर्जन और

ऑर्थोपेडिक्स भी हैं। उन पर न सिर्फ हत्या को आत्महत्या में बदलने की कोशिश का आरोप है। बल्कि उन्होंने पीड़िता का नाम और पहचान भी उजागर कर दी। इसके अलावा उनको लेकर तब ज्यादा चर्चा होने लगी, जब ये बात सामने आई कि उनके लिंक तृणमूल कांग्रेस से हैं। इसलिए उन्हें बचाने की कोशिश की जा रही है।

ट्रांसफर किया गया

जून 2023 में कलकत्ता नेशनल मेडिकल कॉलेज में वाइस प्रिंसिपल रहते हुए उन पर भ्रष्टाचार का आरोप भी लगा। इसके बाद उनका मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज में ट्रांसफर कर दिया गया। लेकिन 48 घंटे के अंदर-अंदर ही उन्हें उनके पिछले पद पर बहाल कर दिया गया। इसके बाद सितंबर 2023 में रैगिंग से जुड़ी एक घटना के बाद उन्हें प्रिंसिपल के तौर पर आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रांसफर कर दिया गया।

सीबीआई की पूछताछ

यही नहीं विवादों से प्रिंसिपल साहब को पुराना नाता लगता है। साल 2021 से भी वो आरजी कर हॉस्पिटल में प्रिंसिपल के पद पर कार्यरत थे। लेकिन छात्रों ने सेपरेट स्टूडेंट और रेजिडेंट हॉल काउंसिल स्थापित करने से इनकार करने के विरोध में भूख हड़ताल की, जिसके बाद में उन्हें हटा दिया गया था।फिलहाल संदीप घोष से सीबीआई दो दौर की पूछताछ कर चुकी है। इसमें अधिकारियों ने उनसे डॉक्टर को दी गई 36-48 घंटे की शिफ्ट के बारे में पूछताछ की है।

आरोपों से किया था इनकार

जब संदीप घोष ने इस्तीफा दिया था, तब उन्होंने अपने ऊपर जूनियर डॉक्टरों की ओर लग रहे आरोप से इनकार किया था। उन्होंने कहा था कि मैं यह अपमान और बर्दाश्त नहीं कर सकता। मेरे ऊपर लगाए गए सभी आरोप झूठे और मनगढ़ंत हैं। मुझे पद से हटाने के लिए छात्रों को भड़काया गया और आंदोलन कराया गया। इस सब के पीछे राजनीतिक साजिश है।

बारिश थमते ही मानसून में अप्रैल-मई वाली गर्मी का अहसास, उमस ने भी किया परेशान

कब बरसेंगे बादल ?

भोपाल, 18 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में बारिश का दौर थमने के बाद लोगों को उमस भरी गर्मी सताने लगी है। जिसकी वजह से बारिश के सीजन में भी अप्रैल-मई महीने जैसी गर्मी का एहसास हो रहा है। मौसम विभाग के अनुसार 20 अगस्त के बाद मौसम बदलेगा और एक बार फिर बारिश का दौर शुरू होगा। इस दौरान कुछ जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होगी। मौसम विभाग के अनुसार 20 अगस्त से बारिश का स्ट्रांग सिस्टम एक्टिव हो रहा है। मानसून ट्रफ प्रदेश के शिवपुरी से सीधी होकर गुजर रही है। बंगाल की खाड़ी में यह लो प्रेशर एरिया के रूप में बदल गई है। इसी बीच मौसम विभाग का अनुमान है कि कल 19 अगस्त से प्रदेश में हल्की बारिश का दौर शुरू होगा, जबकि मंगलवार से प्रदेश के ज्यादातर जिलों में बारिश की शुरुआत हो जाएगी।

धूप से तपेंगे ये जिले

मौसम विभाग के अनुसार आज प्रदेश के सिर्फ चार जिलों में बारिश होगी, इन जिलों में पन्ना, सिंगरौली, कटनी और अनूपपुर शामिल हैं। जबकि देवास, इंदौर, धार, खरगोन, खंडवा, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, रतलाम, उज्जैन, आगर मालवा, शाजापुर, मंदसौर और नीमच में मौसम साफ रहेगा और उमस व धूप का असर रहेगा।

अहमदाबाद को अमित शाह का तोहफा

गृह मंत्री ने की 1000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की शुरुआत

अहमदाबाद, 18 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को गुजरात के अहमदाबाद में करीब 1,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की शुरुआत की। इसके साथ ही केंद्रीय गृह मंत्री ने राज्य के लोगों से पर्यावरण की रक्षा करने के लिए देशव्यापी पौधारोपण अभियान में भाग लेने का अनुरोध किया। पर्यावरण और ओजोन परत की रक्षा में पेड़ों के महत्व पर जोर देते हुए शाह ने कहा कि अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) ने आने वाली पीढ़ी के लिए 100 दिन में 30 लाख पौधे लगाने का संकल्प लिया है। वह इस अभियान से निकटता से जुड़े हुए हैं। एक कार्यक्रम में बोलते हुए अमित शाह ने कहा, 'यह एक खूबसूरत अभियान है और यह बड़ी बात है कि एक नगर निगम 30 लाख पौधे लगाएगा। लेकिन मैं अहमदाबाद निवासियों से पूछना चाहता हूं कि आपका क्या योगदान होगा?' शाह ने कहा कि अहमदाबाद के लोगों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे अपनी आवासीय सोसायटी, आसपास की भूमि और अपने बच्चों के विद्यालयों में अपने परिवार के सदस्यों की संख्या के बराबर पौधे लगाएं। गृह मंत्री ने अहमदाबाद में सीवर शोधन संयंत्र, आवासीय परियोजनाओं और स्मार्ट स्कूल समेत कई विकास कार्यों का उद्घाटन किया एवं उनकी नींव भी रखी है।

चंद्रमा पर मानव के उतरने की तैयारी पूरी

भारत जल्द स्थापित करेगा स्पेस स्टेशन, मंत्री ने बता दिया समय

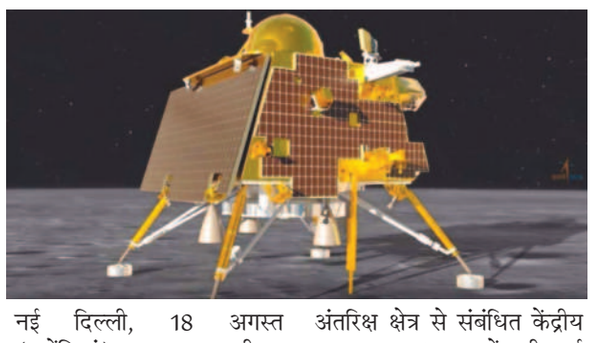

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो भारत 2035 तक अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करेगा। वहीं, 2040 तक चंद्रमा पर मानव उतारकर इतिहास रचेगा। यह बातें केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ। जितेंद्र सिंह ने रविवार को कहीं। राज्य मंत्री ने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र से संबंधित केंद्रीय बजट 2024-25 में की गई घोषणाएं भविष्य को देखते हुए बनाई गई है। उन्होंने 2025 की दूसरी छमाही तक एक भारतीय एस्ट्रोनॉट को अंतरिक्ष में भेजने और 2040 तक चंद्रमा पर पहला भारतीय उतारने की महत्वाकांक्षी योजना की बात कही।

10 सालों में अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था पांच गुना तक बढ़ेगी

उन्होंने ने कहा, 2023 में हमने 1,000 करोड़ रुपये का निवेश देखा। अनुमान है कि अगले 10 सालों में अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था पांच गुना या लगभग 44 बिलियन डॉलर तक बढ़ जाएगी। साथ ही उन्होंने भारतीय वैज्ञानिकों के विदेशी स्पेस एजेंसियों के साथ काम करने को लेकर कहा कि इससे विदेश जाने वाली प्रतिभाओं को रोकने की उम्मीद है।

कोरोना की वजह से गगनयान में देरी हुई

उन्होंने बताया कि गगनयान अगले साल अंतरिक्ष की उड़ान भरेगा क्योंकि कोरोना की वजह से भारत के पहले मानव अंतरिक्ष यान मिशन में दे हो गई। इसके साथ ही भारत रोबोट उड़ानें भेजने का भी लक्ष्य बना रहा है। साल 2025 में एक महिला रोबोट, वायुमित्रा को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। यह रोबोट एक अंतरिक्ष यात्री की सभी गतिविधियां करेगा और धरती पर वापस आएगा।

भारत में डिजिटल स्पेस स्टार्टअप को बढ़ावा मिला

2023 की नई अंतरिक्ष नीति का हवाला देते हुए मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि नई नीति से भारत में डिजिटल स्पेस स्टार्टअप को बढ़ावा दिया है। सिंह ने कहा कि नई नीति ने इसरो की गतिविधियों में प्राइवेट सेक्टर के लिए भाग लेने के दरवाजे खोले हैं। मंत्री ने कहा कि इसरो के बुनियादी ढांचे को मजबूत करते हुए उन्होंने इसरो परिसर में एक निजी लॉन्चपैड भी स्थापित किया है।

मुंबई के सायन अस्पताल में लेडी डॉक्टर पर हमला

मुंबई, 18 अगस्त (एजेंसियां)। मुंबई के सायन अस्पताल में महिला डॉक्टर के साथ बदसलूकी और मारपीट का मामला सामने आया है। इस मामले की जानकारी पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जायजा लिया। पुलिस शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर रही है। इस पूरे मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, यह मामला बीएमसी के सायन अस्पताल में आज सुबह 3:30 बजे का है। यहां एक मरीज के चेहरे पर जख्म के निशान थे और हाथों में ब्लीडिंग हो रही थी। मरीज को महिला ईएनटी डॉक्टर के पास भेजा गया। चेहरे पर जख्म के इलाज के दौरान मरीज ने डॉक्टर को धक्का दे दिया। मरीज पहले से शराब के नशे में था। उसके साथ आईं दो महिलाओं ने डॉक्टर को यह कहते हुए धकेल दिया कि तुमने हमारे मरीज का सही ढंग से इलाज नहीं किया। इसके बाद आरोपियों ने महिला डॉक्टर के चेहरे पर ब्लड लगा दिया और रुई चेहरे पर चिपकाने लगे। लेडी डॉक्टर ने जब बचाव की कोशिश की तो उसके हाथ में चोट लग गई। आरोप है कि डॉक्टर के साथ गाली गलौज और मारपीट की गई। तुरंत नर्सेज और सिक्योरिटी को बुला लिया। मामला बढ़ता देख मरीज और उसके परिजन मौके से भाग खड़े हुए। इसके बाद रेजिडेंट डॉक्टर सुबह 7 बजे सायन पुलिस स्टेशन पहुंचे और अस्पताल के डीन से बातचीत की। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा रही है।

केंद्रीय मंत्री की पत्नी का डेंगू से निधन

भर्ती होने के बावजूद नहीं बची जान सीएम माझी ने जताया शोक

भुवनेश्वर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम की पत्नी झिंगिया ओराम की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। दरअसल, झिंगिया ओराम डेंगू से पीड़ित थीं और शनिवार की रात 10.50 बजे आखिरी सांस ली। 58 वर्षीय झिंगिया अपने पति और दो बेटियों के साथ रहती थीं। केंद्रीय जनजाति मामलों के मंत्री जुएल ओराम खुद भी डेंगू से पीड़ित हैं और उनका इलाज भी उसी अस्पताल में जारी है, जहां उनकी पत्नी का इलाज चल रहा था।

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने जुएल ओराम की पत्नी के निधन पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने शनिवार की रात को अस्पताल का दौरा भी किया था। सीएम माझी के अलावा ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन, स्वास्थ्य मंत्री मुकेश महालिंग, विधानसभा अध्यक्ष सुरमा पाढ़ी और अन्य भाजपा नेताओं ने भी झिंगिया ओराम को श्रद्धांजलि दी।

सीएम माझी ने कहा कि झिंगिया ओराम ने जुएल की लंबी राजनीतिक करियर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जुएल ने झिंगिया से आठ मार्च 1987 में शादी की थी। परिवारवालों ने बताया कि उनका अंतिम संस्कार सुंदरगढ़ जिले के उनके गांव में किया जाएगा।

अभिषेक मनु सिंघवी कांग्रेस के विधि विभाग के अध्यक्ष नियुक्त

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस ने वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी को अपने विधि, मानवाधिकार और आरटीआई विभाग का अध्यक्ष नियुक्त किया। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विधि, मानवाधिकार एवं आरटीआई विभाग के पुनर्गठन के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की। सिंघवी को इस विभाग का अध्यक्ष नियुक्त करने के कुछ दिनों पहले ही तेलंगाना से राज्यसभा की एक सीट के उपचुनाव के लिए कांग्रेस की ओर से उम्मीदवार घोषित किया गया था।

राज्यसभा में संख्याबल के हिसाब से सिंघवी के राज्यसभा पहुंचने की प्रबल संभावना है। कांग्रेस के इस विभाग की अध्यक्षता पहले विवेक तन्खा कर रहे थे, जिन्हें बतौर वरिष्ठ अधिवक्ता इस विभाग के पैनल में जगह दी गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा अधिवक्ता सलमान खुर्शीद और केटीएस तुलसी को भी विधि विभाग के वरिष्ठ अधिवक्ताओं के पैनल में शामिल किया गया है। इसमें हरीन रावल, प्रशांत सेन, देवदत्त कामथ और विपुल माहेश्वरी भी शामिल हैं।

कांग्रेस के विधि विभाग के कार्यकारी पैनल में मुहम्मद अली खान सचिव बनाए गए हैं। उनके साथ ही अमन पंवार, उमर होदा, ईशा बख्शी, अर्जुन शर्मा, निशांत मंडल, अमित भंडारी, तरन्नुम चीमा, निंगोम्बम बुपेंडा मैतेई, लालनुन्हलुई राल्ते और स्वाति ड्रैक भी कार्यकारी पैनल के सदस्य हैं। कांग्रेस ने इसी के साथ महाराष्ट्र, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनावों के लिए वाररूम प्रमुखों की नियुक्ति की है। सी वी चंद रेड्डी को महाराष्ट्र, नवीन शर्मा को हरियाणा और गोकुल बुटैल को जम्मू-कश्मीर के लिए वाररूम का प्रमुख बनाया गया है। शशिकांत सेंथिल पहले की तरह राष्ट्रीय वार रूम के प्रमुख की भूमिका निभाते रहेंगे।

कोर्ट में जिरह कर रहे वकील को आया हार्ट अटैक, जज खुद ले गए अस्पताल

नागपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। नागपुर की जिला अदालत में सुनवाई के दौरान जिरह कर रहे सीनियर एडवोकेट को हार्ट अटैक आ गया। न्यायपीठ पर बैठे सीनियर डिवीजन सिविल जज एस। बी। पवार खुद उन्हें अस्पताल ले गए लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका।

घटनाक्रम के दिन सुबह करीब 11.30 बजे जज एस। बी। पवार की कोर्ट में केस लगा था। दूसरे पक्ष के वकील धनराजानी जब अपनी दलील रख रहे थे तभी कुरैशी बेंच से गिर गए। उन्हें बेहोश होकर गिरते देख जज नीचे उतरे। बिना समय गवाएं जस्टिस पवार उन्हें अस्पताल ले जाने के लिए दौडे.। जज साहब कुरैशी को अपने वाहन में पास के अस्पताल ले गए लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

वंदे भारत एक्सप्रेस में खाने में निकला कीड़ा:यात्री बोला-शिकायत के बावजूद रेलवे ने ध्यान नहीं दिया

भोपाल, 18 अगस्त (एजेंसियां)। वंदे भारत एक्सप्रेस में यात्री के खाने में कीड़ा निकला है। इस पर यात्री ने हंगामा कर दिया। आरोप है कि उसे दूसरा खाना भी नहीं दिया गया। ट्रेन में सफर कर रहे यात्रियों का कहना है कि वंदे भारत में लगातार ऐसी घटनाएं बढ़ रही हैं। रेलवे को इसकी जिम्मेदारी लेनी होगी। वंदे भारत एक्सप्रेस भोपाल के रानी कमलापति स्टेशन से हजरत निजामुद्दीन जा रही थी। झांसी में सुबह करीब 8 बजे यात्रियों को ब्रेकफास्ट सर्व किया गया। यात्री अभय सिंह सेंगर के फूड पैकेट में उपमा के ऊपर कीड़ा था। यात्री ने इसका वीडियो बना लिया।

उन्होंने बताया, मैं वंदे भारत में ट्रैवल कर रहा था। कीड़ा निकलने पर स्टाफ को बताया। उन्होंने खाना वापस ले लिया। मैं 9:40 बजे ग्वालियर उतर गया, उन्होंने तब तक मुझे दूसरा फूड प्रोवाइड नहीं कराया था। वहीं, आईआरसीसीटी के रीजनल मैनेजर आर भट्टाचार्य का कहना है कि यात्री को दूसरा फूड पैकेट दिया गया है। इस मामले में जांच करके निश्चित ही वेंडर पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। ताकि इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों।

यात्री अभय सिंह ने कहा, रेलवे का रवैया भी इस मामले में बहुत खराब था। अधिकारियों ने किसी प्रकार की कोई शिकायत मुझसे नहीं ली। मैंने ही जोर देकर उनके शिकायत रजिस्टर में लिखा कि ऐसी लापरवाही लगातार सामने आ रही हैं, रेलवे वेंडर चेंज क्यों नहीं करता। अन्य यात्रियों ने टीटी से कहा कि रेल मंत्री और अधिकारियों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

बॉर्डर पर नशा तस्करी की कोशिश नाकाम

पाकिस्तान से भेजी गई हेरोइन बीएसएफ ने पकड़ी, तलाशी जारी

फिरोजपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। फिरोजपुर के साथ लगती पाकिस्तानी सीमा पर बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) ने नशा तस्करों के नापाक इरादों पर पानी फेरा है। बीएसएफ के जवानों ने एक बार फिर से बदमाशों की नशा तस्करी की कोशिश को नाकाम किया है। बीएसएफ ने दोनों देशों की सीमा पर दुश्मन देश से लाई गई हेरोइन को जब्त किया है। बीएसएफ ने फिरोजपुर के सीमावर्ती गांव माछीवाड़ा ब्लॉक ममदोट में हेरोइन का एक पैकेट बरामद किया है।

उक्त पैकेट में 500 ग्राम हेरोइन पाई गई है। यह पैकेट पाकिस्तान ड्रोन ने शनिवार रात को भारतीय सीमा से लगते गांव माछीवाड़ा के गांव में फेंका गया था। हालांकि अभी तक किसी भी नशा तस्कर ने इस हेरोइन के पैकेट को सीमा से उठाया नहीं था कि इससे पहले ही बीएसएफ ने सर्च ऑपरेशन के दौरान पैकेट को अपने कब्जे में लिया है। रविवार सुबह बीएसएफ के जवानों ने सीमा पर सर्च अभियान चलाया। इस दौरान उक्त पैकेट को बरामद किया है। पैकेट पीली टेप से लिपटा था और लाल रंग की चमकीली टेप लगाई हुई थी ताकि ड्रोन से आसमान से फेंका गया पैकेट बरामद करने वाले व्यक्ति को इसके बारे में आसानी से पता चल सके।

हालांकि अभी भी सीमा पर जवानों की तरफ से तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। बता दें कि पाकिस्तान की तरफ से हर बार नशा तस्करी की लगातार कोशिशें की जाती हैं, लेकिन दोनों देशों की सीमा पर तैनात बीएसएफ के जवान अपनी सक्रियता दिखाते हुए नशा तस्करों के इरादों को नाकाम कर रहे हैं। बीएसएफ की तरफ से कई बार पाकिस्तानी ड्रोन को भी मार गिराया जा चुका है।

धर्मेंद्र प्रधान से मिले गोपाल कांडा, भाजपा-हलोपा गठबंधन को लेकर जल्द होगा फैसला

चंडीगढ़, 18 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा में विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ गई हैं। एनडीए के घटक दल हरियाणा लोकहित पार्टी के अध्यक्ष एवं सिरसा के विधायक गोपाल कांडा ने शनिवार रात को नई दिल्ली में भाजपा के विधानसभा चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात की। हलोपा ने प्रदेश की आधा दर्जन विधानसभा सीटों पर दावेदारी जताते हुए भाजपा के समक्ष गठजोड़ का प्रस्ताव रखा है।

रक्षाबंधन के बाद सीटों पर होगी चर्चा

केंद्रीय मंत्री एवं विधानसभा चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने हलोपा द्वारा मांगी जाने वाली सभी सीटों पर चर्चा के उपरांत इस संबंध में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से बातचीत करने का भरोसा दिलाया है। हलोपा अध्यक्ष गोपाल कांडा की भाजपा के रणनीतिकारों के साथ यह दूसरी बैठक है। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गोपाल कांडा के साथ तीसरी बैठक रक्षाबंधन के पर्व के तीन या चार दिन बाद आयोजित करने की बात कही है। तब तक पार्टी हलोपा द्वारा मांगी जाने वाली विधानसभा सीटों पर शीर्ष नेतृत्व के साथ चर्चा कर लेगी।

पांच साल से भाजपा के साथ है हलोपा

सिरसा के विधायक गोपाल कांडा ने पिछले पांच साल से भाजपा सरकार को समर्थन दे रखा है। एनडीए की बैठक में भी गोपाल कांडा हलोपा अध्यक्ष के नाते शामिल होते रहे हैं। उनके भाई गोबिंद कांडा भाजपा में हैं, जिन्होंने पिछले दिनों अपने बेटे धवल कांडा को रानियां विधानसभा सीट से हलोपा के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने का इशारा कर दिया है।

सिरसा जिले में है हलोपा का प्रभाव

हलोपा का सिरसा जिले में पूरा प्रभाव है। गोपाल कांडा ने भाजपा नेताओं को प्रस्ताव दिया है कि जिन सीटों पर भाजपा को लगता है कि वह कमजोर है, वे सीटें हलोपा को सौंप दे। हलोपा ने सिरसा, फतेहाबाद, ऐलनाबाद और रानियां विधानसभा सीटों पर अपनी पार्टी की मजबूत दावेदारी की है, जबकि गोबिंद कांडा भाजपा के टिकट पर फतेहाबाद व ऐलनाबाद से चुनाव लड़ने का इरादा रखते हैं। गोपाल कांडा ने इस मुलाकात के संबंध में कहा कि सब कुछ पाइप लाइन में है।

रानियां से रणजीत चौटाला ने चुनाव लड़ने का किया एलान

दूसरी तरफ, रानियां विधानसभा सीट से निर्दलीय चुनाव जीते हरियाणा के बिजली मंत्री रणजीत चौटाला ने दोबारा रानियां से चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी। लोकसभा चुनाव में विधायक दल से इस्तीफा देकर रणजीत चौटाला भाजपा में शामिल हो गए थे और भाजपा ने उन्हें हिसार लोकसभा सीट से अपना उम्मीदवार बनाया था। तब रणजीत चौटाला कांग्रेस के जयप्रकाश जेपी से करीब 25 हजार मतों से चुनाव हार गए थे। रणजीत चौटाला ने शनिवार को कहा कि भाजपा उन्हें रानियां से टिकट दे तो उन्हें बहुत खुशी होगी, लेकिन किसी कारण से यदि टिकट नहीं मिलता है तो भी वे रानियां से निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे।

जम्मू में बीजेपी नेता पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ नेशनल कॉन्फ्रेंस में शामिल, अब्दुल्ला उत्साहित

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी की जम्मू इकाई के एक वरिष्ठ नेता 12 से अधिक पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ नेशनल कॉन्फ्रेंस में शामिल हो गए। नेकां के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि भाजपा ओबीसी जम्मू-कश्मीर के राज्य सचिव एवं 'भारतीय मोदी आर्मी' के अध्यक्ष सुखजीत सिंह और कई कार्यकर्ताओं का नेकां के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने यहां अपने आवास पर पार्टी में स्वागत किया। नेकां के प्रवक्ता ने भाजपा नेता और कार्यकर्ताओं को चुनाव से पहले पार्टी में शामिल होने को पार्टी के लिए "महत्वपूर्ण" बताया। जम्मू कश्मीर में 18 सितंबर से तीन चरण में विधानसभा चुनाव होंगे। फारूक अब्दुल्ला ने पार्टी में नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कार्यकर्ताओं से चुनाव के लिए तैयार रहने और लोगों को नेशनल कॉन्फ्रेंस की प्रमुख उपलब्धियों के बारे में बताने के लिए कहा। उन्होंने चुनावों में मजबूती और एकजुटता दिखाने के लिए जमीनी स्तर पर पार्टी के आधार को मजबूत करने पर जोर दिया। प्रवक्ता ने बताया कि नेकां में शामिल होने वालों में नौ सेवानिवृत्त सैन्यकर्मी और कई पूर्व सरकारी कर्मचारी शामिल हैं। वहीं, जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी के पूर्व युवा समन्वयक सनी कांत चिब भी पार्टी मुख्यालय में नेशनल कॉन्फ्रेंस में शामिल हो गए। नेकां के अतिरिक्त महासचिव और पूर्व मंत्री अजय कुमार सदोत्रा ने इनका पार्टी में स्वागत किया। जम्मू जिले से लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित आर एस पोरा और सुचेतगढ़ क्षेत्रों के सरपंचों और पंचों सहित दो दर्जन से अधिक पूर्व पंचायत सदस्यों के साथ चिब नेशनल कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए। चिब ने कहा, "मैं एक ऐसी पार्टी में शामिल होने पर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं जो हमेशा हमारे लोगों के अधिकारों और विकास की वकालत करने में सबसे आगे रही है।

सुविचार: शोक मत करो; जो कुछ भी तुम खोते हो वह दूसरे रूप में वापस आता है।

क्षत्रिय समुदाय की हैदराबाद के सभी क्षेत्रों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका : रेवंत रेड्डी

सीएम ने क्षत्रिय सेवा समिति की "अभिनंदन सभा" में भाग लिया

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने आज (रविवार) हैदराबाद में क्षत्रिय सेवा समिति द्वारा आयोजित "अभिनंदन सभा" में भाग लिया।

इस मौके पर सीएम ने कहा कि क्षत्रिय समुदाय ने हैदराबाद के सभी क्षेत्रों में विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। समुदाय अपनी कड़ी मेहनत और लगन के कारण सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। वरिष्ठ फिल्म अभिनेता कृष्णमराजू समुदाय के उल्लेखनीय व्यक्तित्वों में से एक हैं। अब, प्रभास अपनी ब्लॉकबस्टर बाहुबली फिल्म के साथ हॉलीवुड के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बोसराजू ने तेलंगाना राज्य में कांग्रेस पार्टी को सत्ता में लाने में सक्रिय भूमिका निभाई। बोसराजू को कर्नाटक चुनाव में लड़ने के लिए पार्टी का टिकट नहीं मिला।

हालांकि, वरिष्ठ नेता ने पार्टी की जीत के लिए प्रयास किया। राहुल गांधी ने पार्टी के लिए बोसराजू की कड़ी मेहनत को पहचाना और उन्हें मंत्री बनाया। बोसराजू और श्रीनिवास वर्मा प्रतिबद्धता और मान्यता के उदाहरण हैं। उन लोगों को प्रोत्साहित करें जो राजनीति में आगे बढ़ना चाहते हैं और उत्कृष्टता प्राप्त करना चाहते हैं। मैं आश्वासन देता हूं कि क्षत्रिय भाइयों को राजनीति में अवसर प्रदान किए जाएंगे। श्रीनिवास राजू को तेलंगाना सरकार का सलाहकार नियुक्त किया गया है। सभी से अपील है कि वे अपनी समस्याओं को उनके माध्यम से मेरे संज्ञान में लाएं। श्रीनि राजू को यंग इंडिया स्किल यूनिवर्सिटी का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। यह क्षत्रिय समुदाय को अवसर प्रदान करने की सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

हमने स्वतंत्रता सेनानियों- अल्लूरी सीतारामराजू और कोमुराम भीम की लड़ाई की भावना से प्रेरित होकर सार्वजनिक मुद्दों पर लड़ाई लड़ी। क्षत्रिय समुदाय से फ्यूचर सिटी में निवेश करने की अपील। सरकार निवेशकों को हरसंभव मदद देने के लिए तैयार है। हमारी सरकार क्षत्रिय भवन बनाने के लिए जमीन और सहायता आवंटित करेगी।

रक्षा बंधन त्यौहार की पूर्व संध्या पर राज्यपाल ने लोगों को शुभकामनाएं दीं

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने 19 अगस्त को रक्षा बंधन त्यौहार के अवसर पर एक संदेश में कहा, मैं तेलंगाना के सभी लोगों को रक्षा बंधन त्यौहार की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। यह भाई-बहनों के बीच शाश्वत बंधन की महान भारतीय परंपरा का प्रतीक है। मैं कामना करता हूं कि प्रेम का धागा सभी भाइयों और बहनों के दिलों और जीवन को बांधे और उनके साथ रहने के अमर बंधन को और मजबूत बनाए। सभी भाई रक्षा बंधन के इस पावन अवसर पर अपनी बहनों को प्यार से ढेर सारा स्नेह, देखभाल और सुरक्षा प्रदान करें। भाइयों की कलाई पर बांधी जाने वाली राखी बहनों के लिए रक्षा (सुरक्षा) का एक शानदार प्रतीक है। मैं तेलंगाना के अपने सभी भाइयों और बहनों को रक्षा बंधन की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

कांग्रेस नेता अभिषेक सिंघवी ने सीएम रेवंत से मुलाकात की

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और जाने-माने वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने रविवार को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से उनके आवास पर मुलाकात की।

सिंघवी अपने परिवार के सदस्यों के साथ रेवंत रेड्डी से मिले और मुख्यमंत्री के आवास पर कुछ अच्छा समय बिताया। हाल ही में, कांग्रेस ने तेलंगाना में आगामी राज्यसभा उपचुनाव के लिए अभिषेक सिंघवी को नामित किया है, जब बीआरएस सांसद के केशव राव ने इस्तीफा देकर कांग्रेस में शामिल हो गए थे। कार्यकाल में दो साल शेष रहने के साथ, उपचुनाव 3 सितंबर को होना है। कांग्रेस इस सीट को सुरक्षित करने की योजना बना रही है, क्योंकि उसके पास तेलंगाना विधानसभा में पर्याप्त संख्या में विधायक हैं। तेलंगाना से कांग्रेस पार्टी द्वारा राज्यसभा के लिए नामित किए जाने के बाद यह पहली बार है जब सिंघवी हैदराबाद आए हैं। इससे पहले अभिषेक सिंघवी ने उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क और सिंचाई मंत्री कैप्टन एन उत्तम कुमार रेड्डी से भी अलग-अलग मुलाकात की। टीपीसीसी अभियान समिति के अध्यक्ष मधु याश्की गौड़, सांसद मल्लू रवि, कोडाडा विधायक पद्मावती, सरकारी सलाहकार हरकारा वेणुगोपाल और अन्य नेताओं ने भी अभिषेक मनु सिंघवी से मुलाकात की और तेलंगाना से कांग्रेस पार्टी द्वारा राज्यसभा के लिए मनोनीत किए जाने पर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति निगरानी और संरक्षण (हाईड्रा) ने रविवार को गांडीपेट के आसपास अतिक्रमण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू की। लोगों और मशीनरी से लैस हाइड्रा टीमों ने सुबह खानपुर में नियमों और विनियमों का उल्लंघन कर बनाए गए अनधिकृत निर्माणों को ध्वस्त कर दिया। कुछ बिल्डिंग मालिकों ने तोड़फोड़ रोकने की कोशिश की और उनके विरोध के कारण तीखी बहस हुई। हालांकि, पुलिस बल के साथ मौजूद टीमों ने काम जारी रखा।

25 बार, पब में नशीली दवाओं के खिलाफ हुई जांच

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मद्य निषेध एवं आबकारी (पीएंडई) विभाग के अधिकारियों ने शनिवार रात शहर के 25 बार और पबों में मादक पदार्थ विरोधी जांच की। 25 टीमों में विभाजित पी एंड ई अधिकारियों ने रात 10 बजे निरीक्षण शुरू किया, जो आधी रात तक जारी रहा। निदेशक (प्रवर्तन) वीबी कमलासन रेड्डी ने कहा कि टीमें 12 पैनल ड्रग टेस्ट किटों से लैस थीं और उन्होंने संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की।

टीमों ने हैदराबाद में 12 बार और रंगा रेड्डी जिले में बाकी बार की जांच की। टीमों ने टीजीएएनबी के अधिकारियों के साथ मिलकर वित्तीय जिले गाचीबोवली के एक प्रमुख बार की भी जांच की। कमलासन रेड्डी ने कहा कि शहर के बार और पबों में औचक जांच जारी रहेगी तथा जो कोई भी नशीले पदार्थों का सेवन या तस्करी करते पाया जाएगा, उसे कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

केटीआर ने टीजीआरटीसी बसों में क्षमता से अधिक भीड़ होने पर सरकार की आलोचना की

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने आज एक्स के माध्यम से उस घटना पर प्रतिक्रिया दी जिसमें जगतियाल जिले के मोरापेली मंडल में 170 यात्रियों को ले जा रही एक बस के पिछले टायर ओवरलोडिंग के कारण फट गए।

बस के टायर, जिसमें 50 लोग सवार होने चाहिए थे, उसमें 170 यात्री सवार थे और बस में सवार यात्री वास्तव में भाग्यशाली थे और इसलिए वे बिना किसी चोट के दुर्घटना में बच गए। केटीआर ने सवाल किया कि सरकार निर्दोष लोगों की जान से क्यों खेल रही है और आश्चर्य जताया कि राज्य में बसों की संख्या कब बढ़ाई जाएगी?

उन्होंने यह भी पूछा कि बसों में यात्रियों की संख्या सीमा से अधिक न हो, इसके लिए क्या सुरक्षा मानदंड अपनाए जा रहे हैं। उन्होंने पूछा, यात्रियों की भारी संख्या के कारण काम के बोझ तले दबे ड्राइवरों और कंडक्टरों को किस तरह का मुआवजा दिया जा रहा है। शनिवार को जगतियाल से निर्मल जा रही बस में 170 यात्री सवार हुए।

जगतियाल ग्रामीण मंडल के मोरापेली उपनगर में पहुंचते ही यात्रियों की अधिकता के कारण बस के पीछे दाईं ओर के दो टायर फट गए। ड्राइवर की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया।

हालांकि यात्रियों ने शिकायत की कि उनके लिए पर्याप्त बसें नहीं चलाई जा रही हैं। उन्होंने मांग की है कि निगम तत्काल अतिरिक्त बसें चलाए।

करीमनगर में पर्यटन के लिए 4.70 करोड़ रुपये मंजूर

सवाईपेटा गांव को पर्यटन स्थल में किया जाएगा परिवर्तित : उपमुख्यमंत्री

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री बट्टी विक्रमार्क ने रविवार को कहा कि करीमनगर के सवाईपेटा गांव को पर्यटन स्थल में परिवर्तित किया जाएगा। बट्टी ने जोर देकर कहा कि गांव को पर्यटन स्थल में बदलने से पूरे भारत से लोगों को इस जगह पर आने और पापन्ना के जीवन के बारे में जानने में मदद मिलेगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मैं मंत्री पोन्नम प्रभाकर से पर्यटन विभाग के साथ प्रस्ताव पर चर्चा करने का अनुरोध करता हूं। सरकार ने क्षेत्र के विकास के लिए 4.70 करोड़ रुपये देने का आदेश जारी किया है।

उन्होंने सरदार सर्वई पापन्ना गौड़ की 374वीं जयंती के अवसर पर उनके जीवन को समर्पित एक छोटी सी पुस्तक का भी विमोचन किया। माना जाता है कि 17वीं-18वीं शताब्दी के दौरान मुगलों द्वारा राज्य पर कब्जा करने के बाद पापडू तेलंगाना के रॉबिन हुड थे। उन्होंने पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग से पुस्तक की नियमित आकार की प्रतियां छापने का आग्रह किया, जिसे लोगों में वितरित किया जा सके। विक्रमार्क ने कहा कि पापन्ना के जीवन से हम बहुत कुछ सीख सकते हैं।

कागजों पर ही रह गई अभयारण्य विकसित करने की योजना

एक खूबसूरत ऐतिहासिक किला है गांधारी खिल्ला * सुंदर मगरमच्छ अभ्यारण्य में पर्यटन स्थल बनने की संभावना

मंचेरियल, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ऐतिहासिक गांधारी खिल्ला और दर्शनीय शिववरम मगरमच्छ अभयारण्य को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के प्रस्ताव कागजों तक ही सीमित रह गए। गांधारी खिल्ला एक खूबसूरत ऐतिहासिक किला है, जिसके बारे में माना जाता है कि इसे 900 ई. में बोक्कलगुट्टा गांव के बाहरी इलाके में बनाया गया था। यह न केवल जिले के बल्कि तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के कई हिस्सों के प्रकृति प्रेमियों और साहसी लोगों के लिए ट्रैकिंग, चढ़ाई और कैंपिंग के लिए एक लोकप्रिय गंतव्य है।

किले में देश के कई हिस्सों से पर्यटकों को आकर्षित करने की क्षमता है, जिससे जिले को आय उत्पन्न करने और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार पैदा करने में मदद मिलेगी। किले में रोप वे बनाने और ट्रैकिंग तथा साहसिक गतिविधियों को शुरू करने के प्रस्ताव कागजों पर ही रह गए हैं। नतीजतन, किला उचित सुर्खियां बटोरने में असमर्थ है। वर्तमान में हैदराबाद, वारंगल और तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के अन्य हिस्सों से पिकनिक मनाने वाले और प्रकृति प्रेमी सप्ताहांत पर किले में आते हैं। उनमें से कुछ रात में अस्थायी तंबू के नीचे डेरा डालते हैं। यह किला जोड़ों के लिए प्री-वेडिंग फोटो-शूट के लिए भी सबसे पसंदीदा जगहों में से एक है।

इस बीच, जयपुर मंडल के शिववरम गांव में स्थित सुंदर मगरमच्छ अभ्यारण्य में पर्यटन स्थल बनने की संभावना है। यहां पूर्ण रूप से नाव की सवारी की सुविधा, आवास के लिए कॉटेज का निर्माण और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विचार किया गया। इस जगह को विकसित करने के प्रस्ताव को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। 36.29 वर्ग किलोमीटर में फैले इस अभयारण्य की स्थापना 1978 में मीठे पानी या दलदली मगरमच्छों के संरक्षण के लिए की गई थी। प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी पी गौतमी ने 2023 में अभयारण्य में ट्रेकर्स की सुविधा के लिए 2.2 किलोमीटर लंबा निर्देशित ट्रैक डिजाइन किया।

मंचेरियल जिला वन अधिकारी शिव आशीष सिंह ने बताया कि गांधारी किला और शिववरम मगरमच्छ अभयारण्य को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी के लिए हरे कृष्ण मंदिर तैयार

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स स्थित हरे कृष्ण मंदिर में 25 से 27 अगस्त के बीच श्री कृष्ण जन्माष्टमी मनाने के लिए अनुष्ठानों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है। हरे कृष्ण मूवमेंट हैदराबाद ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि भक्त श्री कृष्ण के चार अलग-अलग रूपों में दर्शन कर सकते हैं जिनमें श्री राधा गोविंदा, श्री गोधा कृष्ण, श्री राधा गोपीनाथ और श्री लड्डू गोपाल/माखन कृष्ण शामिल हैं।

रविवार को सुबह 8 बजे से रात 9 बजे तक दर्शन और झूलन होंगे जबकि शाम 7.30 बजे से रात 10 बजे तक महा अभिषेकम, आरती और झूलन होंगे। सोमवार को सुबह 8 बजे से रात 12 बजे तक दर्शन होंगे जबकि सुबह 8 बजे से रात 10.30 बजे तक झूलन होगा। दोपहर, शाम और आधी रात को राधा गोविंद का अभिषेक भी समारोह का हिस्सा होगा।

108 कलशों से विशेष अभिषेक और प्रवचन शाम 6.30 बजे से 8 बजे तक होंगे, जबकि आरती और झूलन रात 8 से 9 बजे के बीच होंगे। मध्य रात्रि अभिषेक, महा मंगला आरती और झूलन रात 10.30 बजे से 1 बजे तक होंगे। मंगलवार को सुबह 8 बजे से रात 9 बजे तक नंदोत्सव और व्यास पूजा समारोह के साथ छप्पन भोग और दोपहर में राजभोग आरती की जाएगी। इसी तरह के उत्सव हरे कृष्ण हेरिटेज टॉवर-नरसिंगी और हरे कृष्ण सांस्कृतिक केंद्र- कंडी, संगारेड्डी में भी मनाए जाएंगे।

कांग्रेस पर टीजी किसानों को धोखा देने का आरोप

केटीआर ने खड़गे और राहुल को लिखा पत्र
पूर्ण फसल ऋण माफी की मांग की

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस के लोकसभा नेता राहुल गांधी को पत्र लिखकर पार्टी पर तेलंगाना के किसानों को धोखा देने और सभी के लिए फसल ऋण माफी लागू करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने मांग की कि राज्य की कांग्रेस सरकार अपना चुनावी वादा पूरा करे, अन्यथा बीआरएस राज्य के किसानों के साथ मिलकर उसके खिलाफ लड़ाई शुरू करेगी। रामा राव ने कहा कि वह उन लाखों किसानों की ओर से यह पत्र लिख रहे हैं, जिन्हें वादा किए गए फसल ऋण माफी का लाभ नहीं मिला। उन्होंने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी द्वारा दिए गए आश्वासनों और जमीनी हकीकत में भारी अंतर की ओर इशारा किया। उन्होंने याद दिलाया कि चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस ने वारंगल किसान घोषणापत्र के तहत 2 लाख रुपये तक के फसल ऋण माफ करने का वादा किया था।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कर्ज माफी के लिए कई शर्तें और बहाने बनाए। तीन किस्तों में केवल आंशिक छूट दिए जाने से, जो वादा किए गए राहत का 40 प्रतिशत से भी कम है, शेष किसान संकट में हैं। पूर्व मंत्री ने कहा कि बीआरएस सरकार ने 36.68 लाख किसानों के एक लाख रुपये तक के फसल ऋण माफ किये, जिसकी राशि 19,198 करोड़ रुपये है। कांग्रेस पार्टी ने 2 लाख रुपये तक के कर्ज माफ करने का वादा किया था, लेकिन इसके बावजूद लाभार्थियों की संख्या में आश्चर्यजनक रूप से 14.31 लाख की कमी आई। दरअसल, लाभार्थियों की संख्या बढ़कर 47 लाख किसानों तक पहुंच जानी चाहिए थी, लेकिन यह संख्या घटकर 22.37 लाख रह गई। उन्होंने तर्क दिया कि कांग्रेस सरकार का दृष्टिकोण न केवल उम्मीदों पर खरा उतरने में विफल रहा, बल्कि इससे किसानों पर और अधिक दबाव पड़ा। रामा राव ने राज्य सरकार द्वारा कृषि ऋण माफी के लिए घोषित प्रारंभिक राशि और अंतिम रूप से खर्च की गई राशि में भारी अंतर पर प्रकाश डाला जबकि राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) ने घोषणा की थी कि दिसंबर तक कुल फसल ऋण 49,500 करोड़ रुपये वितरित किए गए थे, कांग्रेस सरकार ने शुरू में अनुमान लगाया था कि ऋण माफी के अपने वादे को पूरा करने के लिए उसे 40,000 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी।

भाजपा-बीआरएस विलय कांग्रेस का काम : बंडी संजय

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा-बीआरएस विलय की खबरों को खारिज करते हुए केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय ने रविवार को स्पष्ट किया कि बीआरएस का भाजपा में विलय करने का कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है और विलय के बारे में सभी दावे झूठे और भ्रामक हैं। मीडिया से बात करते हुए संजय ने कहा कि बीआरएस-बीजेपी विलय की सारी बातें कांग्रेस द्वारा लोगों का ध्यान मुख्य मुद्दों और छह गारंटियों से भटकाने की कोशिश है।

उन्होंने कहा कि बीआरएस के विलय से बीजेपी को क्या हासिल होने वाला है? बीजेपी बीआरएस के साथ हाथ मिलाने में दिलचस्पी नहीं रखती। उनकी विचारधारा बीजेपी से बिल्कुल अलग है।

डॉक्टरों ने महिला को डेंगू से संबंधित आंतरिक रक्तस्राव से बचाया

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एक 37 वर्षीय महिला, जो अपने लक्षणों को ठीक से ट्रैक करने में असमर्थ थी, को हाल ही में डेंगू से संबंधित आंतरिक रक्तस्राव के कारण पेट में 4 लीटर रक्त के साथ केआईएमएस में भर्ती कराया गया था। महिला को पेट में बहुत तेज दर्द था और वह पहले से ही डेंगू के सदमे में थी। जांच में पता चला कि उसके बहुत सारे प्लेटलेट्स खत्म हो गए थे और उसे 10 यूनिट खून चढ़ाया गया। उसकी हालत स्थिर नहीं हुई और अल्ट्रासाउंड से पता चला कि उसके पेट में खून जमा हो गया था।

यूरो-गायनेकोलॉजिस्ट केआईएमएस डॉ.एन. बिंदुप्रिया ने कहा कि हमें उसके पेट में 4 लीटर खून मिला, जो फटे हुए सिस्ट से बह रहा था। कुछ रोगियों को आंतरिक रक्तस्राव का अनुभव होता है और डेंगू में रक्तस्राव सहित कई लक्षण दिखाई देते हैं। जीवन को खतरे में डालने वाली स्थितियों से बचने के लिए समय पर इसकी पहचान करना और इसका इलाज करना बहुत ज़रूरी है। इस मामले में, हमने सफलतापूर्वक सर्जरी की, सिस्ट को हटाया और आंतरिक रक्तस्राव को साफ़ किया। सर्जरी से रक्तस्राव बंद हो गया और डेंगू नियंत्रण में है। इस बीच, चिकित्सकों ने लोगों से वायरल बुखार के इस मौसम में डेंगू से संबंधित लक्षणों पर

डेंगू के लिए टीका विकसित करने पर हो रहा काम

हर साल देश में बढ़ रहे डेंगू के मामले

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना और पूरे देश में हर साल डेंगू के मामलों में वृद्धि जारी रहने के कारण, भारत और विदेश के कई वैक्सीन निर्माता एक मजबूत डेंगू वैक्सीन विकसित करने और लॉन्च करने की दौड़ में हैं, जो संभावित रूप से देश में सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों पर बीमारी के बोझ और दबाव को कम कर सकता है। डेंगू के टीके का विकास लगातार जारी है, लेकिन हाल ही में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा पैनेशिया बायोटेक के सहयोग से भारत में स्वदेशी रूप से विकसित डेंगू टीके के तीसरे चरण के क्लीनिकल परीक्षण के शुभारंभ से अगले कुछ वर्षों में आम जनता के लिए डेंगू के टीके की उपलब्धता की उम्मीद जगी है।

कई लोगों द्वारा स्वदेशी टेट्रावेलेन्ट डेंगू वैक्सीन, डेंगीऑल (ब्रांड नाम) की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक ऐतिहासिक परीक्षण के रूप में माना जा रहा है, टेट्रावेलेन्ट डेंगू वैक्सीन स्ट्रेन को मूल रूप से नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ (एनआईएच), यूएसए द्वारा विकसित किया गया था और पैनेशिया बायोटेक, जिसने यह स्ट्रेन प्राप्त किया था, विकास के सबसे उन्नत चरण में है। इस टीके का चरण I और II 2018-19 में आशाजनक परिणामों के साथ पूरा हो गया। आईसीएमआर-पैनेशिया बायोटेक के अलावा, हैदराबाद स्थित बायोलॉजिकल ई लिमिटेड भी डेंगू बुखार से निपटने की दौड़ में है।

NOTICE
TO WHOM SO EVER IT MAY CONCERN
This is to bring to the notice of general public that, Sri Venugopal Swamy temple (Ramdas Sevak Das Mutt) located at Esamiah Bazar,Hyderabad, is currently in a state of dilapidation with damaged roof and accumulation of drainage water during rains, inside the temple and garbhalayam. Hence requires immediate reconstruction of entire temple.If anyone has any suggestions or objections kindly bring to notice within 7 days of publication of this notice,failing which thereafter no claim will be entertained at any cost.
Mahant / Fit Person Cell:
8885823244/8096834957

बुलंदशहर में बड़ा हादसा

प्राइवेट बस की साइड लगने से पिकअप वाहन पलटा, 10 की मौत, कई घायल

बुलंदशहर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। बुलंदशहर के सलेमपुर थाना क्षेत्र में प्राइवेट बस की सामने से आते पिकअप वाहन में टक्कर लग गई। हादसे के बाद पिकअप वाहन ने अनियंत्रित होकर खेत में कई पलटियां खाई। हादसे में उसमें सवार 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। पुलिस प्रशासनिक अधिकारी हादसे की जानकारी पाकर मौके पर पहुंच गए। जिला अस्पताल में घायलों का उपचार किया जा रहा है। घायलों में से करीब पांच की हालत चिंताजनक बनी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार रविवार सुबह पिकअप वाहन में करीब 20-22 यात्री सवार होकर शिकारपुर की तरफ जा रहे थे, जबकि शिकारपुर से एक प्राइवेट बस तेज रफ्तार से बुलंदशहर की तरफ आ रही थी। मेरठ-बदायूं हाईवे पर सलेमपुर थाना क्षेत्र में गांव सलेमपुर के सामने एक वाहन को ओवरटेक करने के दौरान प्राइवेट बस पिकअप वाहन से टकरा गई। पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर खेत में कई पलटियां खाकर रुक गया। हादसे में पिकअप में सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलने पर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने 10 लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य घायलों का उपचार किया जा रहा है। हादसे की सूचना मिलने पर डीएम चंद्र प्रकाश सिंह एसएसपी श्लोक कुमार, एसपी देहात समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंच गए और हादसे के संबंध में जानकारी ली। हादसे के संबंध में कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई थी। हादसे के बाद बस के चालक के फरार होने की बात कही जा रही है।

नौकरशाही में 'लैटरल एंट्री' पर बिफरा विपक्ष, अखिलेश यादव बोले

इसे वापस ले सरकार, 2 अक्टूबर से आंदोलन की चेतावनी

लखनऊ, 18 अगस्त (एजेंसियां)। नौकरशाही में 'लैटरल एंट्री' को लेकर विपक्ष, केंद की मोदी सरकार पर हमलावर हो गया है। दरअसल यूपीएससी ने केंद्र सरकार की नौकरशाही में लैटरल एंट्री के जरिए नियुक्तियों का विज्ञापन निकाला है। इसे लेकर विपक्ष ने मोदी सरकार पर लगातार निशाने साध रहा है। अब इस मुद्दे पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आंदोलन की चेतावनी दी है। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान में लिखा, बीजेपी अपनी विचारधारा के संगी-साथियों को पिछले दरवाजे से यूपीएससी के उच्च सरकारी पदों पर बैठाने की जो साजिश कर रही है, उसके खिलाफ एक देशव्यापी आंदोलन खड़ा करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा, ये तरीका आज के अधिकारियों के साथ, युवाओं के लिए भी वर्तमान और भविष्य में उच्च पदों पर जाने का रास्ता बंद कर देगा। आम लोग बाबू व चपरासी तक ही सीमित हो जाएंगे।

दरअसल से सारी चाल पीडीए से आरक्षण और उनके अधिकार छीनने की है। अब जब भाजपा ये जान गयी है कि संविधान को ख़त्म करने की भाजपाई चाल के खिलाफ देश भर का पीडीए जाग उठा है तो वो ऐसे पदों पर सीधी भर्ती करके आरक्षण को दूसरे बहाने से नकारना चाहती है। अखिलेश यादव ने कहा, बीजेपी सरकार इसे तत्काल वापस ले, क्योंकि ये देशहित में भी नहीं है। बीजेपी अपनी दलीय विचारधारा के अधिकारियों को सरकार में रखकर मनमाना काम करवाना चाहती है। सरकारी कृपा से अधिकारी बने ऐसे लोग कभी भी निष्पक्ष नहीं हो सकते। ऐसे लोगों की सत्यनिष्ठा पर भी हमेशा प्रश्नचिन्ह लगा रहेगा। आंदोलन की चेतावनी देते हुए अखिलेश यादव ने आगे कहा, देशभर के अधिकारियों और युवाओं से आग्रह है कि यदि बीजेपी सरकार इसे वापस न ले तो आगामी 2 अक्टूबर से एक नया आंदोलन शुरू करने में हमारे साथ कंधे-से-कंधा मिलाकर खड़े हों। सरकारी तंत्र पर कारपोरेट के क़ब्ज़े को हम बर्दाश्त नहीं करेंगे क्योंकि कारपोरेट की अमीरोंवाली पूंजीवादी सोच ज़्यादा-से-ज़्यादा लाभ कमाने की होती है। ऐसी सोच दूसरे के शोषण पर निर्भर करती है, जबकि हमारी 'समाजवादी सोच' ग़रीब, किसान, मजदूर, नौकरीपेशा, अपना छोटा-मोटा काम-कारोबार-दुकान करनेवाली आम जनता के पोषण और कल्याण की है। ये देश के विरूद्ध एक बड़ा षड्यंत्र है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और आरजेडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव ने भी इस मुद्दे पर केंद्र की मोदी सरकार को निशाने पर लिया है। उन्होंने एक्स पोस्ट किया, बाबा साहेब के संविधान एवं आरक्षण की धज्जियां उड़ाते हुए नरेंद्र मोदी और उसके सहयोगी दलों की सलाह से सिविल सेवा कर्मियों की जगह अब संघ लोक सेवा आयोग ने निजी क्षेत्र से संयुक्त सचिव, उप-सचिव और निदेशक स्तर पर नियुक्ति के लिए सीधी भर्ती का विज्ञापन निकाला है। उन्होंने आगे लिखा, इसमें कोई सरकारी कर्मचारी आवेदन नहीं कर सकता।

इसमें संविधान प्रदत कोई आरक्षण नहीं है। कारपोरेट में काम कर रहे बीजेपी की निजी सेना यानि खाकी पेंट वालों को सीधे भारत सरकार के महत्त्वपूर्ण मंत्रालयों में उच्च पदों पर बैठाने का यह नागपुरिया मॉडल है। संघी मॉडल के तहत इस नियुक्ति प्रक्रिया में दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों को आरक्षण का कोई लाभ नहीं मिलेगा। वंचितों के अधिकारों पर एनडीए के लोग डाका डाल रहे है।

सब्जी बेचने गया था पति इधर बच्चे को लेकर प्रेमी संग फरार हुई पत्नी

पटना, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पटना जिले के मसौढ़ी थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले में किराए के एक मकान में रहने वाली 28 वर्षीय एक बच्चे की मां के अपने प्रेमी संग फरार होने का एक मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में पति ने जहानाबाद जिला के काको थाना के पंचरूखिया ग्रामवासी मोहन यादव के खिलाफ प्राथमिकी की है। इधर, पुलिस मामले की पड़ताल में जुटी थी। मिली जानकारी के मुताबिक, नालंदा जिला के कराय परशुराय थाना क्षेत्र के एक गांव का एक युवक अपनी पत्नी व सात वर्ष के एक पुत्र के साथ किराए के मकान में रहता है। वह सब्जी बेचकर अपना और अपने परिवार का भरण पोषण करता है। बताया जाता है कि रोज की तरह बीते 11 अगस्त की सुबह भी वह सब्जी बेचने गया था। शाम में जब वह घर लौटा तो कमरे पर ताला लटका था और पत्नी व पुत्र नहीं थे। ताला तोड़कर वह कमरे के अंदर गया। जब उसने पत्नी को फोन किया तो स्वीच ऑफ था। बाद में उसने अपनी पत्नी और पुत्र की काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कुछ भी पता नहीं चला। थक हारकर उसने मोहन यादव पर अपनी पत्नी को भगा ले जाने का आरोप लगाया।

उसके खिलाफ प्राथमिकी की। इधर, पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

उत्तराखंड एसटीएफ का बड़ा एक्शन, चार करोड़ की स्मैक के साथ दो गिरफ्तार

बरेली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। एसटीएफ ने खटीमा से 01 किलो 527 ग्राम स्मैक के साथ दो आरोपियों को पकड़ा है। बरामद स्मैक की अनुमानित कीमत 4.50 करोड़ बताई जा रही है। आरोपियों के कब्जे से एक तमंचा और कारतूस भी मिला है। इसका खुलासा एसटीएफ कार्यालय में हुई प्रेसवार्ता में एसएसपी एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने किया। अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री के ड्रग्स फ्री देवभूमि अभियान के तहत एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स को उत्तराखंड के समस्त जिलों में कड़ी निगरानी और कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इस क्रम में एसटीएफ ने खटीमा में स्थानीय पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई में चकरपुर बनमंडी महादेव मंदिर के पास से हरविंदर सिंह पुत्र कुलवंत सिंह निवासी शक्ति फार्म सितारगंज और जसदीप सिंह पुत्र सुरेंद्र पाल सिंह निवासी जनता फार्म गौरी खेरा सितारगंज को गिरफ्तार किया। दोनों के कब्जे से भारी मात्रा में स्मैक मिली। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वे स्मैक उत्तर प्रदेश के मीरगंज से बबलू नामक व्यक्ति से लेकर आए थे। शुक्रवार को ही नेपाल में लाला नाम के व्यक्ति को इसकी सप्लाई होनी थी।

दो साल से कर रहे थे तस्करी अग्रवाल ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ में कई सुराग मिले हैं। बताया कि वह दो साल से मीरगंज बरेली से नेपाल में स्मैक की तस्करी कर रहे थे। नेपाल में उनके फिक्स एजेंट हैं, जिनको डिलीवरी दी जाती थी। वहीं एसएसपी अग्रवाल ने आरोपियों को पकड़ने वाली टीम को 25 हजार के नगद पुरस्कार देने की घोषणा की है।

अग्रवाल ने बताया कि एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की यह अभी तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है। इस साल टीम ने राज्य में 5.968 किलो स्मैक, 19.808 किलो चरस, 5.322 किलो अफीम, 300 किलो डोडा पोस्त बरामद कर चुकी है। एसटीएफ अभी तक इस साल 38 तस्करों को गिरफ्तार किया है।

2 साल की बच्ची से रेप के बाद हत्या, पुलिस कस्टडी से भागा आरोपी, मुठभेड़ में घायल

मेरठ, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर से दरिंदगी के बाद हत्या से देश उबल रहा है। वहीं क्रांति धरा मेरठ में एक घटना ने फिर देश का सिर शर्म से झुका दिया। अपनी मां के साथ सो रही दो साल की बच्ची का अपहरण करके उसके साथ दुष्कर्म किया गया और फिर बच्ची की हत्या कर दी गई। इस घटना के बाद मेरठ में सनसनी फ़ैल गई। बच्ची का हत्यारोपी पुलिस कस्टडी से भाग निकला लेकिन मुठभेड़ में घायल हो गया। मामला मेरठ के सदर थाना इलाके में झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले परिवार से जुड़ा है। घर के बाहर दो साल की बच्ची अपनी मां के साथ सो रही थी, तभी उनकी बच्ची अपहरण कर लिया जाता है। अपहरण करने वाले ने कई बार कोशिश की लेकिन राह चलते किसी के आ जाने से वो अपने मकसद में कामयाब नहीं हो पा रहा था, लेकिन कुछ देर बाद सन्नाटा होने के बाद बच्ची का अपहरण कर लिया गया।

यूपी उपचुनाव: बसपा ने मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर घोषित किया उम्मीदवार, राम गोपाल कोरी को बनाया प्रत्याशी

अयोध्या, 18 अगस्त (एजेंसियां)। अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए बहुजन समाज पार्टी ने प्रत्याशी की घोषणा कर दी है। रामगोपाल कोरी बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे। प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि रामगोपाल को मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र का प्रभारी नियुक्त किया गया है। पार्टी जिसे विधानसभा क्षेत्र का प्रभारी बनाती है, वही प्रत्याशी होता है।

रामगोपाल इसके पहले वर्ष 2017 में मिल्कीपुर सीट से चुनाव लड़ चुके हैं तब उन्हें 46,000 वोट मिले थे और वह तीसरे स्थान पर थे। उस चुनाव में भाजपा के टिकट पर गोरखनाथ बाबा निर्वाचित हुए थे। 2022 के विधानसभा चुनाव में गोरखनाथ को हराकर सपा के टिकट पर अवधेश प्रसाद ने जीत दर्ज की थी। 2024 के लोकसभा चुनाव में अवधेश प्रसाद फैजाबाद संसदीय सीट से सांसद चुने जा चुके हैं। उनके सांसद निर्वाचित

होने के बाद यह सीट खाली हो गई है इसलिए यहां पर उपचुनाव होने जा रहा है। समाजवादी पार्टी की ओर से अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत प्रसाद को टिकट दिए जाने के संकेत दिए गए हैं। भाजपा की ओर से अभी प्रत्याशी घोषित नहीं किया गया है।

पहाड़ी नाले में उफान से 15 गांव बाढ़ की चपेट में प्रशासन सक्रिय, ग्रामीणों के लिए अलर्ट जारी

बलरामपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पहाड़ी नाले में उफान से महराजगंज तराई के 15 गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। रास्तों पर पानी भरने के कारण आवागमन प्रभावित हो गया है। वहीं, राप्ती नदी भी चेतावनी बिंदु से ऊपर पहुंच गई है। इसे देखते हुए प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। बाढ़ चौकियों को सतर्क कर दिया गया है। पहाड़ी खरझार नाले में शनिवार की रात एकाएक पानी बढ़ गया। सुबह जब ग्रामीणों की नींद खुली तो गांव के चारों ओर पानी भरा दिखाई दिया। इससे अफरा तफरी मच गई। बाढ़ का पानी कुछ लोगों के घरों में घुस गया है। ऐसे में लोग बचाव की कोशिश में लगे हुए हैं। पानी सड़क पर बहने के कारण आवागमन बंद हो गया है। स्कूल व पंचायत सचिवालय में भी पानी भर गया है। पहाड़ी नाले में उफान के कारण रामगढ़ मैटहवा, विजयीडीह, शांतिपुरवा, जगरामपुरवा, लहेरी, सुगानगर, लोनियनपुरवा, औरहिया, सहबिनिया, साहेबनगर, पटोहाकोट, पूरे छीटन, अमरहवा कला, अमरहवा खुर्द, तिवारी डीह, बनकटवा,

पशुपति पारस को लगा बड़ा झटका

पूर्व एमएलए सुनील पांडे बीजेपी में शामिल, बेटे को लड़ाएंगे चुनाव!

पटना, 18 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोजपा के नेता और पूर्व एमएलए सुनील पांडे रविवार को बीजेपी में शामिल हो गए। पूर्व एमएलए अपने पुत्र विशाल प्रशांत के साथ रविवार को बीजेपी में शामिल हुए। तरारी से सुनील पांडे के बेटे को बीजेपी उम्मीदवार बना सकती है। पिछले कई दिनों से सुनील पांडे बीजेपी नेताओं के संपर्क में थे।

दिलीप जायसवाल ने किया स्वागत

दिलीप जायसवाल ने सुनील पांडे और उनके बेटे विशाल प्रशांत का बीजेपी में स्वागत किया। सुनील पांडे फिलहाल राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी में थे। पशुपति पारस की पार्टी छोड़कर उन्होंने बीजेपी की सदस्यता ली है। दिलीप जायसवाल ने तरारी विधानसभा उपचुनाव को लेकर सुनील पांडे के पार्टी में शामिल होने के संकेत दिए।

सुनील पांडे ने बीजेपी की सदस्यता लेने के बाद जय श्री राम कहा। उन्होंने कहा कि वह लगातार एनडीए के ही कार्यकर्ता रहे हैं लेकिन आज अपनी पार्टी बीजेपी में शामिल हो गए हैं। अगले चुनाव में बीजेपी को जीत दिलाना और

सरकार बनाना उनका मकसद होगा।

पशुपति पारस मांग रहे थे तरारी सीट

बता दें कि कुछ दिन पहले ही सुनील पांडे के लिए राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पशुपति पारस तरारी उपचुनाव के लिए सीट की मांग रहे थे। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से उपचुनाव में एक सीट देने की मांग की थी, लेकिन अब जब सुनील पांडे बीजेपी के पाले में आ गए हैं तो बड़ा झटका पशुपति पारस को लगा है। हालांकि आज सदस्यता ग्रहण करने के दौरान दिलीप जायसवाल ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। स्वागत समारोह में सुनील पांडे के बेटे विशाल प्रशांत भी बीजेपी में शामिल हुए। इस बात की चर्चा तेज है कि आगामी तरारी उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी तरारी से सुनील पांडे के पुत्र विशाल प्रशांत को उम्मीदवार बनाएगी।

सुनील पांडे ने क्या कहा?

वहीं, बीजेपी का दामन थामने के बाद सुनील पांडे ने कहा कि वह पहले भी एनडीए में थे और अब उनके घर वापसी हुई है जो भी निर्देश शीर्ष नेतृत्व देगा उसका बतौर बीजेपी कार्यकर्ता वह पालन करेंगे। 2025 में बिहार में एनडीए की सरकार बनेगी। पारस जी के पार्टी को हमने छोडा है। पहले भी हम एनडीए में रह चुके हैं। तरारी उपचुनाव पर बीजेपी जो निर्णय करेगी हमलोग पार्टी को मजबूत करेंगे। हम जिसके साथ रहे हैं करीबी रहे हैं।

'हीन भावना की शिकार भाजपा कर रही सपाइयों के खिलाफ कार्रवाई', सांसद ने करहल से खरीदी राखी

मैनपुरी, 18 अगस्त (एजेंसियां)। कुछ दिन पूर्व प्रशासन द्वारा तोड़े गए नगर पंचायत चेयरमैन के मैरिज होम के संबंध में सांसद डिंपल यादव ने जानकारी ली। कस्बा में पत्रकारों से बात करते हुए सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि अहंकार की वजह से ही लोकसभा चुनाव में भाजपा की प्रदेश में बुरी तरह हार हुई। इसी वजह से हीन भावना का शिकार होकर भाजपा सरकार सपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ गलत कार्रवाई कर रही है। सपा सांसद ने कहा, कि तालाब की जगह बताकर चेयरमैन के मैरिज होम पर गलत तरीके से कार्रवाई की गई। जनता इसका जवाब उप चुनाव में भाजपा को देगी। सांसद ने प्रशासन द्वारा चेयरमैन पत्नी के नाम पर बने मैरिज होम को तोड़ने के संबंध में स्थलीय निरीक्षण कर जानकारी ली। चेयरमैन चौधरी अब्दुल नईम के आवास पर पत्रकारों से वार्ता के दौरान सपा कार्यकर्ताओं को प्रशासन द्वारा परेशान करने के सवाल पर सपा सांसद डिंपल यादव ने कहा, कि सरकार के लोग अभी भी हीन भावना के साथ काम कर रहे हैं, लेकिन हमारे कार्यकर्ताओं का मनोबल इनकी कार्रवाई से नहीं गिरेगा। अधिकारी भाजपा के पूरे दबाव में काम कर रहे हैं, लेकिन हम लोग इस तरह की कार्रवाई को रोकने का प्रयास करेंगे।

उपचुनाव में जवाब देगी जनता

डिंपल यादव ने कहा, कि भाजपा का कार्यकर्ता-नेता भू माफिया है तो उस पर कोई कार्रवाई नहीं होती और दूसरे किसी दल के व्यक्ति के खिलाफ सत्ता पक्ष बुलडोजर चलाना शुरू कर देता है। इसलिए अब भाजपा का सत्ता से जाने का समय आ गया है। उपचुनाव की तैयारियों को लेकर सांसद ने कहा कि इस मौके पर पूर्व सांसद तेजप्रताप सिंह यादव, एमएलसी मुकुल यादव, चेयरमैन चौधरी अब्दुल नईम सहित अन्य लोग मौजूद रहे। करहल में एक दुकान से राखी खरीदती सांसद डिंपल यादव।

सांसद ने खरीदी राखी

कस्बा आईं सांसद डिंपल यादव ने कास्मेटिक दुकान का उदघाटन किया। इसके बाद उन्होंने ग्राहक बनकर राखियों में से कुछ पसंद की गईं राखी भी खरीदी। कहा कि रक्षाबंधन के दिन भाई लखनऊ आवास पर आएंगे, इसलिए ये राखी खरीदी हैं। बीते रोज कस्बा स्थित जेके कॉस्मेटिक सेंटर का उदघाटन करने के बाद सांसद डिंपल यादव को राखियां भा गईं तो वह राखियों को देखने में जुट गईं। दुकानदार कल्लू जैन ने भी सांसद को अच्छी से अच्छी राखियां दिखाईं। जिस पर उन्होंने कुछ राखियां खरीद लीं। इस दौरान उन्होंने बताया कि सोमवार को रक्षाबंधन के पर्व पर भाई लखनऊ स्थित आवास पर आएंगे तो वह उनको ये राखी बांधेंगीं। इस मौके पर पूर्व सांसद तेजप्रताप सिंह यादव, एमएलसी मुकुल यादव आदि मौजूद रहे।

मुजफ्फरपुर नाबालिग लड़की हत्या मामले में एसएसपी बोले- रेप की पुष्टि नहीं, सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी

मुजफ्फरपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर के पारू थाना क्षेत्र में हुई दलित नाबालिग लड़की की हत्या मामले में पुलिस कप्तान एसएसपी राकेश कुमार ने शनिवार को बताया कि अब तक जांच के दौरान रेप की पुष्टि नहीं हुई है। लड़की के शरीर में सिर और हांथ पर चोट के निशान हैं। प्राइवेट पार्ट्स पर चोट के निशान नहीं मिले हैं। डॉक्टरों के अनुसार पोस्टमार्टम और इनक्वेस्ट रिपोर्ट में कहीं भी शरीर के किसी प्राइवेट पार्ट में कोई चोट नहीं पाई गई है। वहीं, लड़की के शरीर से अन्य जांच के लिए नमूना एकत्रित कर जांच कराई जा रही है। रिपोर्ट आने के बाद पूरा मामला स्पष्ट हो पाएगा। आगे एसएसपी ने बताया कि फरार चल रहे आरोपी की तलाश जारी है। शनिवार को उसके घर की कुर्की की गई है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने एसआईटी की तीन टीम बनाई है। आरोपी की गिरफ्तारी जल्द कर ली जाएगी। उन्होंने बताया कि अब तक की जांच में पुलिस इन्वेस्टिगेशन और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में रेप की बात सामने नहीं आई है जबकि कई जगह सोशल साइट पर यह बात सामने आई थी कि लड़की के साथ रेप करके उसके छाती को काट लिया गया था और उसके प्राइवेट पार्ट्स में भी चाकू से हमला किया गया था जिसमें कोई सत्यता नहीं है। मृतका के शरीर से डॉक्टरों की टीम ने सैंपल लेकर जांच के लिए बाहर भेजा है।

बेगूसराय उप नगर आयुक्त ने भतीजी से की लव मैरिज

शादी के बाद लड़की बोली- प्यार किया है कोई गुनाह नहीं, घर वालों ने झूठा केस किया

बेगूसराय, 18 अगस्त (एजेंसियां)। नगर निगम के उप नगर आयुक्त शिव शक्ति कुमार (31) ने अपनी भतीजी सजल सिंधु (24) से लव मैरिज कर ली है। 14 अगस्त को खगड़िया के कात्यायनी मंदिर में दोनों ने शादी की। शादी के तीन दिन बाद दोनों ने एक वीडियो जारी किया है। वीडियो में सजल सिंधु ने कहा है कि 12वीं क्लास से हमारा अफेयर चल रहा था। हमने प्यार किया है कोई गुनाह नहीं। लड़की के घर वालों ने बेगूसराय के उप नगर आयुक्त पर लड़की के अपहरण का केस दर्ज कराया था। सजल ने कहा कि 'हम लोगों का पैतृक निवास एक ही जगह है। 2015 से हम दोनों एक-दूसरे के साथ हैं।

2015 में मैट्रिक पास करने के बाद मैं बीएचयू बनारस के सेंट्रल हिंदू गर्ल स्कूल में इंटर की पढ़ाई करने के लिए गई। शिव शक्ति पीजी करने गए थे। हम दोनों पहले से एक-दूसरे को जानते थे, वहीं मिले। पहले से विचार को समझते थे, वहां वक्त मिला तो एक-दूसरे की विचारधारा को गहराई से जाना-समझा। धीरे-धीरे प्रेम बढ़ते गया। 14 अगस्त को हमने खगड़िया के चर्चित शक्तिपीठ मां कात्यायनी के समक्ष प्रेम विवाह कर लिया।' सजल ने कहा कि '2 जनवरी 2023 को मेरे पिताजी का निधन हो गया, डेढ़ साल में मैं मानसिक दबाव में रही, टूट रही थी। अब मां दुर्गा और भगवान कृष्ण के आशीर्वाद से शिव शक्ति सहभागी बने हैं। शिव शक्ति के खिलाफ वैशाली में एफआईआर दर्ज हुई है।

जिसमें उनके जीजा, मां और पुणे में कार्यरत भाई के अलावा एक अन्य लोगों को भी नामजद किया गया है। केस कर हम दोनों के जीवन और शिव शक्ति के कार्य को डिस्टर्ब करने का प्रयास किया गया है। मैं शिव शक्ति को 10 साल से जानती हूं, लेकिन परिवार को 24 सालों से जान रही हूं। हमारे परिवार के लोग किताब में पढ़े चीज को जीवन में शामिल करें, हमारे रिश्ते को स्वीकारें। उप नगर आयुक्त से शादी करने के बाद सजल ने कहा कि अपहरण का आरोप झूठा है।

बॉस का मर्डर करके भाग रहे थे दो आरोपी, रास्ते में तैयारी के साथ बैठी थी पुलिस, रात 2 बजे हुआ एनकाउंटर

बनारस, 18 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बनारस में पुलिस ने रात दो बजे एनकाउंटर के बाद हत्या के दो आरोपियों को पकड़ा है। दोनों आरोपी बनारस से बिहार भागने की फिराक में थे। पुलिस ने सूचना मिलने पर नाकाबंदी की और आरोपियों ने पुलिस को देखते ही गोली चला दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली मारकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामला सुल्तानपुर जनपद के कोतवाली नगर थाना का है। यहां पुलिस ने को कोतवाली नगर के विनोवापुरी मोहल्ले में जल निगम के अधिशाषी अभियन्ता संतोष कुमार की हत्या के आरोपियों को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपी मृतक संतोष के विभाग के संविदा सहायक अभियन्ता अमित और एक अन्य व्यक्ति जिसका नाम प्रदीप है।

हादसा नहीं साजिश का शिकार हुई साबरमती एक्सप्रेस? रेलवे इंजीनियर को पटरी पर मिला कुछ ऐसा, देखते ही पहुंचा थाने

कानपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। वाराणसी से अहमदाबाद जा रही साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन शुक्रवार और शनिवार दरियमानी की रात 2:35 बजे कानपुर के करीब पटरी से उतर गई। ट्रेन के करीब 20 डिब्बे पटरी से उतर गये। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी की जान नहीं गई। वहीं अब साबरमती एक्सप्रेस के हादसे के पीछे एक बड़ी जानकारी सामने आ रही है। पता चला है कि ट्रेन को पलटाने के लिए ट्रैक पर पटरी का टुकड़ा फंसा कर षड्यंत्र रचा गया था। रेलवे के इंजीनियर ने षड्यंत्र की आशंका जताते हुए पनकी थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। बता दें घटना में इंजन और 20 डब्बे बेपटरी हो गए थे। साथ ही 300 मीटर से ज्यादा पटरी उखड़ गई थी। ट्रेन हादसे के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस पूरे हादसे की जांच आईबी से कराने को कहा था। आईबी ने अब तक की जांच में साजिश की आशंका जताई है। बताया जा रहा है कि ट्रैक पर जो टुकड़ा मिला है वह पटरी के हिस्से का ही है। मगर अब तक की जांच में पटरी का कोई हिस्सा टूटा हुआ नहीं मिला है। साबरमती एक्सप्रेस के ड्राइवर के मुताबिक, एक बोल्डर इंजन से टकराया और इंजन का कैटल गार्ड बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं हादसे के तुरंत बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ट्वीट करके बताया था कि, 'साबरमती एक्सप्रेस कानपुर के पास ट्रैक पर रखी किसी चीज से टकराकर पटरी से उतर गई। तेजी से टकराने के निशान देखे गए हैं। साक्ष्य सुरक्षित हैं। आईबी और उत्तर प्रदेश पुलिस इस पर काम कर रही हैं। हादसे में यात्रियों या कर्मचारियों को कोई चोट नहीं आई, सभी सुरक्षित है।' बताते चले कि इसी इलाके में पिछले ढाई से तीन महीने में तीन ट्रेने इस तरह से हादसे का शिकार हो चुकी हैं।

झारखंड-महाराष्ट्र में नहीं हुआ चुनाव का ऐलान तो भड़के संजय राउत

कहा- पार्टी तोड़ने और तिजोरी भरने के लिए समय ले रहे

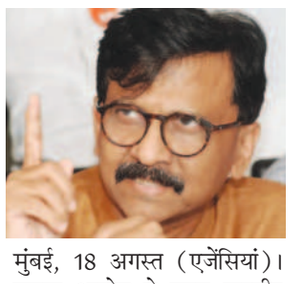

मुंबई, 18 अगस्त (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने जम्मू कश्मीर और हरियाणा में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। इन दोनों राज्यों के साथ झारखंड और महाराष्ट्र में भी चुनाव होने के कयास लगाए जा रहे थे। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ। इसके बाद संजय राउत ने सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बीजेपी नेता एक देश एक चुनाव की बात करते हैं, लेकिन चार राज्यों में एक साथ चुनाव नहीं करा सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि झारखंड में भारतीय जनता पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा को तोड़ने की कोशिश कर रही है और महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे के साथ मिलकर अजीत पवार और देवेंद्र फडणवीस तिजोरी भर रहे हैं। इसी वजह से दोनों राज्यों में चुनाव की तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है। चुनाव कब कराना है और कैसे कराना है। इसका फैसला चुनाव आयोग करता है और सरकार का इसमें हस्तक्षेप नहीं होता। हालांकि, विपक्षी दल लंबे समय से आरोप लगा रहे हैं कि चुनाव आयोग और ईडी-सीबीआई जैसे एजेंसियां सरकार की कठपुतली बनकर रह गई हैं।

हरियाणा के साथ महाराष्ट्र का चुनाव नहीं करने पर सांसद संजय राऊत ने कहा कि, महाराष्ट्र में जो त्रिकूट बैठे हैं उनको और समय मिले, खेल कर सकें। सरकारी तिजोरी खाली कर सकें। इसलिए एक साथ चुनाव नहीं किया गया। सांसद संजय राउत ने कहा कि झारखंड से जो खबरें आ रही हैं। वहां क्या हो रहा है, क्या होने जा रहा है, वहां पर हेमंत सोरेन जी को तकलीफ में लाने के एक बार फिर से कोशिश की जा रही है। उनकी सरकार एक मजबूत सरकार है, उसमें से कुछ लोगों को तोड़ने की कोशिश की जा रही है।

यदि वह चुनाव घोषित कर देते हैं तो कोर्ड आफ कंडक्ट लागू हो जाता। संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र में जो लोग बैठे हुए हैं, त्रिकूट उनको और समय मिलना चाहिए खेल करने के लिए। सरकारी तिजोरी खाली करने के लिए। इसलिए चुनाव नहीं हो रहा। आप वन नेशन वन इलेक्शन की बात कर रहे हो और आप चार राज्यों का चुनाव साथ नहीं करा सकते हो।

पूर्व मुख्य मंत्री कमलनाथ फिर से प्रदेश में हुए एक्टिव

राजधानी भोपाल आवास पर बहनों से बंधवाई राखी

भोपाल, 18 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर से एक्टिव हो गए हैं। कमलनाथ पिछले काफी समय से मध्य प्रदेश की राजनीति में समय नहीं दे पा रहे थे हालांकि वह प्रदेश की सभी गतिविधियों पर नजर बनाए हुए थे और सोशल मीडिया के माध्यम से सरकार पर हमला बोल रहे थे। अब एक बार फिर से कमलनाथ भोपाल पहुंच गए हैं और कार्यकर्ताओं से मेल मुलाकात शुरू कर दी। रविवार को उन्होंने सुबह भोपाल के सरकारी निवास पर बहनों से राखी बंधवाई।

पूर्व सीएम कमलनाथ ने सोशल मीडिया के माध्यम से इसकी जानकारी दी। उन्होंने अपने सोशल अकाउंट एक्स पर लिखा कि आज भोपाल में बहनों से राखी बंधवाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। बहनों के इस प्रेम और स्नेह से हृदय में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार होता है। पवित्र राखी हमें बहनों की रक्षा करने की प्रेरणा देती है। ईश्वर मुझे शक्ति दे कि मैं आजीवन बहनों के सम्मान की रक्षा करता रहूं।

मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद कांग्रेस जहां एक तरफ पार्टी को मजबूत करने में जुटी हुई है, वहीं मध्य प्रदेश सरकार को घेरने में भी कोई कसर नहीं छोड़ रही है। खास बात यह है कि कांग्रेस द्वारा प्रदेश भर में किया जा रहे आंदोलन में प्रदेश के सभी दिग्गज नेता पहुंच रहे हैं,

छत्रपति संभाजीनगर में मिड डे मील खाने से 181 स्कूली छात्रों की तबीयत बिगड़ी, 9 की हालत नाजुक

मुंबई, 18 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में मिड डे मील का बिस्किट खाने से 181 स्कूली छात्रों की तबीयत बिगड़ गई। इनमें से नौ छात्रों की हालत नाजुक बताई जा रही है, जिन्हें दूसरे अस्पताल में शिफ्ट किया गया है। इन बिस्कुटों को खाने के बाद छात्रों को मतली और उल्टी होने लगी, जबकि कई छात्रों को अचानक बुखार आ गया। इन नौ छात्रों की तबीयत ज्यादा बिगड़ने से उन्हें इलाज के लिए संभाजी नगर स्थानांतरित कर दिया गया है। छात्रों को दो एम्बुलेंस के साथ संभाजीनगर सरकारी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया और कुछ और छात्रों की हालत बिगड़ने की सूचना है। यह घटना छत्रपति संभाजीनगर जिले के पैठन तालुका के केकट जलगांव में जिला परिषद स्कूल में हुई है। शनिवार का दिन होने के कारण स्कूली बच्चों बिस्किट बांटे गए थे। इन बिस्कुटों को खाने के बाद छात्रों की तबीयत बिगड़ने लगी और अचानक उन्हें बुखार आ गया। सभी छात्रों को इलाज के लिए पचोड़ के ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इनमें से कुछ छात्रों की तबीयत ज्यादा बिगड़ गई जिस वजह से उन्हें संभाजी नगर के अस्तपाल में भर्ती कराया गया। छात्रों के लिए दो एम्बुलेंस की व्यवस्था की गई थी जिससे उन्हें संभाजी नगर के सरकारी अस्पताल लाया गया। इस मामले में अभी प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। ऐसे में यह पता नहीं चल पाया है कि इस संबंध में किस प्रकार की जांच चल रही है। इसी महीने पालघर में 70 से अधिक लोग फूड पॉइजनिंग का शिकार हो गए थे जिनमें स्कूली छात्र भी शामिल थी। पालघर के दहानू आदिवासी विकास परियोजना के तहत केंद्रीय रसोई से स्कूल में खाने की आपूर्ति की गई थी। रात के वक्त आश्रम स्कूल के बच्चों ने खाना खाया और अगले ही दिन उन्हें उल्टी और दस्त की शिकायत शुरू हो गई जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था।

सीएम भगवंत मान ने हॉकी खिलाड़ियों को बांटे 1-1 करोड़ के चेक, बिना मेडल लौटने वालों को भी मिले इतने लाख

चंडीगढ़, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आज पेरिस ओलंपिक में हिस्सा लेने वाले प्रदेश के 19 खिलाड़ियों को सम्मानित किया। ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली हॉकी टीम के आठ खिलाड़ियों को सीएम मान ने एक-एक करोड़ रुपये दिए। इसले अलावा ओलंपिक में भाग लेने वाले पंजाब के 11 खिलाड़ियों को 15-15 लाख रुपये दिए गए। इस दौरान सीएम मान ने कहा कि हॉकी टीम के चार खिलाड़ी पंजाब पुलिस में है। इन खिलाड़ियों को प्रमोशन भी दिया जाएगा। हॉकी टीम के खिलाड़ियों को नशे के खिलाफ ब्रांड एंबेसडर भी बनाया जाएगा। सीएम मान ने आगे कहा कि हॉकी खिलाड़ियों को ब्रांड एंबेसडर बनकर युवाओं को नशा छोड़ने का संदेश देंगे। उन्हें समझाएंगे कि नशा छोड़ो और खेलों की तरफ रुख करों। मेडल लाने पर उन्हें सरकार नौकरी भी दी जाएगी। ब्रांड एंबेसडर की स्ट्रगल कहानियों को लोगों के साथ शेयर किया जाएगा। क्योंकि सोने की दुकान में गहने तो सबको अच्छे लगते है लेकिन वो भट्टी से निकले कैसे हैं उसे कोई नहीं जानता।

सीएम मान बोले मोबाइल पर देखा था मैच

सीएम मान ने कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते हुए बताया कि जिस दिन टीम इंडिया का मैच था उनकी दो रैलियां थी। उन्होंने रेस्ट हाउस में मोबाइल पर मैच देखा था। वे पंजाब में एक बड़ा हॉकी टूर्नामेंट कराना चाहते है और इसके लिए टीम इंडिया को स्पॉन्सर भी करना चाहती है लेकिन 2036 तक इसकी जिम्मेदारी उड़ीसा के पास है। वहीं सीएम मान ने अब पंजाब में खेलों में जोन बनाए जाएंगे। लुधियाना में एथलेटिक्स का जोन, फुटबाल के लिए माहलपुर में, बॉक्सिंग के लिए सुनाम में और हॉकी के लिए जालंधर में जोन बनाए जाएंगे।

खेलों के प्रति पंजाब सरकार अपने दरवाजे खुले रखेगी। खिलाड़ियों को नौकरी भी मिलेगी और नौकरी पर लगे खिलाड़ियों को प्रमोशन भी मिलेंगे। वहीं कार्यक्रम के दौरान हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत ने कहा कि खुशी की बात है कि पंजाब में खेलों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

हिमाचल में मानसून की शुरुआत से अब तक बादल फटने और बाढ़ की 51 घटनाओं में 31 लोगों की मौत

शिमला, 18 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में मानसून सीजन के दौरान 27 जून से 16 अगस्त के बीच बादल फटने और बाढ़ की 51 घटनाओं में 31 लोगों की मौत हो चुकी है। यह जानकारी राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र ने दी। हिमाचल प्रदेश में मानसून 27 जून को पहुंचा। 27 जून से 16 अगस्त के बीच बादल फटने और बाढ़ की 51 घटनाओं में 31 लोगों की मौत हो गई और 33 लोग लापता हो गए। लाहौल और स्पीति में ऐसी 22 घटनाएं हुईं, जो राज्य में सबसे अधिक हैं, इसके बाद किन्नौर में 11, ऊना में छह, कुल्लू और मंडी में तीन-तीन, सिरमौर में दो और चंबा, हमीरपुर, शिमला और सोलन जिलों में एक-एक घटनाएं हुईं। आंकड़ों के अनुसार, 121 घर पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए।

इंदौर में अफसरों पर फायरिंग करने वाले का मकान ढहाया

सुबह 5 बजे 7 जेसीबी और 3 पोकलेन मशीन के साथ पहुंची टीम

इंदौर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। इंदौर में कब्जा हटाने गए तहसीलदार और पटवारी पर फायरिंग करने वाले आरोपी का घर पुलिस ने ढहा दिया है। रविवार सुबह 5 बजे से कार्रवाई शुरू हुई। कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि फायरिंग करने वाले आरोपी सुरेश पटेल व अन्य के खिलाफ रासुका की कार्रवाई की जा रही है। ऐसी घटना कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आरोपी सुरेश पटेल की कोठी को ढहाने में 7 जेसीबी और 3 पोकलेन मशीन लगाई गई थीं। करीब तीन घंटे में उसे ध्वस्त कर दिया गया। दरअसल, 14 अगस्त बुधवार को अरबिंदो हॉस्पिटल की जमीन से कब्जा हटाने गए तहसीलदार और पटवारी पर वहां मौजूद गार्ड ने फायरिंग कर दी थी। दोपहर करीब डेढ़ बजे जैसे ही कब्जे पर बुलडोजर चला तो सिक्योरिटी गार्ड ने 12 बोर बंदूक से गोलियां चलानी शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गार्ड ने करीब 25 से 30 राउंड गोलियां चलाईं। जानकारी के मुताबिक जिस जमीन से कब्जा हटाया जा रहा था वह ईडी में अटैच है। गार्ड को पकड़ लिया गया था। बताया जा रहा है कि घटना के दौरान सुरेश पटेल भी मौजूद था। इस गोली कांड की जानकारी प्रदेश सरकार तक पहुंच गई है। इस बीच मल्हारगंज क्षेत्र के नायब तहसीलदार जितेंद्र वर्मा ने रिटायरमेंट के लिए आवेदन दिया है।

उनके इस कदम को घटना से जोड़कर देखा जा रहा है। क्योंकि तहसीलदार शैवाल सिंह और टीम के साथ नायब तहसीलदार जितेंद्र वर्मा भी कब्जा हटाने पहुंचे थे। उनके साथ पटवारी प्रदीप चौहान और मयंक चतुर्वेदी भी थे। एफआईआर में जितेंद्र वर्मा की मौजूदगी का भी जिक्र है। वीडियो में वे जान बचाकर भागते हुए भी नजर आ रहे हैं। नायब तहसीलदार के नजदीकी लोगों का कहना है कि वे हार्ट पेशेंट हैं। उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता है। उन्होंने डॉक्टरों की सलाह पर वीआरएस मांगा है। अवैध निर्माण हटाने के दौरान टीम पर हमले के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। अब टीम में लाइसेंसी हथियार की अनुमति की सुगबुगाहट शुरू हो गई है। बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कुछ साल पहले तहसीलदार-पटवारी को लाइसेंस देने की घोषणा की थी। इसके बाद मामला ठंडे बस्ते में चला गया। जानकारी के मुताबिक जमीन को लेकर अरबिंदो अस्पताल और सुरेश पटेल परिवार के बीच विवाद चल रहा है।

दरअसल, इंदौर विशेष न्यायालय ने 2023 में अरबिंदो अस्पताल के पक्ष में जमीन को लेकर फैसला सुनाया था। इस जमीन पर पटेल परिवार के 10 लोगों का कब्जा था। 9 लोगों ने अपने-अपने कब्जे हटा लिए थे, लेकिन सुरेश पटेल का एक मकान बना हुआ था।

मकान के अंदर 4 से 5 गार्ड रह रहे थे। कलेक्टर के आदेश पर जमीन का कब्जा हटाने के लिए तहसीलदार सेवल सिंह, पटवारी प्रदीप चौहान, पटवारी मयंक चतुर्वेदी टीम समेत मौके पर गए थे। जिन पर यहां मौजूद गार्ड ने फायर कर दिया था।

एनआईए ने मेडिकल टूरिज्म की आड़ में चल रहे धंधे पर कसी लगाम

अंग व्यापार रैकेट में शामिल चार लोगों के खिलाफ दाखिल की चार्जशीट

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। एनआइए ने केरल के नेदुंबसेरी में मेडिकल पर्यटन की आड़ में अंतरराष्ट्रीय अंग व्यापार रैकेट में शामिल चार आरोपितों के विरुद्ध आरोप-पत्र दाखिल किया है। इसमें कहा गया है कि आरोपित युवाओं को पैसे के बदले अंग दान के लिए प्रेरित करते थे। वे एक बड़े अंग व्यापार रैकेट के तहत विदेश में अंगों की तस्करी करते थे। एनआईए की जांच के अनुसार, आरोपित भारत में अंगदाताओं की पहचान करते थे। एजेंट और इंटरनेट मीडिया के माध्यम से उन्हें पैसे का लालच देकर उनका शोषण करते थे। एनआइए की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि गिरोह ने जरूरत वाले भारतीय मरीजों से भी संपर्क किया और ईरान में उनके अंग प्रत्यारोपण की सुविधा के लिए उनसे लगभग 50 लाख रुपये वसूले। गिरोह ने दानकर्ताओं और प्राप्तकर्ताओं को यह विश्वास दिलाया कि ईरान में अंग व्यापार कानूनी है। आरोपितों ने अवैध अंग व्यापार को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न सरकारी कार्यालयों और अधिकारियों की मुहरों एवं हस्ताक्षरों सहित जाली दस्तावेज तैयार किए थे। तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इनकी पहचान सबित कोरुकुलथ नासर, सजित श्याम, बेलमकोंडा राम प्रसाद के रूप में हुई है, जबकि चौथा मधु जयकुमार फरार है।

देहरादून गैंगरेप केस: पुलिस की कार्रवाई, बस ड्राइवर समेत 5 आरोपी गिरफ्तार, अपना जुर्म कबूला

देहरादून, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब से देहरादून आई किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामले में बड़ी अपडेट सामने आई है। पुलिस ने इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनमें से तीन ड्राइवर हैं एक हेल्पर है और एक रोडवेज का कैशियर है इन सभी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है सभी पुलिस की हिरासत में है। किशोरी की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है और वो रोडवेज बस से देहरादून पहुंची थी। वहीं इस घटना को लेकर लोगों में आक्रोश दिखाई दे रहा है, देहरादून गैंगरेप मामले में कुछ लोग आईएसबीटी पहुंचकर दोपहर 2:00 बजे प्रदर्शन कर सकते हैं इसको लेकर लोगों में आक्रोश साफ तौर पर देखा जा रहा है फिलहाल लड़की को लेने उसका परिवार उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से चल चुका है और देर शाम तक उनके देहरादून पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। एसएसपी देहरादून ने जानकारी देते हुए बताया है कि जिन पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जिनकी पहचान धर्मेंद्र कुमार उम्र 32 बुग्गावाला हरिद्वार, देवेंद्रकुमार उम्र 52 वर्ष भगवानपुर हरिद्वार, रवि कुमार उम्र 34 वर्ष नवाबगंज फरुखाबाद, राजपाल उम्र 57 वर्ष बुग्गावाला हरिद्वार, राजेश कुमार उम्र 38 वर्ष माजरा देहरादून के रूप में हुई है। इन सभी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है सभी पुलिस की हिरासत में है। एससपी ने बताया कि लड़की के गांव का पता लगा लिया गया है। उसके माता-पिता जीवित हैं और उन्हें यहां बुलाया गया है। जानकारी के अनुसार, पीड़ित पंजाब से दिल्ली आई और फिर मुरादाबाद के रास्ते 13 अगस्त की रात देहरादून पहुंची। जैसे ही किशोरी देहरादून आईएसबीटी पहुंची तो उसकी मानसिक हालत को देखते हुए कुछ अज्ञात आरोपियों ने कथित तौर पर उसके साथ बस में ही दुष्कर्म किया और उसके बाद मौके से फरार हो गए।

हाजी हारुन बोले- फिलिस्तीन से मधुर संबंध रखना क्या गुनाह है? केंद्र और राज्य सरकार स्पष्ट करे

भोपाल, 18 अगस्त (एजेंसियां)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भोपाल में एक युवक द्वारा फिलीस्तीन का झंडा लगाने पर पुलिस द्वारा उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। अगर, ये वाकई कानूनन अपराध है तो मध्य प्रदेश और भारत सरकार को इसकी स्पष्ट घोषणा करनी चाहिए, ताकि जो भ्रम की स्थिति बनी हुई है, वह समाप्त हो। जमीअत उलमा मध्य प्रदेश के अध्यक्ष हाजी मोहम्मद हारून ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि हमारी जानकारी के अनुसार भारत सरकार फिलिस्तीन का समर्थन कर रही है, अगर ऐसा नहीं है और भारत में फिलीस्तीन का झंडा लगाना अपराध है तो केंद्र और मध्य प्रदेश सरकार स्थिति स्पष्ट करें। ताकि, हम अपने समाज को स्पष्ट रूप से संदेश देकर इस प्रकार के कृत्य करने से रोक सकें।

हाजी हारून ने कहा कि फिलीस्तीन को लेकर भारत सरकार की नीति महात्मा गांधी और जवाहर लाल नेहरू से लेकर आज तक समर्थन में रही है। फिलीस्तीन से हमेशा भारत के अच्छे संबंध रहे हैं, वह एक मित्र देश रहा है। इस समय पूरे विश्व में कई बड़े-बड़े देश और उनके नागरिक फिलीस्तीन का समर्थन कर रहे हैं। पूरे विश्व में इस समय फिलीस्तीन के समर्थन में जुलूस, रैलियों का आयोजन हो रहा है। भारत में भी करोड़ों भारतीय फिलीस्तीन के समर्थन में हैं।

'बेगारी' की पाठशाला: छात्रों से लगवाया झाड़ू, फिंकवाया गोबर; वायरल हुआ मास्टर साहेब का वीडियो

शिवपुरी, 18 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी के स्कूल से छात्रों के झाड़ू लगाने और गोबर फेंकने का वीडियो वायरल हो रहा है। स्कूल की छात्र छात्राएं जब स्कूल में सफाई का काम कर रही हैं, उस समय एक टीचर भी हाथ में छड़ी लेकर घूम रहे हैं और छात्रों को निर्देश दे रहे हैं। मामला बदरवास विकासखंड के रन्नौद संकुल के शासकीय माध्यमिक विद्यालय माड़ा गणेश का है। यह वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद रन्नौद संकुल प्रभारी ने टीचर से जवाब तलब किया है। उन्होंने कहा कि उनका जवाब आने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई के लिए उच्चाधिकारियों को रिपोर्ट भेजा जाएगा। उधर, इस स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों के परिजनों में इस वीडियो को लेकर काफी रोष है। परिजनों का कहना है कि वह अपने बच्चों को पढ़ने के लिए स्कूल में भेजते हैं। जबकि वहां पढ़ाई के बजाय बच्चों से साफ सफाई का काम कराया जा रहा है। यहां तक कि स्कूल में मवेशियों की सेवा भी इन बच्चों से कराई जा रही है।

बता दें कि मध्य प्रदेश में स्कूलों में व्यवस्था की जिम्मेदारी गांवों में पंचायतों को और नगरीय क्षेत्रों में नगर निकायों को दी है। यहां साफ सफाई की जिम्मेदारी भी इन्हीं निकायों की है। बावजूद इसके स्कूलों में चपरासी या सफाईकर्मियों की नियुक्ति नहीं है। ऐसे में स्कूल के अंदर साफ सफाई का काम बच्चों से कराया जाता है। इस संबंध में पहले भी कई बार वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो चुका है।

इस वीडियो में स्कूल के टीचर बद्रीपाल यहां पढ़ने के लिए आए बच्चों से झाड़ू लगवा रहे हैं और स्कूल में पड़ा मवेशियों का गोबर फिंकवा रहे हैं। वायरल वीडियो पर संज्ञान लेते हुए रन्नौद के संकुल प्रभारी पंकज सोनी ने इस घटना को शर्मनाक बताया है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में टीचर बद्रीपाल से जवाब तलब किया गया है।

'रोका तो खत्म कर दूंगा' रेत माफियाओं ने की नायब तहसीलदार को ट्रैक्टर से कुचलने की कोशिश

राजगढ़, 18 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में रेत माफियों ने नायब तहसीलदार को ट्रैक्टर से कुचलने की कोशिश की है। पुलिस बल के साथ जब नायब तहसीलदार रेत माफियाओं के ट्रैक्टर को पकड़ने पहुंचे तो रेत माफियाओं ने फोन लगाकर धमकी दी। कहा की आप मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकते। आइंदा मेरे ट्रैक्टर को रोका तो स्पॉट पर ही ट्रैक्टर चढ़वा कर जान से खत्म कर दूंगा।

ज़ब संडावता टप्पा में पदस्थ नायब तहसीलदार सारंगपुर से अपने कार्यालय जाने के लिए संडावता सारंगपुर मार्ग पर पहुंचे तो वहां से जा रहे रेत से भरे ट्रेक्टर को देखकर पूछा की कहां जा रहे हो? इतना पूछते ही रेत माफियाओं ने ट्रैक्टर से टक्कर मार दी। इससे तहसीलदार के वाहन के लेफ्ट साइड का कांच टूट गया। घटना के बाद दयाखेड़ी जाने वाले कच्चे उबड़ खाबड़ रास्तों में से ट्रैक्टर उतारकर भगा ले गए।

ट्रैक्टर चालक को पहचान लिया

नायब तहसीलदार सुरेश सिंह ने बताया की मैंने ट्रैक्टर चालक को पहचान लिया था। यह वही ट्रैक्टर चालक पवन भिलाला था, जिसको बीते 8 अगस्त को रेत से भरा हुआ पकड़ा था। ट्रैक्टर पर एक अन्य व्यक्ति नीरज भिलाला भी मौजूद था।

कीचड़ में फंसा मिला था ट्रैक्टर

नायब तहसीलदार ने बताया की घटना की सूचना तुरंत लीमा चौहान पुलिस को दी। पीछा किया तो ट्रैक्टर देदला गांव के खेत में कीचड़ में फंसा मिला। पुलिस को देदला गांव के लोगों ने बताया की ट्रैक्टर इतनी तेज गति से गांव की गलियों से निकला की उनके बच्चों को भी कुचल देता। पुलिस बल को देखकर दोनों युवक ट्रैक्टर छोड़ कर भाग निकले।

रेत माफियाओं ने फोन पर दी धमकी

पुलिस और नायब तहसीलदार गांव में लोगों से घटना के संबंध में बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान नायब तहसीलदार को फोन आया। फोन पर नायब तहसीलदार को बोला, 'भगवानसिंह पाल खजुरिया घाटा से बोल रहा हूं। क्या आपने मेरे ट्रैक्टर ट्रॉली को रोका है। आपने 8 तारीख को भी मेरे दो ट्रैक्टर ट्रॉली पकड़ कर जब्त करने की कार्रवाई की थी। क्या कर लिया तुमने, उस दिन मेरे रेत भंडारण में 400 ट्रॉली का पंचनामा बनवाया बस इतना ही न, मैंने वहां से पूरी रेत ही गायब करवा दी। इसकी जानकारी सारंगपुर तहसीलदार को भी है। आप मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकते। मेरी ऊपर तक पहचान है। आइंदा मेरे ट्रैक्टर रोकने की कोशिश की तो स्पॉट पर ही ट्रैक्टर चढ़वा कर जान से खत्म कर दूंगा।'

रिश्वत के पैसे का ईमानदारी से बंटवारा करते पुलिसकर्मियों का वीडियो वायरल, एलजी का तगड़ा एक्शन

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पुलिस का एक शर्मनाक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में ट्रैफिक पुलिसकर्मी ने एक झोपड़ी को उगाही का अड्डा बनाया हुआ था। इस झोपड़ी में पुलिस वाले वाहन चालकों को पकड़कर लाते थे और फिर उगाही करते थे। उगाही करने के बाद आपस में पैसे का बंटवारा भी करते थे। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामला दिल्ली के गाजीपुर की एक पुलिस चौकी का है। शनिवार को ट्रैफिक विभाग में तैनात तीन पुलिसकर्मियों का वीडियो वायरल हुआ। एक ट्रैफिक पुलिसकर्मी कैमरे में रिश्वत लेते रिकॉर्ड हो गया, जबकि बाद में ये पैसा तीन पुलिसकर्मियों में बांटा गया। बंटवारे के दौरान का भी वीडियो कैमरे में कैद हो गया और जब यह वीडियो वायरल हुआ तो विभाग में हड़कंप मच गया। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में एक पुलिसकर्मी को थ्रिल लौरी सर्किल के गाजीपुर में एक पुलिस चौकी के अंदर एक व्यक्ति से बहस करते देखा जा सकता है। थोड़ी बातचीत के बाद पुलिसकर्मी उस व्यक्ति की ओर इशारा करता है और व्यक्ति पुलिसकर्मी के पीछे पड़ी कुर्सी पर पैसे रखकर चला जाता। जब व्यक्ति पैसा देकर गया तो पुलिसकर्मी ने उसे उठाया और अपनी जेब में रख लिया। इसके कुछ देर बाद वह पैसे गिनता है। इसके बाद के वीडियो में तीन पुलिसकर्मी उसी जगह बैठकर आपस में बातचीत करते दिखाई दे रहे हैं और पैसे का बंटवारा कर रहे हैं। पैसे लेते पुलिसकर्मियों के चेहरे पर मुस्कान है। पुलिसकर्मियों का वीडियो वायरल होने के बाद दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने कहा कि तीन पुलिसकर्मियों दो सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) और एक हेड कांस्टेबल को निलंबित कर दिया गया है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 19 अगस्त- 2024

कश्मीर में लोकतंत्र की बयार

दस वर्ष बाद आखिरकार जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों की तारीखें घोषित कर दी गई। जाहिर है वहां के राजनीतिक दलों में इस घोषणा के बाद उत्साह का माहौल है। पिछले लोकसभा चुनावों के अनुभव की रोशनी में यह सुखद है कि इस बार आयोग ने चुनावों की अवधि को काफी छोटा रखा है। फिर भी विपक्ष इन घोषणाओं को लेकर सवाल खडा कर रहा है। बता दें कि वहां चुनाव न कराए जाने की वजह से लंबे समय से लोकतांत्रिक प्रक्रिया के साथ ही राजनीतिक गतिविधियां ठप पड गई थीं। इसीलिए वहां जल्द चुनाव की मांग की जा रही थी। मामला तब साफ हो गया जब सुप्रीम कोर्ट ने भी कह दिया कि तीस सितंबर तक वहां चुनाव करा लिए जाएं। कोर्ट के आदेश पर अमल करते हुए निर्वाचन आयोग ने तीन चरण में वहां चुनाव कराने की घोषणा कर दी है। लंबे समय बाद वहां इतने कम चरण में चुनाव होंगे। इसके साथ ही हरियाणा विधानसभा के लिए, एक ही चरण में मतदान होंगे। लेकिन सबकी नजर जम्मू-कश्मीर पर ही टिकी हुई है। वहां परिसीमन का काम एक वर्ष पहले ही पूरा कर लिया गया था, जिसमें तीन नई सीटें जुड़ गई थीं। अब वहां भी 90 सीटें हो गई हैं। परिसीमन को लेकर यहां के राजनीतिक दल कई बार असंतोष व्यक्त कर चुके हैं। उनका आरोप था कि उनसे सुझाव नहीं लिया गया। चुनावी घोषणा के साथ अब यह असंतोष भी थम गया लगता है। मान्यता है कि किसी भी राज्य को लंबे समय तक लोकतांत्रिक प्रक्रिया से दूर रखने से वहां के विकास कार्यों पर तो बुरा असर पड़ता है। इसके साथ ही नागरिकों का भी लोकतंत्र पर भरोसा कमजोर होने लगता है। दस वर्ष पहले हुए पिछले चुनाव में जब किसी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला था, तो भाजपा के सहयोग से पीडीपी ने सरकार बनाई थी। लेकिन यह सरकार कार्यकाल पूरा करने से पहले ही उखड गई थी। समय से पहले ही महबूबा मुफ्ती ने इस्तीफा दे दिया और वहां राज्यपाल का शासन लागू किया गया था। उसके एक वर्ष बाद विशेष राज्य का दर्जा समाप्त कर जम्मू-कश्मीर को दो केंद्रशासित प्रदेशों में बांट दिया गया था। अनुच्छेद तीन सौ सत्तर हटने के बाद से वहां उपराज्यपाल का शासन लागू हो गया। केंद्र सरकार लगातार दावा करती रही कि वहां जल्द चुनाव करा कर जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस लौटा देंगे। लेकिन स्थितियां सामान्य न होने की वजह से चुनाव लगातार टलते रहे। माना जा रहा था कि लोकसभा के साथ ही वहां विधानसभा के चुनाव भी करा लिए जाएंगे, मगर निर्वाचन आयोग ने अलग से चुनाव कराना उचित समझा। देर से ही सही, अब निर्वाचन आयोग की परीक्षा है कि वह किस प्रकार वहां स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराता है। सीमाई इलाका होने की वजह से कई मामलों में दूसरे राज्यों की अपेक्षा जम्मू-कश्मीर संवेदनशील राज्य है। यहां हर वक्त आतंकी घटनाओं का खतरा बना रहता है। कई लोगों का मानना है कि अगर विधानसभा चुनाव ठीक से संपन्न होंगे, तो आतंकी गतिविधियों पर विराम लगाने में भी कामयाबी मिल सकती है। लोकसभा चुनाव में जिस तरह लोगों का उत्साह देखने को मिला, उससे उम्मीद की जाती है कि लोकतंत्र के जश्न में लोग बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे। अब निर्वाचन आयोग के सामने चुनौती यह है कि यह इस चुनाव में पारदर्शिता बरते। लोकसभा चुनाव को लेकर उसे कई प्रकार के आरोपों का सामना करना पड़ा, जो अभी तक खत्म नहीं हुआ है। उम्मीद की जानी चाहिए कि उससे सबक लेते हुए वह जम्मू कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनावों में ऐसी व्यवस्था कायम करे कि लोग सचमुच में लोकतंत्र का जश्न मना सकें।

सत्यं, शिवं, सुन्दरम का प्रतीक पर्व 'रक्षाबंधन'

मुनि चैतन्यकुमार अमन

पवित्र प्रेम स्नेह और सौहार्द भाव को बढ़ाने वाला पर्व है रक्षाबंधन। भारतीय परम्परा में अनेक पर्व है जिसमें रक्षाबंधन का पर्व अपने आप में विशिष्ट कहलाता है। रक्षा शब्द विश्व इतिहास में महत्त्वपूर्ण रहा है। प्रत्येक व्यक्ति में सुरक्षा की भावना रहती है, इसीलिए इसे मानव जीवन के लिए यह प्राण, त्राण, शान, आश्वास, विश्वास तथा सत्यं शिवं सुन्दरम् का प्रतीक माना गया है। जहाँ एक गृहस्थ व्यक्ति शरीर, सत्ता, सम्पदा, परिवार तथा संबन्धों की सुरक्षा पर ध्यान देता है तो एक आध्यात्मिक और धार्मिक जीवन जीने वाले के लिए आत्म सुरक्षा सर्वोपरि है। आज के इस भौतिकता के चकाचौंध में मानव धन को सुरक्षित रखने व बढ़ाने में अपनी शक्ति का उपयोग करता है। अथवा परिवार सत्ता सम्पदा की सुरक्षा करता है। जबकि बहुत कम लोग होते है जो धर्म व आत्मरक्षा का प्रयत्न करते है। अध्यात्म के मनीषियों ने कहा है - अप्पा खलु सययं रखियव्वों तुम संयम के द्वारा आत्मा को सुरक्षित रखो अथवा धम्मो रक्षति रक्षितः तुम धर्म की रक्षा करो धर्म भी तुम्हारी रक्षा करेगा। आज व्यक्ति धन की रक्षा के लिए तो न्याय नीति सबको गौण कर देता है। यह चिंतनीय प्रश्न है। इतिहास साक्षी है कि व्यक्ति ने अपने राष्ट्र की सुरक्षा के लिए कितने संघर्ष किए है किन्तु रक्षा का मूल हार्द है- जीवन में प्रेम दया, करुणा, अहिंसा, समन्वय, सहयोग की चेतना का जागरण जो कि कटु जीवन में मधुरता का संचार करे तथा सम्पूर्ण विश्व में भाईचारे को स्थापित करें। उज्ज्वलता, पवित्रता, कोमलता जैसी उदार भावना भरता है। तथा संकीर्ण विचारों को विराटता से ओत-प्रोत करता है। ₹वसुधैव कुटुम्बकम₹ सम्पूर्ण विश्व को परिवार की उपमा से उपमित करने वाला यह रक्षाबंधन का यह पर्व जैन और वैदिक दोनों परम्पराओं में समान रूप से महत्त्व रखता है। जन जीवन को नैतिकता, प्रामाणिकता और चरित्र निष्ठा का संदेश देने वाला यह पर्व आनंददायी व मंगलकारी है। इसके संबन्ध में प्राप्त कथानक विचारों की व्यापकता लिए हुए है। लाखों-करोडों भारतवासी चाहे वे जैन, बौद्ध, सिख, सनातन तथा मुस्लिम धर्म में भी विश्वास करते है। उसमें भी इस पर्व पर भाई-बहनों के प्यार को दर्शाता है किन्तु शनैः शनैः पर्वो के साथ कुछ भावनाओं में विकृ-तियों का मनो भाव जुड़ने के कारण विश्वास का दायरा सिमट रहा है। जिस पिता, भाई अथवा अन्य संबन्धियों से बहन रक्षा की आशा करती रही है आज उससे भी अपने आपको असुरक्षित महसूस करने लग गई है। आए दिन अखबारों में छपने वाली घटनाएं पढ़कर अथवा सुनकर ऐसा लगता है जीवन कहीं पर भी सुरक्षित नहींहै। आज का इंसान पर्व की पवित्र भावनाओं को भूलता जा रहा है, केवल लकीर के फकीर बनते जा रहे है। राखी के कच्चेधागे जो बहन द्वारा भाई की कलाई पर बांधे जा रहे है वह मात्र औपचारिक उपकरण बन रहा है। जहां भाई की सोच अच्छी व कीमती राखी पर अटक रही है तो बहन का ध्यान मात्र धन पर केन्द्रित रह जाता है। वह देखती है कि भाई कितना पैसा (धन) दे रहा है। परन्तु इसके पीछे जो प्यार स्नेह सौहार्द का भाव होना चाहिए वह भुलाया जा रहा है। यदि बहन भाई दोनों अपना नैतिक कर्तव्य समझ कर अपने आपको आरक्षित करे तो पारीवारिक प्रेम, सामाजिक समरसता तथा राष्ट्रीय हितों में अभिवृद्धि हो सकती है। धर्म और अध्यात्म के क्षेत्र में जरुरी है कि वे अपने आग्रह विग्रह कदाग्रह को त्याग कर नैतिकता और चरित्र निष्ठा के द्वारा संयम भावना को सुरक्षित करें।

खुद को दोहराने को तैयार इतिहास

रघु ठाकुर

2024 के लोकसभा चुनाव परिणाम आने के बाद भारतीय जनता पार्टी में आंतरिक तनाव बढ़े हैं। जिन राज्यों में उन्हें विधानसभा के चुनाव में भारी बहुमत मिला था और उन राज्यों में भी जिनमें मुख्यमंत्री को श्री नरेंद्र मोदी ने सीधे पर्ची से नाम जद किया था उसको लेकर भी आम स्वीकार्यता नहीं थी। यद्यपि विधानसभा के चुनाव के समय केंद्र के चुनाव नहीं हुए थे इसलिए भाजपा का नेतृत्व और विशेषतरू राज्यों के मुख्यमंत्रीपद के दावेदार प्रधानमंत्री की ताकत व प्रचारित लोकप्रियता से भयभीत थे । एक आम राय यह थी कि भाजपा को विशाल बहुमत मिलेगा और अयोध्या में रामलला के मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के बाद श्री नरेंद्र मोदी और भाजपा ने अबकी बार 400 के पार के नारा का उद्घोष किया था इससे भी दल के भीतर व बाहर के लोग भयभीत थे। और विशेषता उनकी पार्टी के अंदरूनी उनके प्रतिद्वंदी लोग। परंतु उस समय वे बोलने का साहस नहीं कर सकते थे। इस बार 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद जब भाजपा घटकर 240 पर रह गई और मोदी मिथ टूट गया तो अब अंदर के विरोधियों ने भी कुछ बोलने का साहस दिखाना शुरू किया है। भारतीय जनता पार्टी को राजस्थान और उत्तर प्रदेश से विशेष आघात लगा है। कोई भी भाजपा का नेता या आम जानकार व्यक्ति यह मानने को तैयार नहीं था की उत्तर प्रदेश में भाजपा को 60 से कम सीट मिलेंगी और इसी प्रकार राजस्थान में भी लगभग अधिकांश सीटों के पाने की उम्मीद थी, जैसा कि पिछली बार हुआ था। परंतु इन दोनों राज्यों ने न केवल श्री नरेंद्र मोदी जी को निराश किया है, बल्कि उनके थोथे नारे 400 के पार की पोल खोल दी है। यद्यपि श्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बन गए हैं परंतु यह जोड़-तोड़ की लंगड़ी सरकार है जिसमें दो सहयोगी दलों की संख्या महत्वपूर्ण है और इस परिस्थिति में उनके अंदर का कोई भी व्यक्ति प्रधानमंत्री के पद की जवाबदारी लेने को तैयार नहीं था। ऐसा बताया जाता है कि श्री नरेंद्र मोदी ने कहा था-मैं नहीं बनना चाहता परंतु उन्हें उनके पार्टी और सहयोगी दलों ने बाध्य किया। श्री मोहन भागवत का एक बयान अवश्य मैंने पढ़ा था, जिसमें उन्होंने कहा था कि सभी लोग पूरी ताकत से श्री नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने में सहयोग करें। उनका यह बयान वास्तविक था या समय की लाचारी का बयान था यह कहना कठिन है। एक घटना तो यह महत्वपूर्ण हुई है कि राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात और अन्य कई प्रदेशों में राजपूत समाज ने श्री मोदी के खिलाफ वोट दिया है जो अभी तक आम तौर पर भाजपा व संघ का समर्थक था। चुनाव के पहले से ही एक अभियान शुरू हो गया था। इसकी शुरुआत पहले गुजरात से हुई थी और वह श्री पुरुषोत्तम रुपाला के बयान के आधार पर हुई थी। हालांकि श्री रूपाला ने दो बार सार्वजनिक रूप से माफी मांगी परंतु राजपूत समाज ने ना उन्हें माफ किया और ना ही मोदी को माफ किया तथा भाजपा के खिलाफ भी वोट दिया।

उत्तर प्रदेश में भी बताया जाता है की राजपूत समाज ने आम तौर पर भाजपा के खिलाफ ही वोट दिया और कहा जाता है कि श्री योगी आदित्यनाथ की भी इच्छा यही थी कि उत्तर प्रदेश में भाजपा ज्यादा सीटें हारे। क्योंकि उन्हें यह खतरा हो गया था कि, अगर भाजपा को विशाल बहुमत मिलता है तो उन्हें हटा दिया जाएगा। इसके भी कुछ छुट पुट प्रमाण भी मिले हैं परंतु किसी बाहरी व्यक्ति का ज्यादा कहना संभव नहीं है। हालांकि जो घटनाक्रम हुआ है उससे यही निष्कर्ष निकलता है। चुनाव के परिणाम आने के बाद भाजपा की सांसदों की संख्या भी कम हुई और श्री नरेंद्र मोदी भी हारते-हारते बचे। वस्तुतरू उनकी जीत मात्र 1 लाख के वोटों से हुई है जबकि उनके लोगों का दावा 6 लाख वोटों से जीतने का था। आरंभ के चार-पांच राउंड में भी वह पीछे थे और यह एक प्रकार से उनकी गणितीय हार तो नहीं थी परंतु नैतिक हार तो है। इन घटनाओं के बाद उत्तर प्रदेश भाजपा में तनाव बढ़ रहा है और ऐसा लगता है कि इसके पीछे कहीं ना कहीं केंद्र का हाथ है। एक तो भाजपा में हार के कारणों पर चर्चा शुरू हुई तो यह कहा गया की लोकसभा के टिकट वितरण में श्री अमित शाह ने मनमानी की। जिन 12 लोगों को टिकट देने की सिफारिश श्री योगी ने की थी उन्हें टिकट नहीं दिए गए। इससे भी श्री योगी के मन में यह खतरा पैदा हुआ की यह उन्हें हटाने की तैयारी है और हो सकता है कि योगी ने अपनी ताकत अप्रत्यक्ष रूप से उन दोनों व्यक्तियों को कमजोर करने में लगाई हो जो उन्हें हटाने के के लिए षडयंत्र कर रहे थे। अभी भी ऐसा लगता है कि भाजपा में कुछ ठीक-ठाक नहीं है, विशेषतरू उत्तर प्रदेश में। झारखंड के गुमला में श्री मोहन भागवत ने बयान दिया है कि कुछ लोग भगवान बनना चाहते हैं और वह अपनी असलियत भूल जाते हैं। भगवान बनने को क्या करना पड़ता है यह भूल जाते हैं। लोगों ने उनके इस बयान को श्री मोदी के चुनाव के पूर्व दिए गए बयान से जोड़कर देखा है जिस पर उन्होंने कहा था कि मैं भगवान के द्वारा भेजा गया हूं यद्यपि जैविक रूप से नहीं यानी वह अपने आप को एक प्रकार का अवतार जैसा सिद्ध कर रहे थे। दूसरी घटना हुई है कि श्री योगी मुख्यमंत्री जी ने जो बैठक बुलाई थी उसमें दोनों उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य और श्री बृजेश पाठक शामिल नहीं हुए परंतु दिल्ली में भाजपा मुख्यमंत्री परिषद की जो बैठक उनके केन्द्रीय कार्यालय में हुई जिसमें श्री नरेंद्र मोदी, श्री अमित शाह, श्री राजनाथ सिंह आदि भाजपा आला कमान शामिल हुए थे उसमें मुख्यमंत्री श्री योगी के साथ दोनों उपमुख्यमंत्री भी शामिल हुए। जबकि मध्य प्रदेश राजस्थान में भी दो दो उपमुख्यमंत्री हैं, छत्तीसगढ़ में भी दो उप मुख्यमंत्री हैं परंतु इन राज्यों के उपमुख्यमंत्री इस बैठक में शामिल नहीं हुए और शायद उन्हें बुलाया भी नहीं गया हो। अकेले उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्रियों को बुलाने का मतलब यही संकेत देता है कि भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व और विशेषतरू प्रधानमंत्री और उनकी जमात अब श्री योगी को गिराने की तैयारी कर रहे हैं। कुछ दिनों के बाद 10 विधानसभाओं के उप चुनाव उत्तर प्रदेश में होना है और तब तक शायद कोई परिवर्तन या बदलाव की बात ना हो परंतु अगर इन उपचुनाव में योगी के विपरीत परिणाम आते हैं तो यह उनके खिलाफ मुहिम के लिए एक ताकतवर तर्क होगा कि श्री योगी आदित्यनाथ लोकसभा भी नहीं जीता पाए ना उपचुनाव जिता पाए और भविष्यमें भी होने वाले चुनावों को भी वह नहीं जिता पाएंगे। ऐसा लगता है कि भाजपा का इतिहास दोहराया जा रहा है।

वैसे भी कहावत है कि इतिहास अपने आप को कुछ समय के बाद दोहराता है। स्व. अटल बिहारी वाजपेई जब प्रधानमंत्री बने थे और लखनऊ से लोकसभा का चुनाव लड़े थे तो उस समय श्री लालद्भष्ण आडवाणी जो भीतर से प्रधानमंत्री पद के इच्छुक थे। बताया जाता है कि उनके इशारे पर स्वर्गीय कल्याण सिंह ने स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई को हराने का प्रयास किया था। जो उनकी बिरादरी के मतदान केंद्र थे उनमें अधिकांश से स्व अटल बिहारी वाजपेई हारे थे। यह तो उन्होंने अपनी केंद्रीय सरकार के अधिकारों का इस्तेमाल कर स्व जगमोहन जो उस समय नगरीय विकास मंत्री थे के माध्यम से दिल्ली के शिया नेताओं के साथ एक समझौता किया। ओखला के व जामिया मिलिया पास की मस्जिद जिसके कैंजे मे बहुत सी सरकारी जमीन थी और डीडीए ने मस्जिद के बाहर ताला लगा दिया था वह खुलवाकर उसकी चाबी मस्जिद के इमाम साहब को सौंप दी थी।

विकसित भारत की चुनौतियां

निरंकार सिंह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन आजादी के संघर्ष को याद करने का है. यह दिन सैंकड़ों साल की गुलामी और संघर्षों का रहा है। फिर चाहे युवा हो, बुजर्ग, महिला, आदिवासी या दलित हो। ये लोग गुलामी के खिलाफ लड़ते रहे। मुझे गर्व है कि हमारी रगों में हमारे पूर्वजों का खून है। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि 2047 विकसित भारत सिर्फ शब्द नहीं है बल्कि 140 करोड़ देशवासियों का सपना है। उन्होंने कांग्रेस औरपूर्व की उनकी सरकारों पर भी जमकर हमला बोला। पहले लोग बदलाव चाहते थे लेकिन उनकी आकांक्षाओं पर ध्यान नहीं दिया गया। इसमें कोई संदेह नही कि मोदी की सरकार ने जमीनी स्तर पर बड़े सुधार किए हैं। बड़े रिफॉर्म्स हुये हैं। गरीब हो, मध्यम वर्ग हो, वंचित हो, नौजवानों के संकल्प और सपने हों या बढ़ती हुई शहरी आबादी हो, इन सभी के जीवन में बदलाव लाने के लिए रिफॉर्म का किया गया है। रिफॉर्म का मार्ग आज ग्रोथ का ब्लूप्रिंट बना हुआ है। बैंकिंग सेक्टर को मजबूत बनाने के लिए अनेक रिफॉर्म हुए हैं। आज उसके कारण हमारे बैंक विश्व के अग्रणी बैंकों में अपना स्थान बना चुके हैं। जब बैंक मजबूत होते हैं, तो फॉर्मल इकोनॉमी की ताकत भी बढ़ती है। आज हर वर्ग का शख्स अपने काम के लिए बैंक से लोन लेकर अपने सपनों को पूरा कर रहा है.। कभी आतंकी हमलों का शिकार रहा भारत अब साहसी और सशक्त बन गया है। धानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस तरह विस्तार से अपने अब तक के शासनकाल की उपलब्धियों को रेखांकित करने के साथ विकसित भारत के लक्ष्य को सामने रखा, उससे यही स्पष्ट हुआ कि वह अपने उस एजेंडे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिसका उल्लेख पहले भी कई बार कर चुके हैं। लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री के अब तक के सबसे लंबे संबोधन से यह भी साफ होता है कि अपने तीसरे कार्यकाल में गठबंधन सरकार का नेतृत्व करने के बाद भी वह अपने लक्ष्य से डिगे नहीं हैं। इसका पता इससे चलता है कि उन्होंने करीब-करीब हर उस विषय पर अपने विचार व्यक्त किए, जो देश के समक्ष उपस्थित हैं।उन्होंने आंतरिक और बाहरी चुनौतियों की चर्चा करते समय बांग्लादेश के हालात का भी जिक्र किया और वहां के हिंदुओं एवं अल्पसंख्यकों को लेकर भी अपनी चिंता व्यक्त की। ऐसा करना समय की मांग थी। यह भी उल्लेखनीय है कि उन्होंने एक ओर जहां जातिवाद और परिवारवाद की राजनीति पर प्रहार किया, वहीं दूसरी ओर कोलकाता की दिल दहलाने वाली घटना को ध्यान में रखते हुए नारी सुरक्षा की आवश्यकता पर भी बल दिया।उन्होंने यह कहकर देश की राजनीति में व्यापक परिवर्तन लाने की भी पहल की कि आने वाले समय में एक लाख ऐसे युवाओं को अपनी पसंद के राजनीतिक दलों में सक्रिय होना चाहिए, जिनके परिवार के लोग पहले कभी राजनीति में न रहे हों। इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि भारतीय राजनीति को नए विचारों और नई ऊर्जा से लैस युवा नेताओं की आवश्यकता है। लेकिन ऐसा कब और कैसे होगा अभी कुछ वता नही । प्रधानमंत्री ने देश की भावी राजनीति के एजेंडे को स्थापित करने का काम किया। एक तो उन्होंने भ्रष्टाचार से दृढ़ता से लड़ने का संकल्प लिया और दूसरे यह साफ किया कि देश को आए दिन होने वाले चुनावों से मुक्त करने की जरूरत है। उन्होंने जिस तरह एक साथ चुनावों की जरूरत जताई, उससे यही लगता है कि वह अपने इस तीसरे कार्यकाल में इस एजेंडे को लागू करने के प्रति गंभीर हैं। उन्होंने ऐसी ही गंभीरता समान नागरिक संहिता को लेकर भी दिखाई। उन्होंने जिस प्रकार वर्तमान पर्सनल कानूनों को सांप्रदायिक बताते हुए पंथनिरपेक्ष नागरिक संहिता की जरूरत जताई, उससे इसमें संदेह नहीं रह जाता कि उनकी सरकार इस दिशा में आगे बढ़ने का मन बना चुकी है। यह सही भी है।देश में एक ऐसी समान नागरिक संहिता लागू होनी चाहिए, जिससे हर जाति, पंथ, क्षेत्र के लोगों में यह भाव व्याप्त हो कि वे सब एक हैं। यह भी अच्छा हुआ कि उन्होंने यह महसूस किया कि देश की जनता शासन में सुधार के साथ त्वरित न्याय प्रणाली चाह रही है। कई सालों से जनता यही मांग कर रही है। आजादी के वक्त भारत की आबादी सिर्फ 34 करोड़ थी लेकिन आज हम चीन को पीछे छोड़ दुनिया में सर्वाधिक आबादी वाले देश बन चुके हैं। उस वक्त देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) भी करीब ढाई लाख करोड़ रूपये था जो अब करीब तीन सौ लाख करोड़ के पास पहुँच रहा है। तब की 12 फीसदी साक्षरता से आज हम 75 फीसदी के आंकड़े को भी पार कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त फोर्ब्स की हालिया रिपोर्ट में स्वर्ण भंडार रखने वाले शीर्ष बीस देशों की फेहरिश्त में भारत को सऊदी अरब, ब्रिटेन और स्पेन जैसे देशों से आगे रखना देश की अर्थव्यवस्था के प्रति वैश्विक भरोसे का ही प्रतीक है। निजी अंतरिक्ष स्टार्टअप द्वारा अग्निबाण राकेट का प्रक्षेपण भी देश के लिए गर्व की बात है, जो नये उद्यमियों को इस क्षेत्र में उतरने के लिए प्रेरणा देगा। ग्लोबल फायर पावर की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत के पास दुनिया की चौथी सबसे मजबूत सेना है। भारत अभी दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और जल्द ही इसके तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद है। पिछले करीब एक दशक में देश के लगभग 25 करोड़ लोगों का बहुआयामी गरीबी से बाहर आना, एक बड़ी उपलब्धि है। दुर्भाग्य से हमारे देश में आजादी के बाद लोगों को एक प्रकार के माई-बाप कल्चर से गुजरना पड़ा- सरकार से मांगते रहो, सरकार के सामने हाथ फैलाते रहो, लेकिन सरकार ने गवर्नेंस के इस मॉडल को बदला। आज सरकार खुद लाभार्थी के पास जाती है। आज सरकार खुद उसके घर तक गैस का चूल्हा, पानी, बिजली और आर्थिक मदद पहुंचाती है। आज सरकार खुद नौजवानों के स्किल डेवलपमेंट के लिए अनेक कदम उठा रही है। पिछले कुछ समय से देश में संविधान को लेकर चल रही बहसें राजनीति का घटिया उदाहरण है। इसलिए विकसित भारत की ओर बढ़ने के साथ राह में आने वाली चुनौतियों को हराने और अधिकारों के साथ कर्तव्यों के प्रति सजग रहने का संकल्प लेने का भी अवसर होना चाहिए। आज सामाजिक एकता पर बल देने की आवश्यकता इसलिए और बढ़ गई है क्योंकि देश को कई मोर्चो पर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। चुनौतियां आंतरिक मोर्चे पर भी हैं और बाहरी मोर्चे पर भी। हम इसकी अनदेखी नहीं कर सकते कि आज विश्व में किस तरह उथल-पुथल हो रही है। चूंकि उथल-पुथल हमारे पड़ोस में भी हो रही है, इसलिए हमें कहीं अधिक सचेत रहना चाहिए। पड़ोसी देश बांग्लादेश में जो कुछ हो रहा है, उससे हमें केवल चिंतित ही नहीं, बल्कि सजग भी रहना चाहिए। संभवतः बांग्लादेश के अस्थिरता और अराजकता से घिरने के कारण ही राष्ट्रपति ने भी स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर विभाजन की विभीषिका की ओर भी देश का ध्यान आकर्षित किया। हम सबको यह सदैव स्मरण रहे कि हमारे पूर्वजों ने जो स्वतंत्रता हासिल की, उसकी देश को बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ी थी।

वयम रक्षामः यानी हम रक्षा करते हैं

डॉ टी महादेव राव

छोटू! वयम रक्षामः यानी हम रक्षा करते हैं यह भारतीय तट रक्षक का घोषवाक्य है जिसे अपनाए हुए हमारे कर्ता धर्ता सदा इसी वाक्य का प्रयोग करते हैं। लेकिन भैया! यह वाक्य आज कल कुछ शर्तें लागू होंगी के छोटे छोटे अक्षरों के साथ उचारा जाता है। वयम रक्षामः कंडीशंस अप्लाई यानी शर्तें लागू होंगीं। वे कौन सी शर्तें होंगी छोटू?निर्भर करता है स्थितियों और परिस्थितियों पर, व्यक्ति के अस्तित्व विवरण पर और हमारी इच्छा पर। मतलब हम चाहेंगे तो बचाएंगे, नहीं चाहेंगे तो नहीं बचाएंगे। ये क्या बात हुई छोटू? कर्ता धर्ता का मतलब सभी को समान रूप से देखना है, रक्षा करनी है जैसे भारतीय तट रक्षक करते हैं, ईश्वर सब पर समदृष्टि से व्यवहार करते हैं। कहां हो भैया। त्रेता युग के रामराज में जिन आदर्शों की बातें होती रहीं, अगर आज भी उन्हीं बातों के होने की उम्मीद करोगे तो कैसे चलेगा?

माना कि हमने अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण कर लिया लेकिन क्या सभी में राम के गुण और समदर्शिता आ जाएंगी इस कलयुग में? कर्ता धर्ता तो जनमानस के लिए आदर्श और न्याय प्रस्तुत करते होंगे न? फिर श्रीराम की बात करें तो उन्होंने मरणासन्न रावण के पास जाकर ज्ञान प्राप्त करने के लिए अपने अनुज लक्ष्मण को निर्देश दिए। यह होता है शत्रु या विपक्ष के साथ व्यवहार। आप त्रेता से बाहर आइए। उसके बाद द्वापर युग भी गया जिसमें कर्मयोगी कृष्ण ने कर्मसिद्धांत बताया। यहां हाथी के दांत खाने के और और दिखाने के और वाली बात है। किस दुर्बल या अपेक्षित व्यक्ति की रक्षा की गई बल्कि अपने साथी चाहे वे कैसे भी हों, पीडक हों, अमानवीय हों, दुराशा भरे लालची हों जिनके रक्षा से अपनी ऊंचाई और शोहरत बढ़ती हो। लंबे चौड़े भाषण में बहुत कुछ कहा जाता है लेकिन सारा कुछ पालन किया जाए यह केवल मृगतृष्णा है, भ्रम है। जहां विवाद हो, जहां खुद की प्रतिष्ठा पर धूल न पड़े खुद को साफ सुथरा और पवित्र बनाए रखने के लिए जरूरी है कमल के पत्ते पर पानी की बूंद सा बनाए रखने वालों से वयम रक्षामः की उम्मीद सिवाय सपने के क्या हो सकती है? मतलब यह केवल नारा है? इसका वास्तविकता से कोई लेना देना नहीं। आप अब भी नहीं समझे तो मैं क्या करूं भैया?

समझिये धागों से बंधे 'रक्षा बंधन' के मायने

प्रियंका सौरभ

भाई-बहन का रिश्ता दुनिया के सभी रिश्तों में सबसे ऊपर है। हो भी न क्यों, भाई-बहन दुनिया के सच्चे मित्र और एक-दूसरे के मार्गदर्शक होते है। जब बहन शादी करके ससुराल चली जाती है और भाई नौकरी के लिए घर छोड़कर किसी दूसरे शहर चला जाता है तब महसूस होता है कि भाई-बहन का ये सर्वोत्तम रिश्ता कितना अनमोल है। सरहद पर खड़ा एक सैनिक भाई अपनी बहन को कितना याद करता है और बहनों की ऐसे वक़्त क्या दशा होती है इसके लिए शब्द नहीं है। रंग-बिरंगे धागे से बंधा ये पवित्र बंधन सदियों पहले से हमारी संस्कृति से बहुत ही गहराई के साथ जुड़ा हैं। यह पर्व उस अनमोल प्रेम का, भावनाओं का बंधन है जो भाई को सिर्फ अपनी बहन की नहीं बल्कि दुनिया की हर लड़की की रक्षा करने हेतु वचनबद्ध करता है। भाई-बहन के आपसी अपनत्व, स्नेह और कर्तव्य बंधन से जुड़ा त्योहार भाई-बहन के रिश्ते में नवीन ऊर्जा और मजबूती का प्रवाह करता है। बहनें इस दिन बहुत ही उत्साह के साथ अपने भाई की कलाई में राखी बांधने के लिए आतुर रहती हैं। जहां यह त्योहार बहन के लिए भाई के प्रति स्नेह को दर्शाता है तो वहीं यह भाई को उसके कर्तव्यों का बोध कराता है। रक्षाबंधन भाई बहन के रिश्ते का त्योहार है, रक्षा का मतलब सुरक्षा और बंधन का मतलब बाध्य है। रक्षाबंधन के दिन बहने भगवान से अपने भाईयों की तरक्की के लिए भगवान से प्रार्थना करती है। राखी सामान्यतः बहनें भाई को ही बाँधती हैं परन्तु ब्राह्मणों, गुरुओं और परिवार में छोटी लड़कियों द्वारा सम्मानित सम्बंधियों (जैसे पुत्री द्वारा पिता को) भी बाँधी जाती है। वास्तव में ये त्योहार से रक्षा के साथ जुड़ा हुआ है, जो किसी की भी रक्षा करने को प्रतिबद्ध करता है। अगर इस पवित्र दिन अपनी बहन के साथ दुनिया की हर लड़की की रक्षा का वचन लिया जाए तो सही मायनों में इस त्योहार का उद्देश्य पूर्ण हो सकेगा। इस पावन त्योहार का अपना एक अलग स्वर्णिम इतिहास है, लेकिन बदलते समय के साथ बाकी रिश्तों की तरह इसमें भी बहुत से बदलाव आए हैं। जैसे-जैसे आधुनिकता हमारे मूल्यों और रिश्तों पर हावी होती जा रही है। संस्कृति में पतन के फलस्वरूप रिश्तों में मजबूती और प्रेम की जगह दिखावे ने ले ली है। आज के बदलते समय में इस त्योहार पर भी आधुनिकता हावी होने लगी है, तब से आज तक यह परंपरा तो चली आ रही है लेकिन कहीं न कहीं हम अपने मूल्यों को खोते जा रहे हैं। रंग-बिरंगे धागों में अब अपनत्व की भावना और प्रेम की गर्माहट कम होने लगी है। एक समय में जिस तरह के उसूल और संवेदना राखी को लेकर थी शायद अब उनमें अब रुपयों के नाम की दीमक लगने लगी है फलस्वरूप रिश्तों में प्रेम की जगह पैसे लेने लगे हैं। ऐसे में संस्कृति और मूल्यों को बचाने के लिए आज बहुत जरूरत है दायित्वों से बंधी राखी का सम्मान करने की। क्योंकि राखी का ये अनमोल रिश्ता महज कच्चे धागों की परंपरा भर नहीं है। लेन-देन की परंपरा में प्यार का कोई मूल्य भी नहीं है। बल्कि जहां लेन-देन की परंपरा होती है वहां प्यार तो टिक ही नहीं सकता, अटूट रिश्तें कैसे बन पाएंगे। इतिहास मे कृष्ण और द्रौपदी की कहानी प्रसिद्ध है, जिसमे युद्ध के दौरान श्री कृष्ण की उंगली घायल हो गई थी, श्री कृष्ण की घायल उंगली को द्रौपदी ने अपनी साड़ी मे से एक टुकड़ा बाँध दिया था, और इस उपकार के बदले श्री कृष्ण ने द्रौपदी को किसी भी संकट मे द्रौपदी की सहायता करने का वचन दिया था। रक्षा बंधन की कथाएं बताती हैं कि पहले खतरों के बीच फंसी बहन का साया जब भी भाई को पुकारता था, तो दुनिया की हर ताकत से लड़ कर भी भाई उसे सुरक्षा देने दौड़ पड़ता था और उसकी राखी का मान रखता था। कहते हैं, मेवाड़ की रानी कर्मावती को बहादुरशाह द्वारा मेवाड़ पर हमला करने की पूर्व सूचना मिली। रानी लड़ने में असमर्थ थी अतः उसने मुगल बादशाह हुमायूँ को राखी भेज कर रक्षा की याचना की। हुमायूँ ने मुसलमान होते हुए भी राखी की लाज रखी और मेवाड़ पहुँच कर बहादुरशाह के विरूद्ध मेवाड़ की ओर से लड़ते हुए कर्मावती व उसके राज्य की रक्षा की।

जब कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से शिशुपाल का वध किया तब उनकी तर्जनी में चोट आ गई। द्रौपदी ने उस समय अपनी साड़ी फाड़कर उनकी उँगली पर पट्टी बाँध दी। यह श्रावण मास की पूर्णिमा का दिन था। कृष्ण ने इस उपकार का बदला बाद में चीरहरण के समय उनकी साड़ी को बढ़ाकर चुकाया। कहते हैं परस्पर एक दूसरे की रक्षा और सहयोग की भावना रक्षाबन्धन के पर्व में यहीं से प्रारम्भ हुई। आज एक बार फिर भातृत्व की सीमाओं को बहन फिर चुनौती दे रही है, क्योंकि उसके उम्र का हर पड़ाव असुरक्षित है, उसकी इज्जत एवं अस्मिता को बार-बार नोचा जा रहा है। लड़कों से ज्यादा बौद्धिक प्रतिभा होते हुए भी उसे ऊंची शिक्षा से वंचित रखा जाता है, क्योंकि आखिर उसे घर ही तो संभालना है। उसे नयी सभ्यता और नयी संस्कृति से अनजान रखा जाता है, ताकि वह भारतीय आदर्शों व सिद्धांतों से बगावत न कर बैठे।

रक्षाबंधन पर 7 घंटे 39 मिनट तक भद्रा का साया राखी बांधने का सही समय क्या है?

रक्षाबंधन का मुहूर्त 2024
सावन पूर्णिमा तिथि का शुभारंभ: 19 अगस्त, सोमवार, 3:04 एएम से
सावन पूर्णिमा तिथि का समापन: 19 अगस्त, सोमवार, 11:55 पीएम पर
तिथि के आधार पर 19 अगस्त को रक्षाबंधन का त्योहार मनाना उचित है।

इस साल रक्षाबंधन का त्योहार कई शुभ संयोगों में पड़ा है। रक्षाबंधन के दिन सावन सोमवार है और श्रावण पूर्णिमा भी है। रक्षाबंधन पर ये दो महत्वपूर्ण व्रत हैं। इस बार रक्षाबंधन 19 अगस्त को मनाया जाएगा। रक्षाबंधन पर 7 घंटे 39 मिनट तक भद्रा का साया है। वैदिक पंचांग के अनुसार, सावन माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि में रक्षाबंधन मनाते हैं, उसमें भी खासकर भद्रा का साया न हो, इसका विशेष ध्यान रखते हैं। राखी बांधने के लिए भद्रा रहित शुभ मुहूर्त का विचार करना उत्तम रहता है। भद्रा अशुभ है, उस समय में आप जो काम करते हैं, उसका शुभ फल प्राप्त नहीं होता है। ऐसी धार्मिक मान्यता है। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय पुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ। गणेश मिश्र बता रहे हैं रक्षाबंधन पर राखी बांधने का सही समय क्या है?

रक्षाबंधन पर 7 घंटे से अधिक समय तक भद्रा का साया ज्योतिषाचार्य का कहना है कि इस बार रक्षाबंधन पर सुबह में भद्रा लग जा रही है। भद्रा सुबह 05:53 ए एम से दोपहर 01:32 पी एम तक रहेगी। इस भद्रा का वास स्थान धरती से नीचे पाताल लोक में है। अब कुछ लोगों का कहना है कि पाताल की भद्रा को नजरअंदाज कर सकते हैं।

इस पर ज्योतिषाचार्य डॉ। मिश्र कहते हैं कि भद्रा कहीं की भी हो, वह अशुभ फलदायी होती है। लोग अपनी सुविधा के अनुसार ऐसा बोल देते हैं कि पाताल की भद्रा अशुभ प्रभाव नहीं डालती है, हालांकि ऐसा नहीं करना चाहिए। जब आपको कोई शुभ कार्य करना है तो आप भद्रा के खत्म होने का इंतजार कर लेना चाहिए।

रक्षाबंधन 2024 राखी बांधने का सही समय

19 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन राखी बांधने का सही समय दोपहर में ही है। उस दिन बहनें अपने भाई को दोपहर में 1 बजकर 32 मिनट से रात 9 बजकर 8 मिनट के बीच कभी भी राखी बांध सकती हैं।

राखी बांधने के लिए ये 2 समय हैं वर्जित

धार्मिक शास्त्रों के अनुसार, रक्षाबंधन के अवसर पर राखी बांधने के लिए दो समय का सर्वथा त्याग करते हैं। पहला है भद्रा और दूसरा है राहुकाल। इन दोनों समय में कभी भी राखी नहीं बांधनी चाहिए। ये दोनों की अशुभ हैं। रक्षाबंधन के दिन राहुकाल सुबह में 07:31 ए एम से 09:08 ए एम तक है।

रक्षाबंधन पर सावन सोमवार-श्रावण पूर्णिमा का संयोग

इस साल रक्षाबंधन के दिन सावन का अंतिम सोमवार है और श्रावण पूर्णिमा का व्रत, स्नान एवं दान भी है। इस दिन सावन माह का समापन हो जाएगा। सावन के अंतिम दिन सोमवार को आप भगवान भोलेनाथ की पूजा करें। वहीं श्रावण पूर्णिमा पर पवित्र नदी में स्नान के बाद दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। परिवार में सुख, शांति और समृद्धि आती है।

रक्षाबंधन पर चाहते हैं बहनों की भलाई तो भूलकर भी उपहार में ना दें 5 वस्तुएं

सालभर कई सारे पर्व आते हैं, इनमें से कुछ विशेष होते हैं। इन्हीं में से एक है श्रावण मास की पूर्णिमा को आने वाला रक्षाबंधन का पर्व। यह भाई और बहन के प्रेम का प्रतीक है। जब बहन अपने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र यानी कि राखी बांधती है और भाई भी इसके साथ अपनी बहन की रक्षा के लिए संकल्प लेता है। साथ ही अपनी बहन को कुछ उपहार भी देता है। इस साल रक्षाबंधन 19 अगस्त को है। इस दिन आप अपनी बहन को उपहार में क्या ना दें?

आपको बता दें कि रक्षाबंधन सहित कई त्योहारों को भ्रदा काल में मनाने की मनाही होती है। यदि भ्रदा काल है तो इस समय के पहले या बाद में शुभ कार्य किए जाते हैं क्योंकि भद्रा के दौरान राखी बांधन से अशुभता की संभावना रहती है।

लेकिन क्या आप जानते हैं उपहार देते समय भी कई बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए और बहनों को भूल कर भी कई चीजें उपहार में नहीं देना चाहिए।

चमड़े संबंधित चीजें

लेदर बैग सहित कई सारी स्टाइलिश वस्तुएं बाजार में उपलब्ध हैं। जिन्हें उपहार के लिए कई बार खरीद लेते हैं, लेकिन आपको बता दें कि चमड़े की चीजें शनि देव से सबंधित हैं, इसलिए इन चीजों को अपनी बहन को कभी ना दें, नहीं तो उसे परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

काले रंग की चीजें

बहनों के लिए जब भी आप उपहार लें, ध्यान रहे वह काले रंग का ना हो क्योंकि काला रंग किसी के भी जीवन में नकारात्मकता लेकर आता है। ऐसे में आप रक्षाबंधन पर कभी भी बहन को काले कपड़े या काले रंग की चीजें उपहार में ना दें।

जूते-चप्पल

ऐसा माना जाता है कि जूते-चप्पल का संबंध शनि देव से होता है। ऐसे में आप कभी भी अपनी बहन को जूते-चप्पल जैसी चीजें उपहार में ना दें। इससे उसके जीवन में कई तरह की परेशानियां आ सकती हैं।

घड़ी

आजकल मार्केट में कई प्रकार की घड़ी मौजूद हैं, इनमें स्मार्टवॉच भी शामिल हो गई है, लेकिन घड़ी को बेहद अशुभ माना जाता है क्योंकि घड़ी से व्यक्ति का अच्छा और बुरा समय जुड़ा होता है। आपको बहनों को घड़ी भूलकर भी नहीं देना चाहिए।

नुकीली चीजें

हिंदू धर्म में नुकीली चीजों को उपहार के रूप में देना शुभता के आधार पर नहीं देखा जाता। ऐसा माना जाता है कि जब आप किसी को नुकीली चीजें देते हैं तो इससे आपके रिश्ते पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

अगर आपके भी घर में है ओपन किचन, तो इन बातों का ध्यान रखने से होगी धन की बरकत

बदलते दौर के साथ हर चीज के नए-नए डिज़ाइन आ गए हैं चाहे फिर वो कमरा हो या फिर किचन। पुराने जमाने की रसोई में चौखट और दरवाजे हुए करते थे लेकिन आज के आधुनिक युग में सब कुछ बदल गया है। ओपन किचन का ट्रेंड आज के समय में काफी बढ़ गया है। ज्यादातर महिलाओं का आधे से ज्यादा समय किचन में खाना-पीना बनाने में लग जाता है। ऐसे में इससे जुड़े कुछ वास्तु नियम हैं जिन्हें भूलकर भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

ओपन किचन के लिए वास्तु टिप्स

अगर आपके घर में भी ओपन किचन है तो जहां पर रसोई का भाग खत्म हो रहा है वहां एक ट्रायंगल क्रिस्टल टांग दें। ऐसा करने से घर में शुभता बनी रहती है और जीवन में कभी खुशियों की बढ़ोतरी होती है।

रसोई और घर की पॉजिटिविटी को बरकरार रखने के लिए रसोई में रोजाना कपूर का धुआं करें। इसके साथ जिस जगह रसोई खत्म हो रही है वहां पर स्वास्तिक का चिन्ह अवश्य बनाएं।

ओपन किचन में धारदार वस्तुओं को उत्तर दिशा में रखें।

ओपन किचन में यदि आप खिड़की बनवा रहे हैं तो हो सके तो पूर्व दिशा में ही बनाएं।

किचन की पिछली तरफ काला कपड़ा अवश्य टांग कर रखें।

इसके अलावा यदि कोई व्यक्ति ओपन किचन बनवाना चाहता है तो उत्तर दिशा की तरफ न बनाएं। इस दिशा में किचन आपकी जीवन की तरक्की को रोकने का काम करता है।

पश्चिम दिशा में बनाया गया किचन बेहद ही शुभ माना जाता है। ऐसा करने से आपकी शारीरिक और मानसिक सेहत सही रहती है।

एक शिवलिंग में समाया है पूरा शिव परिवार

एक शिवलिंग में समाया है पूरा शिव परिवार, जानें कौन कहां है विराजित

भगवान शिव का पावन महिना चल रहा है। ऐसे में लोग इस महीने भर मंदीर जाकर शिवलिंग पर जल चढ़ाते हैं। बहुत से लोगों को यह नहीं पता है कि शिव जी का पुरा परिवार उनके जलाधारी पर विराजित है, तो चलिए जानें।

भगवान शिव की पूजा अर्चना सभी करते हैं। वैसे भी सावन का यह शुभ और पावन महीना चल रहा है, जो कि शिव भक्तों के लिए बेहद खास है।

लोग रोजाना या फिर किसा खास पर्व पर शिव जी की पूजन के लिए मंदिर अवश्य जाते हैं। ऐसे में बहुत से लोगों को यह नहीं पता है कि शिव जी का समस्त परिवार उनके शिवलिंग के जलाधारी में विराजित हैं।

शिवपुराण के अनुसार शिव परिवार यानी, पार्वती, गणेश, अशोक सुंदरी और कार्तिकेय जी सभी उनके जलाधारी में विराजित हैं। यदि आपको भी यह नहीं पता है कि जलाधारी में कहां पर शिव जी के परिवार हैं, तो चलिए जानें साथ में।

कार्तिकेय जी गणेश जी और अशोक सुंदरी के बड़े भाई हैं। जलाधारी में कार्तिकेय जी पानी बहने वाले स्थान के बाईं ओर विराजित हैं। जहां से जलाधारी में जल बहना शुरू होता है, वहां बाईं ओर पर कार्तिक जी विराजित हैं।

गणेश

सबसे पहले किसी भी पूजन के प्रारंभ में गणेश जी (गणेश जी पूजा विधि)को याद किया जाता है। इसलिए आज हम भी पहले आपको जलाधारी में गणेश जी के स्थान के बारे में बताएंगे। बता दें कि जलाधारी में जहां से शिव जी को चढ़ाया हुआ जल बहता है उसके दाहिने भाग में गणेश जी का स्थान है।

माता अशोक सुंदरी गणेश जी और कार्तिकेय जी की बहन हैं। शिवलिंग पर इनका स्थान जलाधारी के मध्य में है। ये कार्तिकेय और गणेश जी के साथ बीच में विराजित हैं। बहुत से लोगों को यह नहीं पता है कि अशोक सुंदरी कौन हैं। आप को बता दें कि अशोक सुंदरी (अशोक सुंदरी के बारे में), माता पार्वती और गणेश जी की पुत्री हैं। इनका जन्म भगवान शिव ने माता पार्वती के अकेलेपन को दूर करने के लिए कल्प वृश्र से किया था।

माता पार्वती

जगत जननी माता पार्वती का स्थान शिवलिंग के ठीक नीचे है, जिसे शिवपुराण में हस्त कमल का नाम दिया है। माता अपने हस्त कमल के ऊपर शिवलिंग को रखी हैं।

शिवलिंग पर जल कैसे अर्पित करें

शिवलिंग पर जल चढ़ाने के लिए तांबे के पवित्र लोटे में जल लें और पहले गणेश जी के स्थान पर जल चढ़ाएं, फिर कार्तिकेय जी के ऊपर, फिर अशोक सुंदरी के ऊपर और घड़ी की दिशा में माता पार्वती के ऊपर शिवलिंग के सभी ओर एक धार में पानी डालते हुए बचा हुआ पानी शिवलिंग के ऊपर डाल दें। इस नियम से ही शिव जी पर जल चढ़ाया जाता है।

अगर हमारी स्टोरी से जुड़े आपके कुछ सवाल हैं, तो वो आप हमें आर्टिकल के नीचे दिए कमेंट बॉक्स में बताएं। हम आप तक सही जानकारी पहुंचाने का प्रयास करते रहेंगे। अगर आपको ये स्टोरी अच्छी लगी है, तो इसे शेयर जरूर करें। ऐसी ही अन्य स्टोरी पढ़ने के लिए जुड़े रहें हर जिंदगी से।

क्या आप जानते हैं शिव परिवार से जुड़े ये रहस्य?

हिन्दू धर्म में भगवान शिव को महादेव, महाकाल, भोलेनाथ, शंकर आदि कई नामों से पुकारा जाता है। भारत में भगवान शंकर और उनके परिवार की पूजा उत्तर के राज्यों से लेकर दक्षिण के राज्यों तक अनेकों रूपों में की जाती है। आदिकाल से भगवन शिव का परिवार मनुष्यों के लिए प्रेरणा और शक्ति देने वाला रहा है। शिव परिवार में भगवान कार्तिकेय बड़े पुत्र हैं, जिन्हे दक्षिण भारत में स्कंद, मुरुगन और भी कई नामों से पूजा जाता है। वहीं शिव-गौरी के छोटे पुत्र हैं भगवान गणेश, जिनको हम सभी गणपति के नाम से भी जानते हैं। साथ ही भगवान गणेश को माता-पिता और देवताओं के आशीर्वाद से हर पूजा-पाठ और अनुष्ठानों में प्रथम पूजनीय होने स्थान प्राप्त है।

भगवान शिव के परिवार के हर सदस्य के पास अलग-अलग शक्तियां और विद्याएं हैं। भगवान शंकर मोक्ष दाता और कल्याणकारी हैं तो माता गौरी सौभाग्य की देवी मानी जाती हैं। इनके पुत्र भगवान कार्तिकेय पराक्रम और शक्ति प्रदान करते हैं और भगवान गणपति बुद्धि।

इसके अलावा शिव परिवार के सभी सदस्यों के अपने वाहन भी हैं। जैसे भगवान शिव का वाहन है नंदी, और माता पार्वती का वाहन है सिंह, भगवान कार्तिकेय का वाहन है मयूर और भगवान गणपति का वहां है मूषक।

माता गौरी दाम्पत्य सुख की अधिष्ठात्री देवी मानी जाती हैं। यदि कोई सुहागिन स्त्री सच्ची श्रद्धा और भक्ति भाव से देवी गौरी की पूजा-उपासना करती है तो माता गौरी अखंड सौभाग्य का वरदान देती हैं।

प्राचीन कथाओं में ऐसा कहा जाता है कि भगवान शिव और माता पार्वती तीनों लोको में हमेशा विचरण करते रहते हैं और दीन-दुखियों की मदद के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। माता पार्वती सबका दुख दूर करना ही अपना कर्तव्य मानती हैं। इन्हीं सब गुणों के कारण भगवान शिव का पूरा परिवार पूजनीय है। भारत में जितनी भाषाएं बोली जाती हैं, उन सभी में भगवान शिव के परिवार की स्तुतियां लिखी गई हैं।

शाहरुख के पास हैं 300 अवॉर्ड्स : बोले- मुझे पुरस्कार लेने में कोई शर्म नहीं है

शाहरुख खान ने हाल ही में खुलासा किया है कि उनके पास 300 अवॉर्ड्स हैं। उन्होंने अपने घर में एक कमरा भी बनवाया है, जहां वे इन अवॉर्ड्स को रखते हैं। शाहरुख ने यह भी कहा कि उन्हें अवॉर्ड्स लेने में कोई शर्म नहीं है। उन्हें दर्शकों से प्यार पाना बहुत पसंद है। एक इंटरव्यू के दौरान शाहरुख से पूछा गया कि क्या उनके पास घर में अवॉर्ड्स रखने के लिए अलग से कोई स्पेशल जगह है? जवाब में एक्टर ने कहा- मेरा पास इस कमरे से भी बड़ा कमरा है। मेरे पास 300 अवॉर्ड्स हैं। मेरे पास 9 मंजिला ऑफिस है और हर मंजिल पर कुछ अवॉर्ड्स रखे गए हैं।। दरअसल, यह कोई ट्रॉफी रूम नहीं है। यह एक लाइब्रेरी है, जिसे इंग्लिश लाइब्रेरी की तरह डिजाइन किया गया है।

'मैं अवॉर्ड लेने के मामले में बेशर्म हूं'

जब शाहरुख से आगे पूछा गया कि क्या उन्हें अवॉर्ड्स लेना पसंद है, तब एक्टर ने कहा- मैं इसका आनंद लेता हूं। मैं इस मामले में बहुत बेशर्म हूं। मुझे अवॉर्ड पाना पसंद है। मुझे सेरेमनी बहुत पसंद है। अगर मुझे कोई स्पीच देना हो तो मैं थोड़ा घबरा जाता हूं।

शाहरुख ने आगे कहा कि जब वे इंटरनेशनल स्टेज पर अवॉर्ड लेने के लिए मौजूद रहते हैं, तब उन्हें थोड़ी घबराहट होती है। वे अपने सेंस ऑफ ह्यूमर को भी कंट्रोल करने की कोशिश करते हैं।

'अवॉर्ड के मामले में मैं थोड़ा लालची हूं'

यह पहली बार नहीं है जब शाहरुख ने अवॉर्ड्स के प्रति अपना प्यार जाहिर किया है। हाल ही में मुंबई में आयोजित 2024 में दादा साहेब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड्स में शाहरुख को जवान के लिए बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिला है। यहां उन्होंने कहा था कि जब पुरस्कार पाने की बात आती है तो वे थोड़े लालची हो जाते हैं। एक्टर ने आगे कहा- मैं जूरी को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने मुझे बेस्ट एक्टर अवॉर्ड के लिए योग्य समझा। मुझे लंबे समय से एक्टर का अवॉर्ड नहीं दिया गया था। ऐसा लग रहा था कि जैसे यह दोबारा नहीं मिलेगा। इसलिए अब मैं बेहद खुश हूं। मुझे अवॉर्ड लेना बहुत पसंद है। मैं थोड़ा लालची हूं।

कार्तिक आर्यन को 'भूल भुलैया 3' के लिए मिले 40 करोड़ रुपये

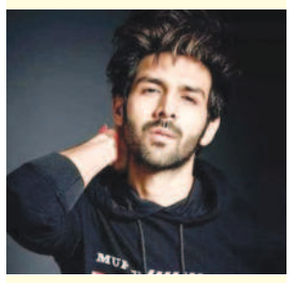

कार्तिक आर्यन हिंदी फिल्मों के जाने-माने कलाकार हैं। उन्होंने अपनी पिछली कुछ फिल्मों से खुद को इंडस्ट्री में स्थापित कर लिया है। उनकी अभिनय क्षमता हो या बॉक्स ऑफिस पर उनकी विश्वसनीयता दोनों को लेकर अब कोई संदेह नहीं रह गया है। निर्माता भी अब उन पर दांव लगाने से कतराते नहीं हैं। उन्होंने अपने फिल्मी करियर में एक लंबा सफर तय किया है। अभिनेता ने अपनी बहुमुखी अभिनय क्षमता को साबित किया है।

करियर की शुरुआती दौर में एक आम लड़के के रूप में कई फिल्मों में नजर आने के बाद कार्तिक ने अपनी छवि बदली। उन्होंने साबित किया कि उनके अभिनय में विभिन्नता भी है। इस वक्त कार्तिक आर्यन वर्तमान पीढ़ी के सबसे विश्वसनीय कलाकारों में से एक हैं। इस वजह से निर्माता भी उन पर मोटा दांव लगा रहे हैं। उन्हें उनकी आगामी फिल्म 'भूल भुलैया 3' के लिए मोटी फीस दी गई है।

राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर नित्या मेनन की पहली प्रतिक्रिया आई सामने, कहा-बिल्कुल उम्मीद नहीं थी

70वें नेशनल अवॉर्ड की हाल ही में घोषणा की गई है। नित्या मेनन को फिल्म थिरुचित्रम्बलम के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। अभिनेत्री ने मानसी पारेख के साथ पुरस्कार साझा किया, जिन्होंने कच्छ एक्सप्रेस (गुजराती) में अपनी भूमिका के लिए पुरस्कार जीता। नित्या ने हाल ही में इस पर प्रतिक्रिया देते हुए खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से, मुझे नहीं पता था कि वे राष्ट्रीय पुरस्कारों की घोषणा कर रहे हैं। यह असामान्य लग सकता है। मगर मुझे हलचल से दूर रहना पसंद है। मुझे इसकी बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी।'

नित्या मेनन ने एक बातचीत में कहा, 'हे भगवान, यह बहुत ही आश्चर्यचकित कर देने वाला था। क्या इतने सारे लोगों के पास मेरा नंबर है? क्या इतने सारे लोग मेरी परवाह करते हैं? क्या इतने सारे लोग मेरे पुरस्कार जीतने की परवाह करते हैं? जो वास्तव में एक आशीर्वाद था, वह उनकी इच्छाओं की सच्चाई थी। जीत बहुत से लोगों को व्यक्तिगत लगी, और वे इसे ऐसे मना रहे हैं जैसे यह उनकी अपनी जीत हो।'

इस तरह के किरदार करती हैं नित्या मेनन

अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मैं इस तथ्य से संतुष्ट महसूस करती हूं कि थिरुचित्रम्बलम वह फिल्म है जिसने मुझे यह पुरस्कार दिलाया। बात यह है कि मैं हमेशा ऐसी फिल्में करना चाहती हूं, जो मुझे करते समय खुश रखें और इसे देखते समय दूसरों को भी खुशी मिले। मेरा मानना है कि किसी दूसरे व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाना या उसे खुश करना, इस उम्मीद में कि यह पुरस्कार से मान्य होगा।'

'थिरुचित्रम्बलम' में धनुष के साथ दिखीं नित्या

मिथ्रन जवाहर द्वारा निर्देशित फिल्म 'थिरुचित्रम्बलम' में धनुष और नित्या सबसे अच्छे दोस्त थिरु और शोभना की भूमिका में हैं। फिल्म में धनुष ने थिरु का किरदार निभाया। वह एक डिलीवरी बॉय होते हैं। थिरु अपने दादा (भारतीराजा) के साथ अच्छा तालमेल रखता है। मगर अपने पिता (प्रकाश राज) के साथ संबंध बनाने में संघर्ष करता है, जो एक पुलिस अधिकारी है।

'ऊंचाई' को दो राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिलने पर गदगद हुईं परिणीति चोपड़ा

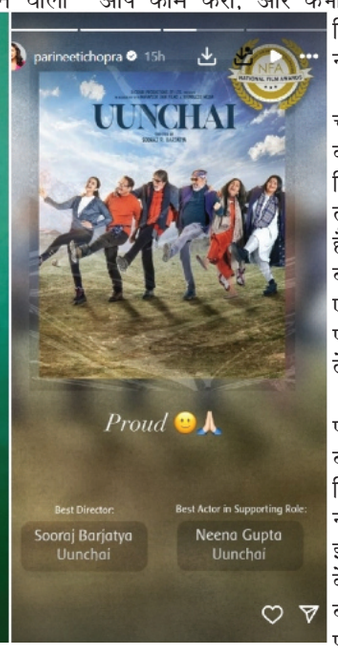

साल 2022 की फिल्म 'ऊंचाई' को 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा में बड़ा मौका मिला क्योंकि इसने दो श्रेणियों में जीत हासिल की। सूरज बड़जात्या ने सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार जीता, जबकि नीना गुप्ता को सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का खिताब दिया गया। फिल्म की बड़ी जीत पर प्रतिक्रिया देने से परिणीति चोपड़ा भी खुद को रोक नहीं पाई हैं। अभिनेत्री भी इस फिल्म का हिस्सा हैं और प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त करने पर अपनी टीम पर गर्व व्यक्त करती नजर आई हैं।

परिणीति चोपड़ा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सूरज बड़जात्या और नीना गुप्ता की उपलब्धियों के बारे में जानकारी साझा की। 'ऊंचाई' से एक तस्वीर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, 'गर्व (मुस्कुराता चेहरा और हाथ जोड़ने वाली इमोजी)।' 'ऊंचाई' एक एडवेंचर ड्रामा फिल्म है जिसमें अमिताभ बच्चन, अनुपम खेर, बोमन ईरानी, डैनी डेन्जोंगपा, नीना गुप्ता, परिणीति चोपड़ा और सारिका जैसे कलाकार शामिल हैं।

70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा के बाद, सर्वश्रेष्ठ निर्देशक विजेता सूरज बड़जात्या ने एक इंटरव्यू में कहा, '2022 के दौरान देश ने सिनेमा में जो सर्वश्रेष्ठ देखा है, उनमें से सम्मानित होने पर मैं आभारी हूं।' उन्होंने अपनी खुशी और कृतज्ञता की भावना के बारे में साझा किया। बड़जात्या ने इस अहसास की तुलना माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने से भी की।

इस बीच, नीना गुप्ता ने कहा कि यह खबर सुनने के बाद वह हैरान रह गईं और उन्हें अपने मैनेजर से दोबारा जांच करने के लिए कहना पड़ा कि क्या यह सच है। अपनी कड़ी मेहनत की यात्रा के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा, 'मुझे ऐसा लगता है कि आप काम करो, और कभी ना कभी फल मिलता है, आज नहीं तो कल।'

परिणीति चोपड़ा की बात करें तो वह इन दिनों काम से ब्रेक लेकर लंदन में हैं। अभिनेत्री को बीते दिन लंदन में एस्कॉन मंदिर में पूजा अर्चना करते देखा गया।

काम के मोर्चे पर वह आखिरी बार फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' में नजर आई थीं। इम्तियाज अली के निर्देशन में बनी इस फिल्म में परिणीति के अभिनय को समीक्षकों और दर्शकों ने काफी सराहा था।

विल स्मिथ की 'जैमिनी मैन' से हो रही विजय की 'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' की तुलना, निर्देशक वेंकट प्रभु ने दिया जवाब

दलपति विजय की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' का ट्रेलर शनिवार शाम को रिलीज हो चुका है। ट्रेलर में विजय को जमकर मारधाड़ करते हुए देखा गया। इसे 5 सितंबर, 2024 को रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म का निर्देशन वेंकट प्रभु ने किया है। चेन्नई में फिल्म के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम के दौरान वेंकट ने अपनी इस फिल्म की 'जैमिनी मैन' से तुलना होने के मामले पर जवाब दिया है।

'जैमिनी मैन' से फिल्म की तुलना होने पर दिया ये जवाब

'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' की तुलना 'जैमिनी मैन' से की जा रही है। यह भी एक एक्शन साइंस फिक्शन फिल्म है, जो साल 2019 में रिलीज हुई थी। इसमें विल स्मिथ ने मुख्य किरदार निभाया है। इस फिल्म से तुलना होने के सवाल पर वेंकट प्रभु ने कहा कि 'जैमिनी मैन' और 'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' एक जैसी फिल्में नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि केवल इतना ही है कि विल स्मिथ की इस फिल्म में पहली बार डी-एजिंग तकनीक का इस्तेमाल किया गया था। बता दें कि वेंकट की फिल्म में भी इसी तकनीक का प्रयोग किया गया है।

फिल्म का नाम तमिल में क्यों नहीं रखा

वेंकट से फिल्म के शीर्षक को लेकर भी सवाल पूछा गया कि उन्होंने तमिल नाम रखने के बजाय अंग्रेजी नाम क्यों रखा। अपने जवाब में वेंकट ने कहा कि हर भाषा में एक सटीक ट्रेंडिंग हैशटैग का इस्तेमाल करना मुश्किल होता है। बस इसीलिए इसे रखा गया है, क्योंकि ये एक ट्रेंडी टाइटल है।

जब जया बच्चन ने बताया था बेटी और बहू का फर्क

बच्चन परिवार पिछले कुछ दिनों से सुर्खियों में बना हुआ है। अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय बच्चन के रिश्ते को लेकर अफवाह उड़ रही है कि दोनों के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। बच्चन परिवार में जया बच्चन सबसे ज्यादा मुखर रहती हैं। वो अक्सर अपने बयानों को लेकर चर्चा बटोरती रहती हैं। बेटे-बहू को लेकर चल रही अफवाहों के बीच उनका एक पुराना साक्षात्कार सामने आया है। कई साल पहले जया बच्चन एनडीटीवी गुड टाइम्स पर एक साक्षात्कार में नजर आई थीं, जिसमें वो बेटी और बहू के फर्क पर बात कर रही थीं। जया ने कहा था कि एक बेटी के तौर पर लड़की अपने माता-पिता को हल्के में ले लेती हैं, लेकिन वो ससुराल में ऐसा नहीं कर सकती हैं।

बेटे और बेटी के साथ सख्त रहती हैं जया

जया बच्चन ने ऐश्वर्या राय के साथ संबंध पर बात करते हुए कहा था कि वो उनकी बहू हैं और उन्हें ऐश्वर्या के साथ सख्त क्यों होना चाहिए? इसी बातचीत में अपने बेटे और बेटी के साथ रिश्ते पर बात करते हुए जया ने कहा था कि वो दोनों के साथ एक सख्त मां की तरह पेश आती हैं और इसी के संदर्भ में वो ऐश्वर्या को लेकर अपनी बात कह रही थीं। बता दें कि जया को कई बार ऐश्वर्या की तारीफ करते हुए देखा गया है।

ऐश्वर्या घर में आती हैं तो बिग बी को लगता हैं श्वेता आ गईं

जया बच्चन एक बार करण जौहर के मशहूर शो 'कॉफी विद करण' में भी आई थीं, जिसमें उन्होंने बताया था कि ऐश्वर्या के घर में आने से अमिताभ बच्चन का खालीपन दूर हो गया था, क्योंकि बेटी श्वेता बच्चन की शादी के बाद से वो खाली-खाली सा महसूस कर रहे थे। ऐश्वर्या को घर में आता देखकर उन्हें लगता है कि श्वेता घर आ रही हैं।

81 की उम्र में काम करने के सवाल पर भड़के अमिताभ भारी शब्दों में दिया मुंहतोड़ जवाब-'क्या इससे कोई समस्या है?'

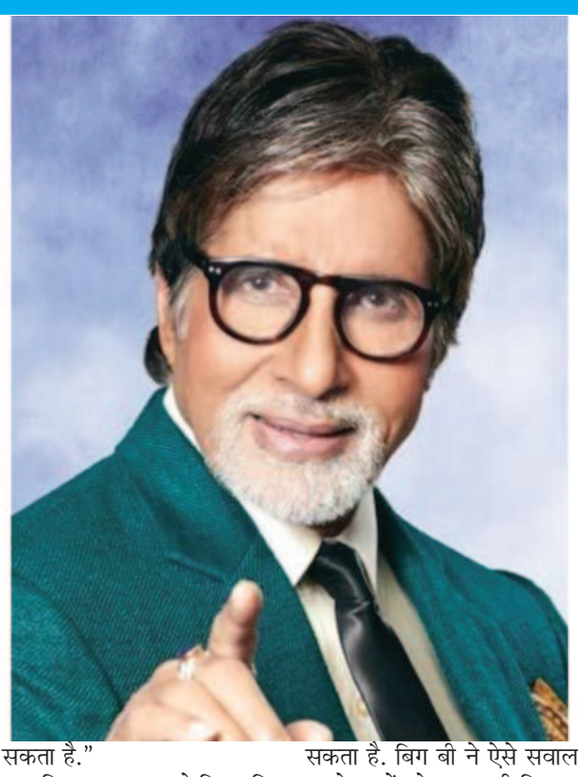

अमिताभ बच्चन 'कल्कि 2898 एडी' में अपने दमदार एक्शन और अदाकारी से लोगों को दिल जीता. उनके पास अभी कई और फिल्में भी हैं. इस बीच अमिताभ बच्चन इन दिनों 'कौन बनेगा करोड़पति 16' को होस्ट कर रहे हैं. वह 81 साल के हैं. इस उम्र में भी उनके काम करने को अंदाज की फैंस और ऑडियंस खूब तारिफ करती हैं. अमिताभ का चार्म और स्टारडम अभी कम नहीं हुआ हैं. हालांकि, पिछले 55 साल से फिल्म इंडस्ट्री में धाक जमाने वाले बिग बी से कई लोगों ने रिटायरमेंट लेने के लिए कहा है, जिस बिग बी ने आपत्ति जताई और एक लंबा ब्लॉग लिखा.

अमिताभ बच्चन ने ब्लॉग में उन लोगों को जवाब दिया जो यह जानना चाहते हैं कि इस उम्र में उनके काम करने का क्या मकसद है? बिग बी ने अपने ब्लॉग की शुरुआत यह लिखकर की कि उनके पास इस सवाल का कोई खास जवाब नहीं है, सिवाय इसके कि, "यह मेरे लिए एक और नौकरी का अवसर है इसके अलावा और क्या कारण हो सकता है."

अमिताभ बच्चन आगे लिखा कि दूसरों के पास काम करने या न करने की ऑपरच्युनिट या सिचुएशन का अपना आकलन हो सकता है. बिग बी ने ऐसे सवाल करने वालों को सलाह दी कि वह अपने काम से काम रखें. बिग बी ने लिखा, "आपको अपने काम या विचार करने की आजादी है और मुझे अपने काम की स्वतंत्रता है."

अमिताभ बच्चन ने कहा कि लोगों को अधिकार है

अमिताभ बच्चन यहीं नहीं रुके उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि कई लोग उनसे सहमत नहीं हो सकते हैं. वह सबकी सुनते हैं और जानते वह क्या कहना चाहते हैं. हर किसी को अपनी बात कहने का अधिकार है. उन्होंने लिखा,"आपने कहा, मैंने सुना, मैंने काम करने का कारण बताया मेरे पास जो कारण है वह मेरा है.. बंद शटर और ताला लगा हुआ है."

अमिताभ बच्चन ने लोगों को दी गणपति महोत्सव की बधाई

अमिताभ बच्चन ने आगे कहा, "मेरा काम हो गया है और यह स्थिर है. मैं काम करता हूं.. बस .. क्या इससे कोई समस्या है? तो फिर .. काम पर लग जाओ और पता लगाओ." अमिताभ ने अपने गेम शो 'कौन बनेगा करोड़पति 16' के सेट से कुछ तस्वीरें शेयर की हैं. फैंस को आने वाले गणपति महोत्सव की शुभकामनाएं एडवांस में दी.

अरशद वारसी ने की 'कल्कि 2898 एडी' की आलोचना, फिल्म में प्रभास को बताया जोकर

नाग अश्विन के निर्देशन में बनी फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही। फिल्म ने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर एक हजार करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की। इस तरह फिल्म ने कई रिकॉर्ड तोड़े। अकेले हिंदी संस्करण ने भी काफी अच्छी कमाई की, जो इसकी सफलता का प्रमाण है। हालांकि, अरशद वारसी ने हाल ही में प्रभास को ठीक से प्रस्तुत नहीं करने के लिए निर्माताओं को खुलेआम कोसा और यहां तक कि कंटेंट की भी आलोचना की।

नाग अश्विन द्वारा निर्देशित यह साइंस-फाई डायस्टोपियन फिल्म 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। रिलीज होने पर, फिल्म को ज्यादातर सकारात्मक समीक्षाएं मिलीं, और यहां तक कि अधिकांश दर्शकों ने कंटेंट को काफी सराहा। दर्शकों ने अश्विन की दूरदर्शिता की सराहना की। यहां तक कि प्रदर्शन और तकनीकी को भी दर्शकों ने काफी पसंद किया। हालांकि, अरशद वारसी फिल्म से कुछ खास खुश नजर नहीं आए हैं।

एक हालिया इंटरव्यू में, अरशद वारसी से पूछा गया कि उन्होंने आखिरी बार सिनेमाघरों में कौन सी फिल्म देखी थी। अभिनेता ने खुलासा किया कि उन्होंने 'कल्कि 2898 एडी' देखी और कहा कि उन्हें यह फिल्म पसंद नहीं आई क्योंकि उन्हें मैड मैक्स जैसी बड़ी फिल्म की उम्मीद थी।

उन्होंने यहां तक साफ तौर पर कहा कि प्रभास को मैग्नम ओपस में एक जोकर की तरह पेश किया गया है। अरशद वारसी ने कहा, 'मैंने कल्कि 2898 एडी देखी थी, जो मुझे अच्छी नहीं लगी। फिल्म में प्रभास एक जोकर की तरह थे। मैं एक मैड मैक्स देखना चाहता हूं यार, तुमने उनको क्या बना दिया यार। ऐसा क्यों करते हैं, मुझे समझ में नहीं आता यार।' इस बीच, काम के मोर्चे पर, अरशद वारसी अगली बार 'वेलकम टू द जंगल' और 'जॉली एलएलबी 3' में दिखाई देंगे। दिलचस्प बात यह है कि दोनों फिल्मों में अक्षय कुमार उनके को-स्टार हैं, और इन दोनों अनुभवी कलाकारों से बड़ी कमाई करने की उम्मीद है।

टॉप्स पहनने के स्मार्ट तरीके

हर किसी की कपड़ों को लेकर अलग-अलग च्वाइस होती है। कुछ को फैशन का क्रेज होता है तो कुछ सिंपल और सोबर लुक में ही रहना पसंद करती हैं। अगर ट्रेंडिंग कपड़ों की बात की जाए तो टॉप पहले नंबर पर आती है। खुद को कूल और फ्रेश रखने के लिए समर टॉप्स को अपने स्टाइल का हिस्सा बना रही हैं तो यहां से ले सकते हैं आइडिया।

काफ्तान टॉप्स

हर मौसाम में काफ्तान टॉप्स आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प साबित हो सकता है। इससे इंडियन से लेकर इंडो-वेस्टर्न व वेस्टर्न लुक क्रिएट किया जा सकता है। इसके अलावा, इन्हें पार्टीज में भी कैरी किया जा सकता है। जींस के साथ अपने रेगुलर टॉप को काफ्तान टॉप के साथ स्विच करने पर आपका लुक एकदम से बदल

ऑफ शोल्डर टॉप

अगर आप फैशन ट्रेंड्स पर नजर रखते हैं तो जानते ही होंगे कि ऑफ शोल्डर समर टॉप काफी चलन में हैं। एक्ट्रेस हिना खान का यह टॉप एकदम समर वाइब्स देगा। शॉर्ट स्कर्ट या फिर जीन्स के साथ इसे कैरी कर कोई भह क्लासी लुक पा सकता है।

हर सीजन को क्रॉप-टॉप का सीजन कहना गलत नहीं होगा। क्रॉप टॉप एक ऐसा लेडीज वियर है, जिसे कई अलग-अलग तरीकों से आसानी से कैरी किया जा सकता है। यह स्कर्ट, जीन्स या पेंट किसी के साथ भी जच जाती है, आप चाहें तो इस तरह का नेट का क्रॉप टॉप अपनी वॉर्डरोब में शामिल कर सकती हैं।

फ्लोरल टॉप

स्टाइल में अगर फ्लोरल टच को ऐड किया जाए तो लुक अधिक एलीगेंट लगता है। लाइटवेट और सॉफ्ट होने के कारण फ्लोरल टॉप एकदम परफेक्ट ऑप्शन है। अलग-अलग बॉटम वियर के साथ इसके पहनकर आप अपनी लुक को और भी बेहतरीन बना सकती हैं।

ओवरसाइज्ड टॉप

अगर आपको कैजुअल वियर में कुछ ट्रैंडी चाहिए तो ओवरसाइज्ड टॉप पर भरोसा कर सकती हैं इनमें आपको कई तरह के कलर और डिजाइन मिल जाएंगे। यह कंफर्टेबल लुक तो देता ही है साथ में गर्मी से भी बचाता है। इसे यूनिक तरीके से स्टाइल करके अपने लुक को एन्हांस कर सकती हैं।

हाई लो टॉप

हाई लो टॉप के साथ आप गर्मियों को और भी अच्छे से एंजॉय कर सकती हैं। कैजुअल आउटिंग्स के लिए इसे कैरी कर सकती है। इसके साथ आप स्टाइलिश पैंट पहन सकती हैं। यह नाइट पार्टी के लिए स्टाइलिंग का एक बेहतरीन आईडिया है।

क्रॉप टॉप

'सकारात्मक सोच' जरूरी है आगे बढ़ने के लिए

महात्मा गांधी का प्रसिद्ध कथन है कि नकारात्मकता से दूर रहते हुए पूरे मन से इंसान वैसा ही बनता जाता है, जैसी वह प्रयास करेंगे तो सफलता मिलनी तय है। सोच रखता है। यह कथन छोटे या बड़े हर व्यक्ति पर लागू होता है। आप जिंदगी में सफल तभी हो सकते हैं, जब आप सफलता हासिल करने के प्रति अपनी सोच को सकारात्मक रखेंगे। अगर अपनी खामियां ढूंढ-ढूंढकर खुद को कमतर ही आंकते रहेंगे तो कभी सफलता की ओर कदम नहीं बढ़ा सकोगे। दीजिए काबिलियत का सौ प्रतिशत अगर आप थोड़ी-सी परेशानियों से घिरने पर खुद की क्षमताओं पर ही संदेह करने लगेंगे तो सफल होना मुश्किल है। हो सकता है कि एक बार प्रयास करने पर सफलता न मिले लेकिन अगर आप

प्रभावित होता है मानसिक स्वास्थ्य नकारात्मक सोच वाले व्यक्ति अपने आसपास एक ऐसा नकारात्मक माहौल बना लेते हैं जो उनके साथ- साथ उनके आसपास के लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालता है इसलिए इससे जितना हो सके बचें।

लक्ष्य बनाकर चलें जिंदगी का लक्ष्य बनाकर चलें तो दिमाग को भटकने से बचाया जा सकता है। किसी भी अप्रिय स्थिति का सारा दोष खुद पर ही न मढ़ लें। इसके लिए परिस्थितियां भी दोषी हो सकती हैं। आपकी काबिलियत इसमें है कि आप इन परिस्थितियों को खुद पर हावी न होने दें।

'वाणी में मिठास' से पाएं सफलता

मनुष्य के व्यक्तित्व की पहचान उसके बातचीत करने के ढंग से होती है। भले ही कोई व्यक्ति कितना ही सुंदर हो, परंतु वाणी में कर्कशता या रूखापन हो तो वह कभी किसी को अपनी ओर आकर्षित नहीं कर सकता।इसके विपरीत सामान्य सा दिखने वाला व्यक्ति यदि सौम्य हैं और उसकी वाणी में मिठास है तो वह सहज ही सबको अपनी ओर आकर्षित कर लेगा। उचित - अनुचित का ज्ञान रखकर बोलने से आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली बन सकता है इसलिए आवश्यक है तोल-मोल कर बोलना ।* अपनी आवाज पर ध्यान दें, बहुत ऊंचे स्वर में चिल्ला-चिल्लाकर न बोलें।* बोलते समय विषय का पर्याप्त ज्ञान हो इसका ध्यान रखें ।* बोलते समय अवसर व स्थान का विशेष ध्यान रखें। अस्पताल में धीरे बोलें।

* दो लोगों के बीच कभी न बोलें। न ही बिन मांगे अपनी सलाह दें।* दूसरों की बात ध्यान से सुनें, तभी बोलें। साथ ही उनकी रुचि का ध्यान रखकर बोलें।* बोलते समय बेवजह न हाथ नचाएं, न आंखें मटकाएं, न दूसरों को छुएं।* कुछ खाते हुए कभी न बोलें। बोलते समय थूक के छींटें दूसरों पर न उड़ाएं।* किसी दूर खड़े व्यक्ति से दूर से ही चिल्लाकर बात करने की कोशिश न करें, पास जाकर बोलें। * बच्चों के स्कूल में उनकी अध्यापिकाओं आदि से शिष्टाचार से बोलें।* अपने उच्चाधिकारी होने का मान करते हुए अपने मातहतों को बिना सोचे-समझे कभी न बोलें। तुच्छ न समझें।

सबसे अधिक रोजगार देने वाला क्षेत्र 'होटल इंडस्ट्री'

वर्ष 2020 में शुरू हुई कोरोना वायरस महामारी से प्रभावित होने के पश्चात हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ी है। इसमें तेजी आई है और माना जा रहा है कि आने वाले समय में इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर करियर के मौके पैदा होंगे।

आने वाले दिनों में इस इंडस्ट्री को सबसे अधिक रोजगार देने वाले क्षेत्र के रूप में देखा जा रहा है। अनुमान है कि वर्ष 2027 तक भारत में तीन करोड़ से भी ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक पहुंचेंगे, जिसके चलते होटल और रैस्टोरैंट के क्षेत्र में करियर की संभावनाएं बढ़ेंगी।

कोरोना के बाद छात्रों को कांटैक्ट लैस हॉस्पिटैलिटी सर्विस देने का अभ्यास कराया जा रहा है। इसमें इम्युनिटी बढ़ाने वाले व्यंजनों की जानकारी, कॉंटैक्ट लैस चैक-इन से लेकर चैक-आऊट की जानकारी, हाऊसकीपिंग, फ्रंट ऑफिस व कमरों का सैनिटाइजेशन भी सिखाया जा रहा है। जायकेदार खाना बनाने की कला के जरिए आप एक छोटे लोकल पब से लेकर फाइव स्टार या फिर इंटरनैशनल होटल में अपनी जगह बना सकते हैं। बस बनाना है ऐसा खाना कि सामने वाला सिर्फ खाना ही नहीं, बल्कि अपनी उंगलियां भी चाटता रह जाए।

अगर आपका इंट्रेस्ट कुकिंग, बेकिंग और लजीज खाना बनाने में है, अगर आप डिफरैंट डिशेज के साथ एक्सपेरिमेंट करना पसंद करते हैं तो एक नया करियर ऑप्शन आपके इंतजार में है। होटल मैनेजमेंट में इन दिनों

करियर बनाने के कई ऑपशन मौजूद हैं।

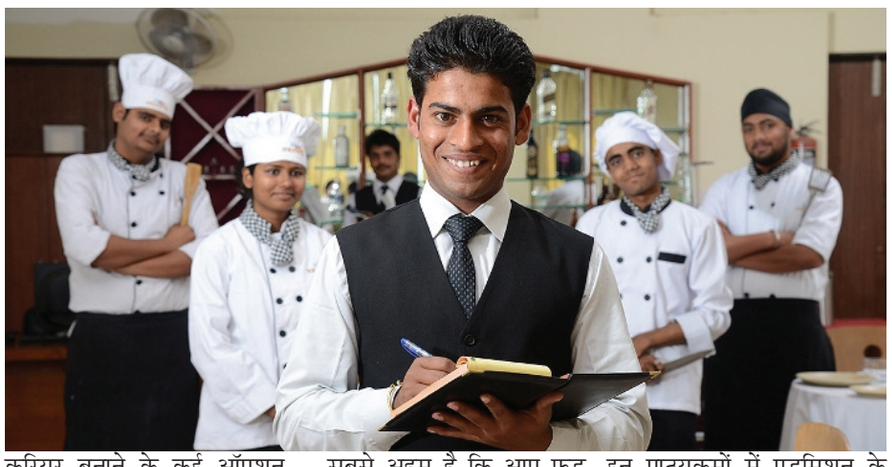

कोर्स एवं अवसर

बी.एस.सी. इन हॉस्पिटैलिटी एंड होटल एडमिनिस्ट्रेशन, डिप्लोमा इन कुकरी, क्राफ्टसमैनशिप कोर्स इन फूड एंड बेवरेज सर्विस मैनेजमेंट, सर्टीफिकेट कोर्स इन कुकरी सर्टीफिकेट कोर्स इन कुकरी फॉर होम मेकिंग, डिप्लोमा इन बेकरी एंड कंफैक्शनरी जैसे ढेरों कोर्स कर करियर बनाया जा सकता है।

सबसे अहम है कि आप फूड एंव बेवरेज डिवीजन सर्विस के अलावा बतौर शैफ बनकर अपने करियर को रौशन कर सकते हैं। मुख्य तौर पर होटल, रेस्तरां, क्रूज, टूरिज्म एसोसिएशन एयरलाइन कैटरिंग और केबिन सर्विस, क्लब मैनेजमेंट, लॉज, गैस्ट हाऊस भी होटल मैनेजमैंट पासआऊट प्रोफैशनल्स ही चलाते हैं।

बेकर्स के लिए भी जॉब ऑपशंस की कमी नहीं है। बेकरी, हॉट ब्रेड शॉप, डिपार्टमेंटल स्टोर्स, होटल और कैफे में भी बेकर्स की काफी डिमांड है।

पूरी दुनिया में टूरिज्म और एविएशन ने होटल बिजनैस के लिए अवसरों को बहुत बड़ा बना दिया है। आने वाले समय में होटल इंडस्ट्री में जॉब की कमी नहीं होगी। इसके अलावा आप धीरे-धीरे खुद का होटल, बेकरी शॉप, रेस्तरां या फिर कैटरिंग बिजनैस भी शुरू कर सकते हैं।

योग्यता

इस फील्ड में सर्टीफिकेट कोर्स, डिप्लोमा व डिग्री कर सकते हैं। इन पाठ्यक्रमों में एडमिशन के लिए किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से 12वीं या स्नातक होना जरूरी है। 12वीं में अंग्रेजी एक अनिवार्य विषय के रूप में पढ़ी होनी चाहिए।

इस इंडस्ट्री में कामयाब होने के लिए कुछ व्यक्तिगत गुणों का होना भी जरूरी है, जैसे मृदुभाषी होना। द्विभाशी (अंग्रेजी, हिन्दी) ज्ञान हो तो और भी बेहतर। बेहतर पर्सनैलिटी, सुनने-समझने की अच्छी आदत, समस्याओं को सुलझाने की योग्यता, लीडरशिप और मैनेजीरियल स्किल भी बेहद जरूरी हैं।

प्रमुख संस्थान

नैशनल काऊंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टैक्नोलॉजी, नोएडा www.nchm.nic.in इग्नू, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली www.ignou.ac.in लक्ष्य भारती इंटरनैशनल होटल मैनेजमेंट संस्थान, नई दिल्ली www.lbiim.com कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र, हरियाणा।।

सरकारी नौकरी

एनसीईआरटी में 123 पदों पर भर्ती 27 अगस्त तक करें अप्लाई

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की ओर से प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर समेत अन्य पदों पर भर्ती निकली है। सबसे पहले इस भर्ती के लिए आवेदन की आखिरी तारीख 16 अगस्त थी जिसे अब एनसीईआरटी की ओर से 27 अगस्त 2024 तक एक्सटेंड कर दिया गया है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट ncert.nic.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं।

वैकेंसी डिटेल्स : प्रोफेसर : 33 पद, असिस्टेंट प्रोफेसर : 32 पद

एसोसिएट प्रोफेसर : 58 पद

कुल पदों की संख्या : 123

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :

प्रोफेसर : पीएचडी डिग्री, 10 साल का वर्क एक्सपीरियंस।

एसोसिएट प्रोफेसर : पीएचडी डिग्री, मास्टर डिग्री, 8 साल का वर्क एक्सपीरियंस।

असिस्टेंट प्रोफेसर : मास्टर डिग्री या पीएचडी।

असिस्टेंट लाइब्रेरियन : लाइब्रेरी में मास्टर डिग्री।

आयु सीमा :जारी नहीं

सैलरी : प्रोफेसर : लेवल - 14 के अनुसार, 1,44,200 रुपए प्रतिमाह। एसोसिएट प्रोफेसर : लेवल 13 ए के अनुसार, 1,31,400 रुपए प्रतिमाह।असिस्टेंट प्रोफेसर, असिस्टेंट लाइब्रेरियन : लेवल 10 के अनुसार, 57,700 रुपए प्रतिमाह।

फीस :अनरिजर्व, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 1000 रुपए

एससी, एसटी, पीडब्ल्यूडी : निःशुल्क

सिलेक्शन प्रोसेस :इंटरव्यू बेसिस पर।

ऐसे करें आवेदन :

एनसीईआरटी की वेबसाइट ncert.nic.in पर लॉग ऑन करें। खुद को रजिस्टर करें और लॉग इन करें। अपना आवेदन पत्र भरें।

डॉक्यूमेंट्स अपलोड करके फीस का भुगतान करें।

फॉर्म को डाउनलोड करें। इसका प्रिंट आउट लेकर रखें।

रेलवे में अप्रेंटिस के 4096 पदों पर निकली भर्ती, 10वीं पास को मौका

रेलवे रिक्रूटमेंट सेल उत्तर रेलवे की ओर से ट्रेड अप्रेंटिसशिप के 4096 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया गया है। उम्मीदवार उत्तर रेलवे की ऑफिशियल वेबसाइट rrcnr.org पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :

मान्यता प्राप्त बोर्ड से 50% अंकों के साथ 10वीं पास।

आईटीआई सर्टिफिकेट प्राप्त किया हो।

आयु सीमा :न्यूनतम : 15 वर्ष अधिकतम : 24 वर्ष

ऊपरी आयु में रेलवे के नियमनुसार छूट दी जाएगी।

उम्र की गिनती 16 सितंबर 2024 के अनुसार की जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस : इस भर्ती में उम्मीदवारों का चयन आवेदन की स्क्रीनिंग और स्क्रूटिनी के माध्यम से किया जायेगा।

सैलरी : रेलवे अप्रेंटिस नियमों के अनुसार

जरूरी डॉक्यूमेंट्स :

आधार कार्ड

10वीं की मार्कशीट

12वीं की मार्कशीट

ग्रेजुएशन की मार्कशीट

पद के अनुसार जरूरी डिग्री/डिप्लोमा

जाति प्रमाण पत्र

पासपोर्ट साइज की फोटो

मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी

सिग्नेचर और लेफ्ट थंब का निशान

ऐसे करें आवेदन : ऑफिशियल वेबसाइट rrcnr.org पर जाएं।

जूनियर इंजीनियर भर्ती 2024 के लिए ₹ऑनलाइन आवेदन करें₹ लिंक पर क्लिक करें।

ऑनलाइन अप्लाई के विकल्प पर क्लिक करें।

आवेदन फार्म में मांगी गई सभी जानकारी दर्ज करें।

जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।

फीस का भुगतान करके फॉर्म सब्मिट करें।

इसका प्रिंट आउट लेकर रखें।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड में 256 पदों पर निकली भर्ती

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, नासिक की ओर से इंजीनियरिंग ग्रेजुएट, डिप्लोमा और नॉन टेक्निकल ग्रेजुएट अप्रेंटिस के लिए भर्ती निकाली गई है। उम्मीदवारों को अप्रेंटिसशिप पोर्टल nats.education.gov.in पर जाकर आवेदन करना होगा। 31 अगस्त तक अप्लाई करें।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/ संस्थान से रेग्यूलर 4 वर्षीय बीई/ बीटेक/ बीफार्मा/ संबंधित ब्रांच में तीन वर्षीय डिप्लोमा/ संबंधित क्षेत्र/ डिसिप्लिन में 3 या 4 वर्षीय ग्रेजुएशन की डिग्री।

जो उम्मीदवार पहले से ही किसी अन्य कंपनी में अप्रेंटिस के रूप में रजिस्टर्ड हैं या अप्रेंटिसशिप पूरी कर चुके हैं, इस भर्ती के लिए आवेदन नहीं कर सकते हैं।

आयु सीमा :अधिकतम 35 वर्ष

सिलेक्शन प्रोसेस :

रिटन एग्जाम

डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

स्टाइपेंड :

पद के अनुसार, 8 हजार - 9 हजार रुपए प्रतिमाह।

ऐसे करें आवेदन :

ऑफिशियल वेबसाइट hal-india.co.in/home पर जाएं।“करियर” या “भर्ती” सेक्शन पर क्लिक करें।

रजिस्ट्रेशन करके लॉगिन करें।

मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।

जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।

फीस का भुगतान करके फॉर्म सब्मिट करें।

फॉर्म डाउनलोड करें। इसका प्रिंट आउट निकाल कर रखें।

अपने अकाउंट से न करें ये काम वरना हो सकती है जेल

आरबीआई ने किया आगाह

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक देश के लोगों को समय-समय पर जरूरी जानकारी मुहैया कराती रहती है ताकि उनका बैंक खाता सुरक्षित रह सके. इसी के तहत देश कई अखबारों में एक विज्ञापन जारी किया गया है. इस विज्ञापन का उद्देश्य देश के लोगों के खाते को सुरक्षित करना है. इस विज्ञापन का टैग लाइन दिया गया है. मत बनिए मनी फ्यूल!, इसमे कहा गया है कि मनी फ्यूल के रुप में काम करना अपराध है. मत बनिए मनी फ्यूल! कैपेंन के तहत भारतीय रिजर्व बैंक और राष्ट्रीय साइबर पोर्टल ने एक मुहिम चलाई है. इसके जरिए केंद्रीय बैंक उन लोगों को आगाह करना चाहता है जो बिना सोचे समझे अपने अकाउंट में किसी का भी पैसा मंगवा लेते है और फिर ठगी का शिकार बन जाते हैं.

क्या होता है मनी फ्यूल

मनी फ्यूल वो शख्स होता है जो किसी अन्य की ओर से अवैध रुप से अर्जित धन का लेन-देन या ट्रांसफर करता है. ऐसे शख्स या इस तरह की गतिविधियों को रोकने के लिए आरबीआई ने विज्ञापन में बताया है कि कैसे आपके साथ धोखाधड़ी हो सकती है. इस विज्ञापन के जरिए लोगों को बताया गया है कि दूसरो के धन के आवागमन के लिए अपने खाते के संचालन की अनुमति न दें.

हो सकती है जेल

भारतीय रिजर्व की ओर से इस विज्ञापन में साफ किया गया है कि अगर आपके बैंक खाते के माध्यम

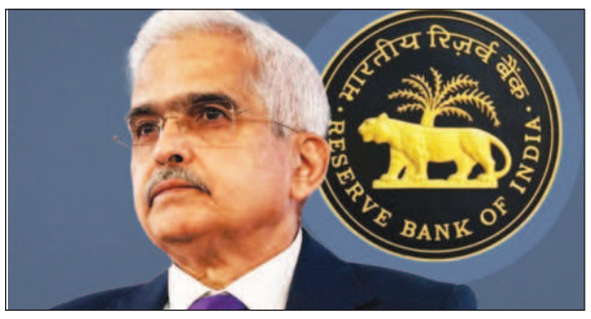

से किसी दूसरे का धन प्राप्त करने या उसे आगे भेजने का प्रस्ताव आपको जेल पहुंचा सकता है. रिजर्व बैंक ने देश के लोगों को सचेत करते हुए कहा है कि कभी भी किसी ऐसे व्यक्ति को अपने खाते का विवरण न दें जिसे आप जानते न हों. अगर आपके साथ किसी तरह की धोखाधड़ी होती है तो आप ऐसे मामले की रिपोर्ट अपने बैंक या राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल या साइबर हेल्पलाइन नबंर 1930 पर सकते हैं. दरअसल भारतीय रिजर्व बैंक समय-समय पर देश के लोगों को अलग अलग तरीके से जानकारी देती रहती है.

ताकि वो किसी भी तरह के साइबर फ्रॉड से बच सकें. भारतीय रिजर्व बैंक ट्विटर के जरिए और दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर बैंक ग्राहकों को आगाह करती रहती है. ताकि देश के बैंकिंग सिस्टम में फ्रॉड कम हो सके।

नकदी के लेनदेन की जानकारी नहीं दे रहे होटल और अस्पताल, अब आयकर विभाग कसेगा शिकंजा

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। देशभर में तमाम होटल, अस्पताल समेत कई बड़े लग्जरी ब्रांड पर आयकर विभाग शिकंजा कसने की तैयारी में है। यह संस्थान लगातार नकदी के लेनदेन को लेकर जानकारी साझा नहीं कर रहे हैं। अब केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर विभाग को ऐसे संस्थानों में नकदी के लेनदेन की जांच करने का निर्देश दिया है। इसके बाद आयकर विभाग ने सूची तैयार करनी शुरू कर दी है। आयकर विभाग के नियमों के मुताबिक वित्तीय संस्थानों के दो लाख रुपये से अधिक के नकदी लेनदेन का विवरण देना जरूरी होता है। लेकिन देश में तमाम बड़े संस्थान ऐसा नहीं कर रहे हैं। इसे लेकर केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने जांच की। जांच करने पर पाया गया कि प्रावधानों का उल्लंघन किया जा रहा है। उच्च मूल्य वाले उपभोग व्यय को करदाता के बारे में जानकारी के साथ सत्यापित करना जरूरी है। इस पर बोर्ड ने आयकर विभाग को जांच के निर्देश दिए हैं। बोर्ड ने हाल में केंद्रीय कार्य योजना (सीएपी) 2024-25 जारी की है। सीबीडीटी ने आयकर विभाग से यह भी कहा है कि जांच हस्तक्षेप के बिना होनी चाहिए। सीबीडीटी ने आयकर विभाग से बकाया मांगों की वसूली के लिए ठोस प्रयास करने को भी कहा है। इसके बाद आयकर विभाग ने होटलों, बैंक्वेट हॉल, लक्जरी ब्रांड के खुदरा विक्रेताओं, आईवीएफ क्लीनिक, अस्पताल, डिजाइनर कपड़ों की दुकानों और एनआरआई कोटा मेडिकल कॉलेज सीटों की पहचान की है। इन व्यावसायिक संस्थानों में आयकर नियमों का पालन नहीं किया गया और बड़े पैमाने पर नकदी का लेनदेन किया गया।

भारत के आर्थिक ग्रोथ पर आईएमएफ ने बढ़ाई चिंता

रोजगार के मोर्चे पर भी कही ये बात

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका समेत दुनिया के कुछ देशों की इकोनॉमी में उथल पुथल के बीच भारत के आर्थिक ग्रोथ को लेकर आईएमएफ ने बड़ी बात कही है. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ की डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर गीता गोपीनाथ ने कहा कि भारत को आर्थिक ग्रोथ के रास्ते पर आगे बढ़ने तथा देश में पर्याप्त रोजगार सृजन सुनिश्चित करने के लिए और अधिक सुधार करने की आवश्यकता होगी. एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गोपीनाथ ने कहा कि यदि भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण भागीदार बनना चाहता है तो उसे आयात शुल्क कम करना होगा.हालांकि आर्थिक सुधारों के संदर्भ में सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण सुधार किए हैं लेकिन इसपर और जोर देना होगा. गीता गोपीनाथ ने कहा कि दुनिया अभी ऐसे माहौल में है जहां व्यापार एकीकरण पर सवाल उठ रहे हैं, तथा भारत के लिए वैश्विक व्यापार के लिए खुला रहना महत्वपूर्ण है. प्रमुख अर्थशास्त्री का कहना है कि भारत में शुल्क दरें अन्य समकक्ष अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में अधिक हैं. यदि वह विश्व मंच पर एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनना चाहता है, तो उसे उन शुल्क को कम करना होगा. गोपीनाथ ने कहा कि विकसित देश का दर्जा प्राप्त करना एक बड़ी आकांक्षा है, लेकिन यह अपने आप नहीं हो जाता। इसके लिए कई क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर निरंतर, सुसंगत प्रयास की आवश्यकता होती है.

टैक्स पर दिया ये बयान

उन्होंने कहा, भारत की समग्र वृद्धि दर अच्छी रही है और सात प्रतिशत की दर से यह विश्व में सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है. गोपीनाथ ने कहा, सवाल यह है कि इस गति को कैसे बनाए रखा जाए तथा इसे और कैसे बढ़ाया जाए, ताकि भारत में प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हो सके तथा यह एक उन्नत अर्थव्यवस्था बन सके. टैक्स के बारे में उन्होंने कहा कि भारत की स्थिति अन्य विकासशील देशों से मिलती-जुलती है, जहां एकत्रित होने वाला अधिकांश कर राजस्व अप्रत्यक्ष कर होता है, न कि प्रत्यक्ष कर, तथा आयकर के रूप में नहीं होता. उन्होंने कहा, हम अन्य विकासशील देशों को भी सलाह दे रहे हैं कि व्यक्तिगत आयकर आधार को व्यापक बनाना लाभदायक होगा, ताकि वहां से अधिक आय प्राप्त हो सके।

अनिल अंबानी के बिजनेस में रिलायंस के साथ 'जय' की एंट्री

कौन है यह शख्स जिसके नाम पर शुरू की नई कंपनी

रिलायंस के साथ जुड़ा 'जय' का नाम

नई दिल्ली,18 अगस्त (एजेंसियां)। कर्जे से निकलने के बाद मुकेश अंबानी के छोटे भाई अनिल अंबानी की गाड़ी पटरी पर आती दिखाई दे रही है। उन्होंने एक नई कंपनी शुरू की है। सबसे दिलचस्प इस कंपनी का नाम है। अभी तक इनकी कंपनी से जुड़े बिजनेस में रिलायंस का नाम सामने आता रहा है, लेकिन अब रिलायंस के साथ एक नाम की एंट्री और हो गई है। यह नया नाम 'जय' है। अनिल अंबानी ने अपनी नई कंपनी का नाम रिलायंस जय प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड रखा है। अब आप सोच रहे होंगे कि यह जय कौन है और इसका रिलायंस के साथ क्या संबंध है? आपको बता दें कि 'जय' अनिल अंबानी के दोनों बेटों के नाम का शुरुआती अक्षर है। यानी इनके दोनों बेटों के नाम की शुरुआत 'जय' के साथ ही होती है। इनके बड़े बेटे का नाम जय अनमोल अंबानी और छोटे बेटे का नाम जय अंशुल अंबानी है। आरजेपीपीएल रियल एस्टेट से जुड़ी है। यह रिलायंस एनर्जी लिमिटेड की सहायक कंपनी है। आरजेपीपीएल विभिन्न संपत्तियों को खरीदने, बेचने, पट्टे पर देने और उनका विकास करने पर फोकस करेगी। आरजेपीपीएल को 12 अगस्त 2024 को रिलायंस एनर्जी लिमिटेड के तहत शामिल किया गया। रिलायंस एनर्जी लिमिटेड खुद रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर की सबसिडियरी कंपनी है। नई कंपनी की अधिकृत और पेड-अप कैपिटल एक लाख रुपये है। इसमें 10 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से 10 हजार इक्विटी शेयर शामिल हैं। कभी दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में शामिल रहे अनिल अंबानी का बिजनेस बाद में बुरी तरह डूब गया था। अनिल अंबानी कर्ज के बोझ से ऐसे दबे कि उनकी कंपनियां दिवालिया होने लगी थीं। हालांकि पिछले कुछ समय से हालात बदले हैं। लगभग सभी कंपनियों का कर्ज चुका दिया गया है। कंपनियों के घाटे कम होने लगे हैं। इनकी दिवालिया कंपनी रिलायंस कैपटिल की डील ने भी गाड़ी पटरी पर लौटाई है। रिलायंस कैपिटल को 9861 करोड़ रुपये में खरीदने वाली हिंदुजा ग्रुप ने पहली किस्त के रूप में 2750 करोड़ रुपये जमा कर दिए हैं। एक अनुमान के मुताबिक अनिल अंबानी की मौजूदा नेट वर्थ करीब 30 बिलियन डॉलर (करीब 251 करोड़ रुपये) है। कुछ समय पहले ही अनिल अंबानी के बड़े भाई मुकेश अंबानी ने भी एक नई कंपनी शुरू की है। इस कंपनी का नाम जियो फाइनेंस प्लेटफॉर्म एंड सर्विस लिमिटेड है।यह जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड की सब्सिडियरी कंपनी है। इससे कंपनी को स्टॉक ब्रोकिंग और वेल्थ मैनेजमेंट इंडस्ट्री में कदम जमाने का मौका मिलेगा।

मस्क ने ब्राजील में एक्स का कामकाज बंद किया

सेंसरशिप ऑर्डर को जिम्मेदार ठहराया; सुप्रीम कोर्ट के जज पर स्टाफ को धमकाने का आरोप

मेक्सिको सिटी,18 अगस्त (एजेंसियां)। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स ने ब्राजील में अपना कामकाज बंद कर दिया है। कंपनी के सीईओ इलॉन मस्क ने शनिवार (17 अगस्त) को इसकी जानकारी दी। उन्होंने फैसले के पीछे सुप्रीम कोर्ट के सेंसरशिप ऑर्डर को जिम्मेदार ठहराया। हालांकि, ब्राजील के लोगों के लिए एक्स की सेवाएं पहले की तरह जारी रहेंगी। मस्क ने एक्स पर लिखा- सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अलेक्जेंड्रे डी मोरेस के (अवैध) सीक्रेट सेंसरशिप और प्राइवेट जानकारी सौंपने की मांगों के कारण हमने ब्राजील में एक्स ऑफिस बंद करने का फैसला लिया है। यह फैसला मुश्किल था, लेकिन हमारे पास शर्मिंदा हुए बिना अपने कामों को समझाने का कोई तरीका नहीं था। अलजजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी का यह फैसला गलत जानकारियों को रोकने लिए प्लेटफॉर्म के अधिकारों और जिम्मेदारियों पर जस्टिस मोरेस के साथ कानूनी लड़ाई के बाद आया है। एक्स का दावा है कि अलेक्जेंड्रे मोरेस ने ब्राजील में उसके एक कानूनी प्रतिनिधि को गिरफ्तार करवाने की धमकी भी दी थी। एक्स की ग्लोबल गवर्नमेंट अफेयर्स टीम ने अपने ऑफिशियल अकाउंट पर पोस्ट के जरिए अलेक्जेंड्रे डी मोरेस की धमकियों की जानकारी दी। कंपनी ने बताया कि मोरेस ने एक सीक्रेट आदेश में धमकी दी थी, जिसे एक्स ने अब शेयर किया है। कंपनी ने बताया कि मोरेस ने कानून का पालन करने के बजाय ब्राजील में उनके कर्मचारियों को डराया और धमकाया। मोरेस ने कंपनी के एक कानूनी प्रतिनिधि को कहा कि अगर उसने एक्स से कुछ कंटेट नहीं हटाए तो उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। एक्स ने आरोप लगाया कि सुप्रीम कोर्ट में हमारी कई अपीलों पर सुनवाई नहीं हुई। इसलिए हमने अपने कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए ब्राजील में अपना ऑपरेशन तुरंत प्रभाव से बंद करने का निर्णय लिया है। हालांकि, एक्स के आरोपों पर ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अलेक्जेंड्रे का अब तक कोई जवाब नहीं आया है। इलॉन मस्क ने 7 अप्रैल को ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के जज अलेक्जेंड्रे डी मोरेस को हटाने की मांग की थी।

निर्यात बढ़ने के साथ भारतीय खिलौना उद्योग में दिखा जबरदस्त ग्रोथ

नई दिल्ली,18 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय खिलौना उद्योग ने पिछले एक दशक में जबरदस्त तरक्की की है। सरकार की कई सकारात्मक पहलों के चलते, भारत ने खिलौनों के निर्यात में उल्लेखनीय प्रगति की है। भारतीय खिलौना उद्योग ने लगभग 523.24 मिलियन डॉलर के निर्यात के साथ 517.71 मिलियन डॉलर के आयात को पीछे छोड़ दिया है। कुछ साल पहले तक भारतीय बाजार में 'मेड इन चाइना' खिलौनों की भरमार थी, लेकिन अब स्थिति बदल गई है। वित्त वर्ष 2011-2012 में भारत ने 422.79 मिलियन डॉलर के खिलौने आयात किए थे, जबकि निर्यात उससे आधे से भी कम था। आज भारतीय खिलौने 100 से ज्यादा देशों में पहुंच रहे हैं, जिनमें अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, नीदरलैंड्स, डेनमार्क और यहां तक कि चीन भी शामिल है। सरकार का मानना है कि अगला कदम ऑनलाइन माध्यमों का प्रभावी इस्तेमाल करके अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों तक पहुंच बढ़ाना है। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि बढ़ते निर्यात, मजबूत उत्पादन इकोसिस्टम और आयात पर निर्भरता कम होने से भारतीय खिलौना उद्योग की सफलता साफ दिखती है।

मुकेश अंबानी नहीं रतन टाटा की कंपनी ने किया कमाल, इतनी बढ़ गई दौलत

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। बीता सप्ताह शेयर बाजार में पैसे लगाने वालों के लिए उथल-पुथल भरा साबित हुआ. वहीं, एक दिन बाजार बंद होने से लोगों की कमाई पर भी असर हुआ. बीते हफ्ते 4 दिन कारोबारी दिनों में टॉप-10 कंपनियों में से सात का बाजार पूंजीकरण संयुक्त रूप से 1,40,863.66 करोड़ रुपये बढ़ा. इसके अलावा बीएसई सेंसेक्स में एक प्रतिशत की तेजी के साथ कंपनियों का बाजार मूल्यांकन बढ़ा है. शुक्रवार को उछाल के साथ बीएसई संसेक्स पिछले सप्ताह 730.93 अंक यानी 0.91 प्रतिशत मजबूत हुआ. इससे भी ज्यादा ख़ुशी की बात रतन टाटा के लिए है. बीते हफ्ते में टाटा ग्रुप की आईटी कंपनी टीसीएस के निवेशकों ने तगड़ी कमाई की. बेहतर कारोबारी उम्मीद के साथ टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और इन्फोसिस सबसे लाभ में रहीं. पिछले सप्ताह अवकाश के कारण कारोबारी दिवस कम था. बावजूद इसके रतन टाटा कि टीसीएस ने 1.4 लाख करोड़ की कमाई कर डाली है.

टीसीएस ने कर डाली 1.4 लाख करोड़ की कमाई

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 67,477.33 करोड़ रुपये बढ़कर 15,97,946.44 करोड़ रुपये हो गया. वहीं इन्फोसिस का मूल्यांकन 36,746.21 करोड़ रुपये बढ़कर 7,72,023.49 करोड़ रुपये पर पहुंच गया. इसी तरह भारती एयरटेल का एमकैप 11,727.55 करोड़ रुपये बढ़कर 8,45,123.87 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 10,913.96 करोड़ रुपये बढ़कर 8,36,115.19 करोड़ रुपये हो गया. आईटीसी का मूल्यांकन 8,569.73 करोड़ रुपये बढ़कर 6,28,399.10 करोड़ रुपये और रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 5,311.4 करोड़ रुपये बढ़कर 20,00,076.41 करोड़ रुपये हो गया.हिंदुस्तान यूनिलीवर का एमकैप 117.48 करोड़ रुपये बढ़कर 6,45,926.13 करोड़ रुपये रहा.

एलआईसी को हुआ नुकसान

हालांकि, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसीआई) का बाजार पूंजीकरण 47,943.48 करोड़ रुपये घटकर 6,69,058.26 करोड़ रुपये पर रहा.एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 13,064 करोड़ रुपये घटकर 12,43,441.53 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का मूल्यांकन 10,486.42 करोड़ रुपये घटकर 7,25,080.10 करोड़ रुपये रहा।

आधे अगस्त में ही एफपीआई ने बेच डाले 21 हजार करोड़ के शेयर,भारतीय बाजार से विदेशी निवेशक नाराज क्यों

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) एक बार फिर से बिकवाली की राह पकड़ चुके हैं. इस महीने की शुरुआत से हो रही बिकवाली लगातार तेज होती जा रही है. इस महीने में तो एफपीआई ने अभी ही भारतीय शेयरों की बिक्री का आंकड़ा 21 हजार करोड़ रुपये के पार कर दिया है.

बिकवाली और बढ़ने की आशंका

नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार, 16 अगस्त तक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने कुल 21,201 करोड़ रुपये के शेयरों की भारतीय बाजार में बिकवाली की. अभी अगस्त महीने में पूरे दो सप्ताह बचे हुए हैं. अगर एफपीआई की बिकवाली की यही रफ्तार अंत तक बनी रही तो अगस्त के समाप्त होते-होते आंकड़ा काफी बढ़ सकता है.

अगस्त महीने में अब तक की गई बिकवाली के चलते पूरे साल का आंकड़ा भी निगेटिव में जाने का खतरा मंडराने लगा है. आधे अगस्त तक हुई बिकवाली के बाद एफपीआई पूरे 2024 के हिसाब से अब सिर्फ 14,365 करोड़ रुपये के इन्वेस्टर बचे हुए हैं. इससे पहले जुलाई महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 32,365 करोड़ रुपये के भारतीय शेयरों की खरीदारी की थी. वहीं जून महीने में एफपीआई ने 25,565 करोड़ रुपये के भारतीय शेयरों की खरीदारी की थी. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक लंबी बिकवाली के बाद जून के मध्य में भारतीय शेयरों की लिवाली करने की शुरुआत की थी. करीब डेढ़ महीने की लिवाली के बाद अभी वे फिर से बिकवाल हो गए हैं.एफपीआई ने इस वित्त वर्ष की शुरुआत ही बिकवाली के साथ की थी. उन्होंने वित्त वर्ष के पहले महीने अप्रैल में 8,671 करोड़ रुपये की और उसके बाद मई महीने में 25,586 करोड़ रुपये के भारतीय शेयरों की बिकवाली की थी. साल के पहले महीने जनवरी 2024 में भी एफपीआई 25,744 करोड़ रुपये के बिकवाल रहे थे. हालांकि उसके बाद एफपीआई के द्वारा फरवरी में 1,539 करोड़ रुपये और मार्च में 35,098 करोड़ रुपये की लिवाली की गई थी. एफपीआई अगस्त महीने में प्राइमरी मार्केट में खरीदारी कर रहे हैं, लेकिन एक्सचेंज के जरिए भारी बिकवाली कर रहे हैं। विदेशी निवेशक आईपीओ और अन्य इश्यू में तो अभी भी पैसे लगा रहे हैं, लेकिन उससे कहीं ज्यादा पैसे पहले खरीदे जा चुके शेयरों को बेचकर निकाल ले रहे हैं. एफपीआई की निकासी का सबसे बड़ा कारण आर्थिक मंदी की बढ़ी आशंका है. आने वाले दिनों में यूएस फेड के रुख से एफपीआई के फ्लो पर असर पड़ सकता है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	सिंह	मे	सिंह-	05-57 बजे
चंद्र-	मकर	मे	कन्या-	08-04 बजे
मंगल	वृष	मे	तुला-	10-08 बजे
बुध-	सिंह	मे	वृश्चिक-	12-18 बजे
गुरु-	वृष	मे	धनु-	14-32 बजे
शुक्र-	सिंह	मे	मकर...	16-40 बजे
शनि-	कुंभ.	मे	कुंभ-	18-28 बजे
राहु-	मीन	मे	मीन-	20-08 बजे
केतु-	कन्या	मे	मेष--	21-44 बजे
			वृष..	23-37 बजे
			मिथुन..	01-28 बजे
			कर्क..	04-28 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत्- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-03 सूर्यास्त. - 18-35
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- पूर्णिमा 23-55 तक उपरान्त प्रतिपदा
मास - श्रावण शुक्ल , सोमवार 19 August
नक्षत्र - श्रवण 08-10 तक उपरान्त धनिष्ठा
योग - शोभन 00-46 तक उप अतिगण्ड
करण- विष्टी 13-32 तक उप बव
विशेष:- पूर्णिमा व्रत,कोकिला पूर्णता
व्रत -त्योहार - रक्षाबंधन,भद्रा 13-32 तक

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:36 से 09:10 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
अमृत	06:03 - 07:36 शुभ	चंचल	18:35 - 20:03 शुभ
काल	07:36 - 09:10 अशुभ	रोग	20:03 - 21:29 अशुभ
शुभ.	09:10 - 10:45 शुभ	काल	21:29 - 22:54 अशुभ
रोग	10:45 - 12:20 अशुभ	लाभ	22:54 - 00:20 शुभ
उत्पात	12:20 - 13:54 अशुभ	उत्पात	00:20 - 01 :45 अशुभ
चंचल	13:54 - 15:29 शुभ	शुभ	01:45 - 03:10 शुभ
लाभ	15:29 - 17:03 शुभ	अमृत	03:10 - 04:36 शुभ
अमृत.	17:03 - 18:35 शुभ	चंचल.	04:36 - 06:03 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आज के दिन आपका जोर निवेश और धन पर रहेगा । अपने आप पर नियंत्रण रखे ! आज के दिन सम्पति के बारे में खोज खबर कर सकते है पर किसी भी तरह के धन वृद्धि उद्यम में न फंसे । वेतन वृद्धि के लिए अपने वरिष्ठ अधिकारीयों पर दबाव न डाले । इसके लिए अभी सही समय नहीं है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आज सितारे उन लोगों के पक्ष में है जो की अचल संपत्ति में या निर्माण व्यवसाय में हैं । यह संपत्ति खरीदने के लिए एक अच्छा समय है। आज एक लघु एवं अच्छे सौदे का अवसर आपको घर की खरीद में मिल सकता है । इस क्षेत्र में किया गया निवेश अब आपको फल देगा । अच्छे परिणाम के लिए आप आज अचल संपत्ति में निवेश शुरू कर सकते हैं।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

इस बात के काफी मजबूती से संकेत मिल रहे है की आप को अपनी नौकरी की वजह से विदेश जाना पड़ सकता है । जिन विद्यार्थियों ने वीसा के लिए आवेदन किया हुआ है उनका काम आज पूर्ण होने के आसार बन रहे है । आपका कार्य स्थान का परिवर्तन ऐसी जगह हो सकता है जिससे आप अनजान हो ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

कुछ समय से आपके व्यय बढ रहे थे पर आज से आप इन सब में एक खुशनुमा बदलाव देखेंगे । आखिरकार आपका भाग्य आपका साथ देगा और आपके खर्चे काफी हद तक नियंत्रण में आयेंगे और माहौल बदलता हुआ सा नजर आएगा जिससे आपकी आमदनी बढेगी पर आपको अत्यधिक सावधानी से आगे बढ़ना है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

बड़े रोजगार के अवसर आप का इंतजार कर रहे हैं! ध्यान से इस बारे में सोचे और आपके पूर्ण संतुष्ट होने पर अपने करियर की दिशा परिवर्तित करे । आपका सहकर्मी नौकरी को त्याग सकता है और उसकी जगह आप किसी जरूरतमंद को अपने यहाँ काम पर लगवा सकते है । हालाँकि आप अवगत नहीं है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

जो लोग सेवा क्षेत्र में हैं , वे अपनी आय में बढ़ोतरी की उम्मीद कर सकते हैं हालाँकि अगर ऐसा नहीं होता है , तो आप खुलकर अपने विचारो को आवाज दे और ये सुनिश्चित रखे की इसे सुना जायेगा । काम का बोझ जो दिन के मध्य में ऊँचा रहेगा परन्तु उम्मीद है कि दिन के अंत तक वह कम होगा ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज आपका भाग्य सट्टा उद्यम एवं उससे जुडी चीज़ो में आपका साथ देगा । अगर आप किसी दुविधा में हैं तो आज का दिन आपको तर्कशक्ति प्रदान करेगा जिससे आप उचित निर्णय ले पाओगे । ये निर्णय आपकी वित्तीय जरुरतो पर भी आगे जाकर अछा प्रभाव डालेगा । आज का दिन भूमि निवेश के लिए भी फायदेमंद रहेगा ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आपके सभी प्रयासों को एक के बाद एक सफलता मिलने के कारण आप को ऐसा लगेगा की आप अजेय हैं । आपको अपने भाग्य के इस लाभ का पूरा फायदा उठाना चाहिए । यह उन सभी परियोजनाओं से निपटने के लिए सबसे अच्छा समय है जिससे आपको निराशा हाथ लग रही थी ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

पिछले कुछ दिनों से अलग अलग दिशाओं में आपका मन भाग रहा है और निर्णायक निर्णय लेने में आप असमर्थ रहे है। बहरहाल, आज आपको दृष्टि की एक दुर्लभ स्पष्टता का अनुभव होगा और आप अपने कार्यस्थल पर मुद्दों के बारे में स्पष्ट और उचित निर्णय लेने में सक्षम होंगे । आपको किसी से अच्छी करियर सलाह मिलने की भी संभावना है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज आप अपनी नौकरी से संबंधित अच्छी खबर प्राप्त कर सकते है । यह एक पदोन्नति , वेतन वृद्धि , एक नई जिम्मेदारी , एक नया इच्छित स्थान , एक अलग कंपनी से नौकरी या प्रस्ताव का परिवर्तन हो सकता है। आप कम समय में अपने आप को तैयार रखे। । यह टेलीफोन पर या सन्देश के माध्यम से भी किया जा सकता है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

ये समय अपनी प्रतिभा पर ध्यान केंद्रित करने और अपनी कमजोरियों के बारे में चिंता न करने का है । यह आप के लिए जीत का युग है! आप अपनी रणनीति के साथ दृढ़ हैं और अपने शब्दों के साथ अत्यंत सटीक रहेंगे । आपको पैतृक संपत्ति से या अपने अतीत के निवेश से कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आज आप एक साथ कई परियोजनाओं के बोझ तले दबा हुआ सा महसूस कर सकते हैं। आप अपने कार्य को कुछ देर से शुरू कर पायेंगे क्यों की काम के बोझ से आप अपने को थका हुआ महसूस करेंगे । आप एक के बाद एक काम के कारण अपने आपको एक दुष्चक्र में फंसा हुआ महसूस करेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

भूपेश बोले- हमारे नेताओं को फंसाने की साजिश

सीएम ने कहा- देवेंद्र छोटा-मोटा आदमी नहीं है

रायपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में विधायक की गिरफ्तारी के बाद सियासत गरमा गई है। बलौदाबाजार हिंसा मामले में भिलाई के कांग्रेस विधायक देवेन्द्र यादव को रायपुर के सेंट्रल जेल भेजा गया है। मामले में गिरफ्तार विधायक देवेंद्र यादव को तीन दिन के लिए न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने विधायक के निवास से गिरफ्तार कर बलौदाबाजार कोर्ट में पेश किया, जिसके बाद रायपुर के सेंट्रल जेल में भेजा गया है।

कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव की गिरफ्तारी के बाद सियासी हलचल तेज हो गई। कांग्रेस-बीजेपी एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बयान दिया कि कांग्रेस नेताओं को फंसाने की साजिश हो रही है। वहीं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पलटवार करते

हुए कहा कि यह कोई राजनीतिक षड्यंत्र नहीं है। पुलिस ने सोच-समझ के कार्रवाई की है। विधायक देवेंद्र यादव छोटा-मोटा आदमी नहीं है।

जेल के बाहर समर्थकों ने जमकर कि नारेबाजी

विधायक को देर रात रायपुर सेंट्रल जेल में दाखिल कराया गया। इस दौरान उसके समर्थकों की भारी भीड़ केंद्रीय जेल परिसर के बाहर जमा हो गई। विधायक देवेंद्र यादव के जेल में दाखिल होने से पहले समर्थकों ने जमकर नारेबाजी की। इस दौरान समर्थकों ने पुलिस के साथ भीड़ गए, बहस हुई, जिसके वजह से पुलिस को बड़ी संख्या में बल तैनात करना पड़ा। वहीं विधायक ने संविधान की किताब दिखाई।

हम लड़ेंगे और जीतेंगे- विधायक देवेंद्र यादव

बात दें कि इससे पहले भिलाई में गिरफ्तारी के दौरान भी विधायक के समर्थकों ने जमकर नारेबाजी की। पुलिस से बहस हुई। गिरफ्तारी से पहले विधायक देवेंद्र यादव कार के ऊपर चढ़ गए। सीना ठोककर कहते हुए नजर आये कि हम लड़ेंगे और जीतेंगे। इतना ही नहीं उन्होंने एक हाथ में सतनाम का झंडा लहराया, तो दूसरी हाथ में संविधान की किताब दिखाई।

जानें क्या है पूरा मामला

बीते दस जून को सतनामी समाज ने प्रदर्शन किया था। इस दौरान बलौदाबाजार जिले के कलक्ट्रेट परिसर में आग लग गई और कलेक्टर और एसपी कार्यालय में रखे कई दस्तावेज जलकर खाक हो गए थे। इतना ही नहीं दो पहिया- चार पहिया वाहनों को भी आग के हवाले किया गया था। सतनामी समाज के इस प्रदर्शन में भिलाई कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव भी शामिल हुए थे। भाजपा सरकार ने विधायक देवेंद्र यादव पर हिंसा को भड़काने का आरोप लगाया था, जिसके बाद बलौदाबाजार पुलिस ने उन्हें नोटिस जारी कर थाना में पूछताछ के लिए बुलाया गया था। दो-तीन बार नोटिस जारी होने के बाद पुलिस ने सीधा विधायक के भिलाई स्थित निवास पहुंचे और उन्हें गिरफ्तार किया है।

जेल में बंद भाइयों की कलाइयां नहीं होगी सुनी

सभी जेलों में मनाया जाएगा रक्षा बंधन, बहनें बांधेंगी राखी

रायपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। सलाखों के पीछे कैद भाइयों की कलाइयां सुनी नहीं होगी। बहने जेल में ही अपने भाइयों को राखी बांध सकती हैं। पिछले साल की तरह इस साल भी सलाखों के पीछे कैद भाई अपने बहनों के साथ धूमधाम से रक्षा बंधन का त्यौहार मना सकेंगे। रायपुर केंद्रीय जेल समेत छत्तीसगढ़ के सभी जेलों में रक्षा बंधन का त्यौहार धूमधाम से मनाया जाएगा। इसके लिए नियम भी लागू किया गया है। साथ ही सुरक्षा के भी कड़ी इंतजाम किया गया है।

दरअसल, रक्षा बंधन के पर्व पर जेलों में भारी भीड़ होने की वजह से नियमों का उल्लंघन होता है। जेल में लगी भीड़ को नियंत्रित करने में जेल प्रशासन के पसीने छूट जाते हैं।

ऐसे में नियम भी लागू किया गया है। साथ ही सुरक्षा के भी

कड़ी इंतजाम किया गया है। त्यौहार को देखते हुए जेल प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी। सुरक्षा को लेकर व्यवस्थाएं भी की जा रही है।

जेल मुख्यालय ने जेल में रक्षा बंधन त्यौहार का आयोजन की अनुमति दे दी है। इसके बाद से तैयारियां शुरू हो गई है। कैदियों को राखी बांधने के लिए आने वाली उनकी बहनों और स्वजनों की संख्या, आयोजन पर होने वाले व्यय, सुरक्षा की व्यवस्था को ध्यान में रखा गया है। अपने भाइयों के लिए बहनों को 100 ग्राम सूखी मिठाई और राखी लाने की अनुमति है।

सूखी मिठाई और राखी की जांच के बाद ही बहनों को जेल अंदर जाने की अनुमति है, बिना जांच के अंदर नहीं जा सकते। इसके साथ ही जेल के भीतर बंदी के परिवार के तीन लोगों को ही मिलने की अनुमति होगी।

भाजपा नेता के सुरक्षाकर्मी ने घर में घुसकर गोली मारने का किया प्रयास

एसपी ने आरोपी को किया निलंबित

बीजापुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)।जापुर जिले के भोपालपटनम निवासी भाजपा के महामंत्री बिलाल खान की सुरक्षा में तैनात उनके सुरक्षाकर्मी ने उनकी जान लेने की कोशिश की है। मामला सामने आने के बाद सुरक्षाकर्मी को निलंबित कर दिया गया है।

बीजापुर भाजपा के जिला महामंत्री भोपालपटनम निवासी बिलाल खान की जान बाल-बाल बच गई।

जब उनके ही सुरक्षाकर्मी ने उनसे बदसुलूकी करते हुए अपनी रायफल कॉक कर ली और घर के अंदर घुस कर गोली मारने की कोशिश करने लगा। जिसके बाद दूसरे सुरक्षाकर्मी ने किसी तरह घर का दरवाजा को बंद कर जवान से हथियार छीन कर भाजपा नेता की जान बचाई।

जवान द्वारा रायफल कॉक करते एक वीडियो को सामने आया है। बता दें कि भाजपा महामंत्री बिलाल खान बिलाल खान की सुरक्षा के लिए दो जवान दिए गए हैं।

उनमें से एक जवान नागेश टिंगे नशे की हालत में था और गाली-गलौच करने लगा। उसने अपनी सर्विस रायफल कॉक कर ली और बिलाल खान के घर में घुस कर गोली मारने की कोशिश करने लगा। यह देखकर दूसरे सुरक्षाकर्मी ने किसी तरह घर का दरवाजा को बंद करके उनकी जान बचाई।

जवान को किया गया निलंबित

इस घटना के सामने आने के बाद एसपी ने जवान को निलंबित कर दिया है। एसडीओपी भोपालपट्टनम मयंक रणसिंह को प्रारंभिक जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है।

रायपुर में बनेगा 'दिव्यांगजन पार्क'

राज्य सरकार ने पांच एकड़ जमीन देने की घोषणा की

रायपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)।केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार छत्तीसगढ़ दौरे पर हैं। उन्होंने रायपुर के बीटीआई मैदान में 17वें 'दिव्य कला मेला' का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने रायपुर में जमीन मिलने पर दिव्यांगजन पार्क निर्माण कराने की घोषणा की। इस पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रायपुर में इस पार्क के निर्माण के लिए पांच एकड़ जमीन उपलब्ध कराने की घोषणा की। रायपुर में 'दिव्य कला मेला' 16 से 23 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। यह सुबह 10 से रात 9 बजे तक आम जनता के लिए खुला रहेगा।

केन्द्रीय मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि दिव्य कला मेला, दिव्यांग भाई-बहनों के अद्वितीय कौशल और उद्यमशीलता का उत्कृष्ट प्रदर्शन है। दिव्यांगजनों में प्रतिभा की कमी नहीं है, जरूरत उन्हें प्रोत्साहित करने और आगे बढ़ाने की है। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव में संचालित राज्य संसाधन केंद्र (सीआरसी) के नए भवन बनने के बाद वहां दिव्यांगजनों के लिए डिप्लोमा,

स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे।

छत्तीसगढ़ के अन्य शहरों में भी 'दिव्य कला मेला' का आयोजन किया जाएगा। इनके स्थान का निर्धारण मुख्यमंत्री साय द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस मेले में लगभग 60 स्टॉल लगाए गए हैं। यहां आने वाले अन्य राज्यों के व्यंजनों का रसास्वादन कर सकेंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें दिव्यांगजन का नाम दिया। उन्होंने बताया कि दिव्यांगों की सात श्रेणियों को बढ़ाकर 21 श्रेणियां की गई है।

दिव्यांगजन के लिए शासकीय नौकरी में आरक्षण को तीन से बढ़ाकर 4 प्रतिशत किया गया है। शासकीय विद्यालयों और मान्यता प्राप्त विद्यालयों में प्रवेश के लिए आरक्षण को तीन से बढ़ाकर 5 प्रतिशत किया गया है। केंद्रीय मंत्री ने 16 से 22 अगस्त तक रायपुर में आयोजित दिव्य कला मेला को 23 अगस्त तक आयोजित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस मेले में दिव्यांगजन उद्यमियों और कलाकारों आने-जाने, ठहरने और स्टॉल उपलब्ध कराने की निःशुल्क व्यवस्था की जा रही है।

इस मौके पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि दिव्य कला मेला ने दिव्यांगजन की रचनात्मकता, कौशल, और सृजनशीलता को एक मंच प्रदान किया गया है, जिससे वे अपने उत्पादों को देश-विदेश में प्रदर्शित कर सकें। उन्होंने कहा कि दिव्य कला मेला के पिछले सफल आयोजनों ने न सिर्फ दिव्यांगजन की भागीदारी को बढ़ावा दिया है, बल्कि उनके आर्थिक और सा मा जि क सशक्तिकरण को भी सुनिश्चित किया है।

रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने केंद्रीय मंत्री वीरेन्द्र कुमार से छत्तीसगढ़ में दिव्यांगजन पार्क का निर्माण कराने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों को सहानुभूति की नहीं प्रोत्साहन की जरूरत है। उनकी प्रतिभा को सामने लाने और आगे बढ़ाने की जरूरत है। कार्यक्रम में आकांक्षा इंस्टिट्यूट के दिव्यांग विद्यार्थियों ने मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। मुख्यमंत्री ने इन विद्यार्थियों को पुरूस्कार स्वरूप 51 हजार रूपए की राशि का चेक प्रदान किया। केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री ने चार दिव्यांगजनों को मोटराईज्ड ट्रायसाइकिल तथा एक दिव्यांग को ट्रायसाइकिल तथा 11 दिव्यांग हितग्राहियों को ट्रेक्टर, ई-रिक्शा क्रय, ट्रेक्टर ट्रॉली, मेडिकल स्टोर, रेडीमेट गारमेंट, किराया दुकान, सेंट्रींग प्लेट, टेंट हाउस व्यवसाय के लिए ऋण राशि के चेक वितरित किए।

बिलासपुर में दो ठग गिरफ्तार

एक रिटायर्ड शिक्षक को दिया झांसा

पुलिस ने बनाई योजना; फंस गए दोनों ठग

बिलासपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)।बिलासपुर के साइबर थाने की टीम ने एक रिटायर्ड शिक्षक से धोखाधड़ी कर 80 लाख की ठगी करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया है। दरअसल, बीमा पॉलिसी में मुनाफा कमाने का झांसा देकर एक रिटायर्ड शिक्षक से 79 लाख 85 हजार की ठगी की थी।

साइबर थाने से मिली जानकारी के मुताबिक, मंगला बाजपाई कैसल में रहने वाले रिटायर्ड शिक्षक वीरेंद्र कुमार से 2 मई 2023 से 13 जून 2024 के बीच मैक्स लाइफ इंश्योरेंस कंपनी में जमा रकम में ब्याज मिलने और पैसा वापसी करने नाम पर सीओ मैनेजर व अन्य अधिकारी बनकर अलग-अलग तिथियां में 79 लाख 85 हजार 912 रुपए ऑनलाइन ठगी की वारदात को अंजाम दिया था।

पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी। इस दौरान टीम ने बिहार में तीन दिनों तक कैंप लगाकर स्थानीय पुलिस के सहयोग से जमुई निवासी गणेश कुमार मंडल और चिंटू बनारसी यादव को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

कड़ाई बरतने पर दोनों ने अपने अन्य साथियों के साथ रिटायर्ड शिक्षक व अन्य लोगों से ठगी करने की बात स्वीकार की है। आरोपियों द्वारा फर्जी बैंक खाता खुलवाकर उसमें एटीएम कार्ड इशू करवाया। साथ ही अलग-अलग लोगों के नाम से फर्जी सिम कार्ड खरीद कर विभिन्न बैंक खातों में पैसा जमा कराया जाता था। हालांकि, पुलिस ठगी की रकम को जब्त नहीं कर पाई है। जांच पड़ताल कर रही है।

हिमंत बिस्व सरमा का सीएम हेमंत सोरेन पर हमला

तुष्टिकरण की राजनीति कर रही झारखंड सरकार

रांची, 18 अगस्त (एजेंसियां)।असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी की हत्या के मामले में झारखंड सरकार तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। पुलिसकर्मी की मां से मुलाकात करने के बाद सरमा बोले कि झारखंड सरकार का कोई भी नेता आदिवासी पीड़ित परिवार से मिलने के लिए नहीं पहुंचा है। साथ ही फरार कैदी को भी अब तक नहीं पकड़ा जा सका है।

उम्रकैद की सजा काट रहे कैदी शाहिद अंसारी ने हजारीबाग जिले के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में इलाज के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी चौहान हेम्ब्रम की रॉड मारकर और गला घोंटकर हत्या कर दी थी। कैदी

अस्पताल से फरार हो गया था। मामले में झारखंड में भाजपा के चुनाव सह-प्रभारी हिमंत बिस्व सरमा पुलिस कर्मी चौहान हेम्ब्रम के परिजनों से मिलने गिरिडीह जिले के बेंगाबाद पहुंचे।

उन्होंने कहा कि घटना के बारे में जानकारी मिलने के बाद मैनें झारखंड भाजपा प्रमुख बाबूलाल मरांडी के साथ परिवार से मिलने का फैसला किया। यहां मुझे बताया गया कि पुलिस हेम्ब्रम के परिवार के सदस्यों को सु ब ह - सु ब ह अपने साथ ले गई है। उनके ससुराल वालों को भी पुलिस ले गई। सरकार ने तुष्टिकरण की राजनीति की सभी सीमाएं पार कर दी हैं। सरमा बोले कि उन्हें बताया गया है कि पुलिस कुछ कागजी कार्रवाई के लिए हेम्ब्रम के परिवार के सदस्यों को हज़ारीबाग ले गई। अगर यह पीड़ित के फायदे के लिए किया जाता है तो यह अच्छा है।

असम के सीएम ने कहा कि जब वे गांव पहुंचे तो हेम्ब्रम की मां उनसे मिलने आईं। मैनें परिवार को आश्वासन दिया कि भाजपा उनकी हर तरह से मदद करने की कोशिश करेगी। सरमा ने हेमंत सोरेन से आरोपी की गिरफ्तारी करने की मांग की। साथ ही हेम्ब्रम के परिजन को नौकरी देने के लिए कहा।

वहीं हेम्ब्रम की पत्नी जोमोती देवी, पुत्र महेश हेम्ब्रम और बेटी स्वाति हेम्ब्रम ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। इस दौरान सीएम ने उन्हें अनुकंपा के आधार पर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का आश्वासन दिया। इसके अलावा राज्य सरकार ने 1.29 करोड़ रुपये का अनुदान भी देने की घोषणा की।

क्या झारखंड में चिराग की टूट जाएगी एनडीए से दोस्ती?

28 सीटों पर चुनाव लड़ने का एलान, पारस भी लगा रहे जोर

रांची, 18 अगस्त (एजेंसियां)। लोक जनशक्ति पार्टी में भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ओबीसी मोर्चा सह चतरा जिला प्रभारी रामकिशोर सावंत समेत 500 लोगों ने लोजपा का दामन थाम लिया।

इस अवसर पर हजारीबाग स्थानीय नगर भवन टाउन हाल में लोक जनशक्ति पार्टी का मिलन समारोह का आयोजन भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्य समिति सदस्य ओबीसी मोर्चा सह चतरा जिला प्रभारी रामकिशोर सावंत के द्वारा की गई। जिसमें हजारों की संख्या मे समर्थक पहुंचे।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए लोजपा के प्रदेश अध्यक्ष विरेंद्र प्रधान ने कहा कि

पार्टी इस विधानसभा चुनाव में 28 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

वहीं, रामकिशोर सावंत ने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय रामविलास पासवान जेपी आंदोलन के एक सच्चे सिपाही थे और भ्रष्टाचार के खिलाफ उन्होंने इंदिरा गांधी के समय में जेपी आंदोलन में शामिल होकर सत्ता परिवर्तन करने का काम किया था।

इसी नक्शे कदम पर उनके पुत्र राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान चल रहे हैं। ईमानदार छवि के नेता हैं, जिससे प्रभावित होकर हम भाजपा छोड़कर लोग जनशक्ति पार्टी में सम्मिलित हुए हैं।

वहीं, पशुपति कुमार पारस की पार्टी राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के झारखंड में प्रदेश अध्यक्ष राज कुमार राज ने आगामी झारखंड में होने वाले विधान सभा चुनाव के लिए जिला वार प्रभारी नियुक्त किया है।

इसमें रामगढ़ जिला के सिरका बुधबाजार निवासी राज कुमार रवानी को लोक जनशक्ति पार्टी के रामगढ़ विधान सभा चुनाव प्रभारी बनाया गया है।

मौके पर उन्होंने कहा कि रामगढ़ विधान सभा सहित झारखंड राज्य के सभी विधान सभा सीट पर चुनाव में एनडीए प्रत्याशी को जिताने के लिए कृत संकल्प रहेंगे। कोयलांचल के दर्जनों लोक जनशक्ति पार्टी के कार्यकर्ताओं ने लोक जनशक्ति पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राज कुमार राज को इसके लिए बधाई दी है।

मैंने पूरी कोशिश की थी, अध्यक्ष पद से हटने के बाद क्या बोल गये राजेश ठाकुर?

रांची, 18 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने प्रदेश अध्यक्ष बदल दिया है. राजेश ठाकुर को हटाकर अब केशव महतो कमलेश को अब प्रदेश पार्टी की कमान सौंपी गयी है. अध्यक्ष बदलने से पहले केंद्रीय नेतृत्व ने पार्टी के कई बड़े नेताओं से वन टू वन बातचीत की थी जिसके बाद ये निर्णय लिया गया. प्रदेश अध्यक्ष पद से हटने के बाद राजेश ठाकुर का बयान सामने आ गया है. उन्होंने पत्रकारों से बातचीत पर अपने कामकाज पर संतुष्टि जतायी और कहा कि मैंने पूरी कोशिश की थी कि मैं पार्टी संगठन को मजबूत करूं.

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा है कि कामकाज का आकलन करना पार्टी आलाकमान का होता है, लेकिन मैंने हमेशा पार्टी और गठबंधन को अपने स्तर से मजबूत करने की पुरजोर कोशिश की. अंतिम व्यक्ति तक पार्टी के मूल्यों को समझाने की कोशिश की. मैंने कुछ त्वरित निर्णय भी लिये जो पार्टी के लिए आवश्यक थे. जिसका परिणाम ये है कि एक जमीनी कार्यकर्ता केशव महतो कमलेश कांग्रेस अध्यक्ष बने हैं. केशव को अध्यक्ष बनाये जाने को लेकर राजनीतिक जानकारों का कहना है कि कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व का मकसद कुड़मी वोटरों को गोलबंद करना है

झारखंड में अगले 5 दिनों के लिए ऑरेंज और येलो अलर्ट

रांची,18 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड में अगले चार दिनों तक जमकर बारिश होने वाली है। मौसम विभाग ने रविवार को यह जानकारी दी। कोल्हान के तीन और राज्य के दक्षिणी भाग के छह जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। रांची समेत नौ जिलों में भी भारी बारिश का यलो अलर्ट है। मौसम विभाग का कहना है कि बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल के पास एक कम दबाव का क्षेत्र बना है। रांची स्थित भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के प्रभारी निदेशक अभिषेक आनंद ने बताया कि पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के मध्य एक व्यापक निम्न क्षेत्र बना है। यह अगले दो दिनों के दौरान झारखंड से होकर गुजरेगा। इस सिस्टम के कारण राज्य में अगले चार दिनों तक मानसून की सक्रियता बढ़ेगी और बारिश होगी। पिछले 24 घंटे के दौरान रांची में बारिश नहीं हुई, लेकिन राज्य के कई हिस्सों में बारिश हुई।

रैयतों को नहीं मिल रहा जमीन का पैसा

जिलों में पड़े हैं 2200 करोड़

रांची , 18 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड में सड़क निर्माण के लिए भू-अर्जन की समस्या बढ़ती जा रही है. भू-अर्जन के लिए पैसे होने के बाद भी जमीन लेना मुश्किल हो रहा है. ऐसी स्थिति रैयतों को जमीन के एवज में मुआवजा का भुगतान नहीं होने की वजह से हो रही है. जमीन नहीं मिलने का असर पथ विभाग की सड़क परियोजनाओं पर पड़ रहा है. फिलहाल राज्य भर में रैयतों के मुआवजे की करीब 2200 करोड़ की राशि पड़ी हुई है. यह राशि पथ निर्माण विभाग ने जिला भू-अर्जन कार्यालयों को दी थी.

मौजूदा आंकड़ा के मुताबिक करीब 2920 करोड़ रुपये भू-अर्जन कार्यालयों को दी गयी थी. इसमें से अब तक मात्र करीब 720 करोड़ रुपये का ही वितरण रैयतों के बीच किया गया है. इस तरह करीब 2200 करोड़ रुपये रैयतों को नहीं दिये गये हैं. पैसा नहीं मिलने के कारण रैयत जमीन देना नहीं चाह रहे हैं. कई जिलों में रैयत सड़क निर्माण योजना का विरोध कर रहे हैं. वे पहले मुआवजा मांग रहे हैं. तभी काम करने देने की बात कह रहे हैं. आंकड़ों के मुताबिक, रांची जिले में सबसे अधिक करीब 768 करोड़ रुपये का मुआवजा बाकी है. विभाग ने रांची जिले के रांची पथ प्रमंडल को करीब 777 करोड़ व रांची ग्रामीण को करीब 20 करोड़ रुपये सड़क योजनाओं की जमीन लेने के लिए दिया था.

70 लाख लोग भुखमरी के कगार पर पहुंचे, मदद के लिए लगा रहे गुहार

हरारे, 18 अगस्त (एजेंसियां)। दक्षिणी अफ्रीकी विकास समुदाय (एसएडीसी) ने जिम्बाब्वे की राजधानी हरारे में कहा कि साउथ अफ्रीका में लगभग 68 मिलियन (6 करोड़ 80 लाख) लोग अल नीनो सूखे के प्रभाव से पीड़ित हैं। 16 देशों के दक्षिणी अफ्रीकी विकास समुदाय (एसएडीसी) के राष्ट्राध्यक्षों ने फूड सिक्योरिटी सहित कई अन्य क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए जिम्बाब्वे की राजधानी हरारे में बैठक की। 2024 की शुरुआत से ही ये देश सूखे की चपेट में हैं, जिससे दक्षिणी अफ्रीका के देशों में खाने की भी कमी हो गई है। बैठक में एसएडीसी के कार्यकारी सचिव एलियास मैगोसी ने कहा कि लगभग 68 मिलियन लोगों के 17 प्रतिशत आबादी वाले इलाकों में सहायता की आवश्यकता है। इस साल इन इलाकों के ज्यादातर हिस्सों में बारिश देर से शुरू हुई, इसी कारण इन देशों को सूखे का सामना कर पड़ रहा है। अल नीनो प्रभाव एक विशेष मौसम संबंधी स्थिति है, जो मध्य और पूर्वी प्रशांत सागर में समुद्र का तापमान सामान्य से ज्यादा होने पर होती है। इसकी वजह से तापमान काफी गर्म हो जाता है, जिसके कारण पश्चिमी प्रशांत सागर के इलाके का पानी भूमध्य रेखा के साथ पूर्व की ओर बढ़ने लगता है। ऐसी स्थिति में भयानक गर्मी पड़ती है और सूखे के हालात बनते हैं। यह स्थिति आमतौर पर 9 से 12 महीनों तक बनी रहती है। इस प्राकृतिक संकट के बीच सूखाग्रस्त देश लोगों से आर्थिक मदद की अपील कर रहे हैं। अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ लौरेंको ने कहा कि मई में ही सूखे से निपटने के लिए 5.5 अरब डॉलर की मानवीय सहायता की थी, लेकिन लोग मदद नहीं कर रहे हैं। उन्होंने शिखर सम्मेलन में कहा, 'दुर्भाग्य से अब जितने पैसे मिले हैं वो अनुमानित मात्रा से बहुत कम हैं और मैं क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय साझेदारों से अल नीनो से प्रभावित हमारे लोगों की मदद के लिए अपने प्रयासों को दोगुना करने की अपील दोहराना चाहता हूं।

अमेरिका में फिर लौटा कोरोना, मच गई दहशत

अस्पताल में 4 गुना अधिक मरीज हो रहे भर्ती

वॉशिंगटन, 18 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका में एक बार फिर कोरोना महामारी ने रफ्तार पकड़ ली है। पिछले दो सालों में देश के अंदर सबसे अधिक कोरोना मरीजों की पहचान हुई है। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के वेस्टवाटर डैशबोर्ड ने इसकी पुष्टि की है। सीडीसी ने बताया कि अमेरिका में इस समय कोरोना महामारी की बड़ी लहर चल रही है। इसका खुलासा लोगों के घरों से निकलने वाले सीवेज के पानी से हुआ है। सीवेज के पानी में पिछले दो साल की तुलना में सबसे अधिक वायरल एक्टिविटी देखी गई है। सीडीसी ने बताया कि 10 अगस्त को लिए गए सैंपल में वायरल एक्टिविटी 8.82 पर पहुंच गई है जो जुलाई 2022 में 9.56 से थोड़ा ही कम है। मौजूदा समय में कोरोना के स्तर का पता लगाने के लिए अमेरिका में सीवेज का पानी एकमात्र तरीका है। सीडीसी ने कहा कि कोविड का स्तर और भी बढ़ सकता है। मई महीने में कोविड़ बढ़ने के दौरान अमेरिका के अंदर वायरल एक्टिविटी 1.36 थी। सीडीसी के डिप्टी डायरेक्टर डॉ जोनाथन योडर ने एक ईमेल में बताया कि, 'मौजूदा समय में कोविड-19 अपशिष्ट जल वायरल एक्टिविटी का स्तर देश स्तर पर बहुत अधिक है, इसमें पश्चिमी अमेरिकी क्षेत्र सबसे आगे है।' उन्होंने बताया कि बीते सालों की तुलना में इस बार कोरोना की लहर पहले आ रही है, जबकि बीते वर्षों में यह एक्टिविटी अगस्त के अंत या सितंबर में बढ़ती थी।

अमेरिका में चार गुना बढ़ा कोरोना

सीडीसी ने बताया कि कोरोना से संक्रमित मरीजों और मरने के दर में भी लगातार वृद्धि हो रही है। फिलहाल, अभी तक यह चिंताजनक स्तर पर नहीं पहुंचा है। सीडीसी के मुताबिक, एक लाख की आबादी में जुलाई महीने तक 4 कोरोना संक्रमित मरीज अस्पताल में भर्ती हो रहे थे। जबकि मई महीने में एक लाख की आबादी में सिर्फ एक मरीज अस्पताल में भर्ती होता था, यह आंकड़ा जुलाई तक चार गुना बढ़ गया है। दूसरी तरफ एक बड़ी आबादी ऐसी है, जो घर पर रहकर कोरोना का इलाज कर रही है।

अमेरिका के वैज्ञानिक चिंतित

अमेरिका में कोरोना मरीजों की निगरानी रखने के लिए अब स्वास्थ्य विभाग पहले की तरह जांच नहीं करता है। अमेरिका में अब दैनिक जांच की जगह सीवेज के पानी से कोरोना का पता लगाया जाता है। जांच में पता चला है कि अमेरिका में कोरोना के तीन वेरिएंट एक्टिव हैं। कोरोना के बदलते रूप की की वजह से लोगों के अंदर एंटी बॉडी नहीं बन पा रही है, जो चिंता का विषय है। इसपर अमेरिका के वैज्ञानिकों ने भी चिंता जाहिर की है।

कैलिफोर्निया के ऑकलैंड में चली ताबड़तोड़ गोलियां

घटना में 2 लोगों की मौत

ओकलैंड, 18 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका का ओकलैंड शहर शनिवार की सुबह ताबड़तोड़ गोलियों की आवाज से थर्रा उठा। अचानक हुई गोलीबारी की इस दिल दहला देने वाली घटना में दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गोलीबारी से पूरे इलाके के लोग दहशत में आ गए। गोलीबारी की सूचना पर जब तक पुलिस मौके पर पहुंची, उससे पहले ही हमलावर घटनास्थल से भाग निकला। सैन फ्रांसिस्को बे एरिया पुलिस ने यह जानकारी दी। ओकलैंड पुलिस विभाग ने एक बयान में बताया कि अधिकारियों को पूर्वी ओकलैंड के आवासीय क्षेत्र में 83वें एवेन्यू के 1600 ब्लॉक में हुई इस घटना की सूचना सुबह करीब नौ बजे मिली। इसके बाद पुलिस तत्काल घटनास्थल की ओर रवाना हो गई, जहां दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दो अन्य लोग घायल पड़े थे। पुलिस ने बिना देरी किए दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद मौके पर कई लोगों के बीच बहस हो रही थी।

बहस में चली गोली

पुलिस के अनुसार प्रत्यक्षदर्शियों ने जानकारी दी कि बहस के दौरान ही एक व्यक्ति ने अपनी बंदूक निकाल ली। इसके बाद उसने गुस्से में गोलीबारी कर दी। गोली कई लोगों को लगी। इस घटना में 2 लोग मौके पर ही मारे गए। जबकि अन्य लोग घायल हुए। इतने में हमलावर एक वाहन से मौके से फरार हो गया। ओकलैंड 4,00,000 की आबादी वाला शहर है, जो अपराध और जन सुरक्षा की समस्या से जूझ रहा है।

एयर इंडिया की केबिन क्रू पर हमला

लंदन के होटल में कमरे के अंदर घुसकर अपराधी ने की वारदात

लंदन, 18 अगस्त (एजेंसियां)। एयर इंडिया की एक केबिन क्रू सदस्य पर लंदन में कथित तौर पर हमला किया गया। कुछ रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि केबिन क्रू के साथ दुष्कर्म हुआ है। हालांकि, इस मामले में लंदन पुलिस की जांच जारी है और एयरलाइन की तरफ से भी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। घटना लंदन में एक नामी होटल चेन के कमरे में हुई। एयर इंडिया ने इस घटना की पुष्टि की है। खबरें हैं कि कर्मचारी पर शारीरिक हमला किया गया। देर रात एयर इंडिया ने लंदन के एक होटल में हुई अवैध घुसपैठ की घटना पर एक बयान जारी किया। एयरलाइन ने कहा कि वह न केवल तत्काल सहायता प्रदान कर रही है, बल्कि पीड़ित महिला और उसके सहकर्मियों को इस दर्दनाक घटना से उबरने में मदद करने के लिए पेशेवर परामर्श भी दे रही है।

एयर इंडिया का बयान

एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा एयर इंडिया अपने क्रू और स्टाफ सदस्यों की सुरक्षा, संरक्षा और भलाई को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। हम एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला द्वारा संचालित होटल में घुसपैठ की एक गैरकानूनी घटना से बहुत दुखी हैं, जिससे हमारे चालक दल की एक सदस्य को नुकसान पहुंचा है। हम अपने सहकर्मी और उनकी व्यापक टीम को पेशेवर परामर्श सहित हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। एयर इंडिया स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर कानूनी रूप से मामले को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रही है, और होटल प्रबंधन के साथ यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। हम अनुरोध करते हैं कि इसमें शामिल लोगों की गोपनीयता का सम्मान किया जाए।

जांच में जुटी लंदन पुलिस

एयर इंडिया ने अनुरोध किया कि इसमें शामिल क्रू मेंबर की निजता का सम्मान किया जाना चाहिए, क्योंकि इस मामले की जांच लंदन पुलिस कर रही है। एयरलाइन ने स्थानीय अधिकारियों के साथ अपने सहयोग की भी पुष्टि की ताकि घटना की गहन जांच सुनिश्चित की जा सके और पीड़ित को न्याय मिले। हालांकि, एयरलाइन ने आधिकारिक तौर पर उन रिपोर्टों पर कोई टिप्पणी नहीं की है, जिनमें कहा गया है कि चालक दल के सदस्य के साथ दुष्कर्म हुआ है।

चीफ जस्टिस को चुनाव विवादों को सुलझाने वाली पीठ से अलग किया जाए, इमरान खान के सांसदों ने की ऐसी मांग?

इस्लामाबाद, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई के नौ सांसदों ने चुनाव विवादों से संबंधित मामले के समाधान के लिए पंजाब में नियुक्त चुनाव न्यायाधिकरण के मामले की सुनवाई करने वाली पीठ से पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश काजी फैज ईसा को अलग करने की मांग की है। दरअसल, देश में 8 फरवरी को आम चुनाव हुए थे। इसमें बड़े पैमाने पर धांधली के आरोप लगे थे। सीजेपी की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय पीठ 8 फरवरी के आम चुनावों से संबंधित चुनावी विवादों को सुलझाने के लिए पंजाब में चुनाव न्यायाधिकरणों के गठन के संबंध में लाहौर हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ पाकिस्तान के चुनाव आयोग की अपील पर विचार करेगी। जस्टिस काजी फैज ईसा के अलावा, पीठ के सदस्यों में अमीनुद्दीन खान, जमाल खान मंडोखैल, नईम अख्तर अफगान और जस्टिस अकील अहमद अब्बासी शामिल हैं। 4 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब में आठ चुनाव न्यायाधिकरणों की नियुक्ति पर लाहौर हाई कोर्ट के फैसले और इसकी अधिसूचना को निलंबित कर दिया था। यह निलंबन तब तक प्रभावी रहा जब तक कि हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और ईसीपी के बीच बातचीत पूरा नहीं हुई।

भारत के स्वतंत्रता समारोह में न्यूयॉर्क के मेयर गलती से लेते रहे पाकिस्तान का नाम

तभी एक भारतीय ने कर दी बोलती बंद

न्यूयॉर्क, 18 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका में आयोजित भारत के स्वतंत्रता समारोह में न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स गलती से बार-बार पाकिस्तान का नाम लेते रहे। तभी एक भारतीय को गुस्सा आ गया। वह भारतीय मेयर पर फिर जोर से चिल्लाया और उनकी बोलती बंद कर दी। भारतीय ने न्यूयॉर्क के मेयर को उनकी गलती का एहसास करा दिया। तब मेयर एरिक एडम्स पूरी तरह चुप हो गए। दरअसल एरिक एडम्स ने भारत के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर क्वींस में आयोजित एक समारोह में अपने भाषण में कई बार भारत को गलती से 'पाकिस्तान' कहकर संबोधित किया। इससे एक भारतीय उन पर भड़क गया। भारतीय ने चिल्लाकर कहा कि पाकिस्तान नहीं, भारत की बात हो रही। एडम्स शनिवार को क्वींस में आयोजित 'इंडिया डे परेड' में शामिल हुए थे। उन्होंने जिस मंच से प्रवासी समुदाय को संबोधित किया, उसे भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रंग वाले गुब्बारों से सजाया गया था और उस पर एक बैनर लगा था, जिस पर लिखा था ''मेयर एडम्स सेलिब्रेट्स द इंडियन कम्युनिटी।'' समारोह में एडम्स खुद भी भारत के रंग में रंगे दिखाई दिए। उन्होंने भारत और अमेरिका का राष्ट्रीय ध्वज थामा हुआ था। वह चारों तरफ से भारतीय समुदाय के लोगों से घिरे हुए थे, जो भारत का झंडा हवा में लहरा रहे थे। इन सब के बावजूद एडम्स ने जब अपना संबोधन शुरू किया, तो उन्होंने तीन बार भारत की जगह गलती से पाकिस्तान का नाम लिया। एडम्स ने कहा, ''हमने इस सप्ताह की शुरुआत में बॉलिंग ग्रीन में ध्वज लहराया। बड़ी संख्या में इस समुदाय के लोग कानून प्रवर्तन की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। ये वे पाकिस्तानी अधिकारी हैं, जो आगे बढ़ रहे हैं, जिनकी संख्या में वृद्धि हो रही है और जो लगातार दिखा रहे हैं कि जन सुरक्षा हमारी समृद्धि के लिए अहम है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे यहां बुलाने के लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। मैं इस समुदाय को बहुत समय से जानता हूं, छोटे पाकिस्तान और क्वींस से, छोटे पाकिस्तान और ब्रुकलिन से, आप हमारे शहर की एक प्रमुख नींव हैं, तो चलिए आपकी आज़ादी का जश्न मनाते है।'' तभी भीड़ में से किसी ने चिल्लाकर कहा 'भारत' , 'भारत की बात हो रही है।

रूस के खिलाफ जंग में यूक्रेन को लगेगा झटका अब जर्मनी ने की आधी मदद की घोषणा

कीव, 18 अगस्त (एजेंसियां)। यूक्रेन सेना के कुर्स्क क्षेत्र में प्रवेश के बाद रूस-यूक्रेन युद्ध और भयावह हो गया है। रूस सेना और यूक्रेनी सेना के बीच भयंकर युद्ध जारी है। यूक्रेनी सेना अमेरिका और पश्चिमी देशों की मदद से रूसी सेना का मुकाबला कर रही है। इस युद्ध में अमेरिका के बाद यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े मददगार जर्मनी ने कीव को दी जाने वाली मदद को आधा करने का प्लान बनाया है। जर्मन संसद के सूत्र के हवाला से एएफपी ने बताया कि जर्मनी रूस की जब्त हुई संपत्ति के अलावा यूक्रेन को दी जाने वाली मदद को आधा करने की योजना बना रहा है। इस साल बर्लिन की ओर से कीव को करीब 8 बिलियन यूरो की मदद की गई थी, खबरों के मुताबिक 2025 में ये महज 4 बिलियन यूरो ही रह सकती है।

एएफपी को जर्मनी के वित्त मंत्रालय के एक सूत्र ने बताया कि इस कमी को पूरा करने के लिए जी 7 और यूरोपीय संघ में मौजूद रूसी संपत्तियों पर भरोसा किया जा रहा है। जर्मन अखबार 'फ्रैंकफर्टर अलगेमाइन सोनटैग्सज़ीतुंग' ने इस बारे में बताया गया कि ये कटौती देश के चांसलर, सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी (एएफपी) और वित्त मंत्री क्रिश्चियन लिंडनर के बीच एक समझौते के बाद हो रही है। जर्मनी में यूक्रेन के राजदूत ओलेक्सी मेकिएव ने एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "यूरोप की सुरक्षा जर्मनी के नेताओं के फैसले पर निर्भर करती है कि वह यूक्रेन का समर्थन करने के लिए अपनी भूमिका निभाते रहे।" 2025 का बजट लिबरल, ग्रीन्स और सोशल डेमोक्रेट्स के सरकारी गठबंधन के बीच बहस का विषय रहा है। यूक्रेन की मदद में कमी करने का फैसला जर्मनी की आर्थिक स्थिति बिगड़ने से रोकने के लिए हो रहा है।

सूडान में फिर विनाशकारी संघर्ष, अर्धसैनिक लड़ाकों ने की महिलाओं-बच्चों समेत 85 लोगों की हत्या

खार्तूम, 18 अगस्त (एजेंसियां)। सूडान में पिछले साल अप्रैल में युद्ध शुरू होने के बाद से अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) पर देश भर में नरसंहार, बलात्कार और अन्य गंभीर उल्लंघनों का बार-बार आरोप लगाया गया है। अधिकारियों और निवासियों ने शनिवार को कहा कि सूडान के अर्धसैनिक समूह के लड़ाकों ने एक गांव में तोड़फोड़ और लूटपाट की फिर आग लगा दी। इस दौरान उन्होंने महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 85 लोगों की हत्या कर दी, जो देश के 18 महीने के विनाशकारी संघर्ष में अत्याचार की एक बड़ी घटना है। सूडान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स ने जुलाई के अंत में मध्य प्रांत सेन्नार में गलगानी पर हमला करना शुरू कर दिया था। पिछले हफ्ते आरएसएफ लड़ाकों ने महिलाओं और लड़कियों के अपहरण और यौन उत्पीड़न के प्रयासों का विरोध करने पर गांव के निहत्थे निवासियों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। इसमें कहा गया है कि 150 से अधिक ग्रामीण घायल हुए हैं। पिछले साल अप्रैल में युद्ध शुरू होने के बाद से आरएसएफ पर बार-बार देश भर में नरसंहार, बलात्कार और अन्य गंभीर उल्लंघनों का आरोप लगाया गया है। बता दें कि सेना और समूह के बीच तनाव राजधानी खार्तूम और अन्य जगहों पर खुली लड़ाई में बदल गया था। हमले के बारे में बताते हुए, तीन निवासियों ने कहा कि सैकड़ों आरएसएफ लड़ाकों ने गांव पर हमला किया, घरों और सार्वजनिक संपत्तियों को लूटा और जला दिया। एसोसिएटेड प्रेस से बात करने वाले स्थानीय चिकित्सा केंद्र के एक स्वास्थ्य कार्यकर्ता के अनुसार, निवासियों द्वारा प्रतिरोध करने और आरएसएफ सेनानियों के एक छोटे ग्रुप के हमले को विफल करने के बाद आक्रामक कार्रवाई हुई। उन्होंने कहा कि समूह पीछे हट गया लेकिन दर्जनों पिकअप ट्रकों में ऑटोमेटिक राइफलों और भारी हथियारों के साथ सैकड़ों आरएसएफ लड़ाके वापस लौट आए। कार्यकर्ता ने अपनी सुरक्षा के डर के कारण नाम न छापने की शर्त पर बताया कि शुक्रवार तक, चिकित्सा केंद्र को कम से कम 80 शव मिले थे, जिनमें 24 महिलाएं और नाबालिग शामिल थे। एक ग्रामीण मोहम्मद ताजल-अमीन ने कहा कि उन्होंने शुक्रवार दोपहर को सड़क पर सात शव पड़े देखे, जिसमें छह पुरुष और एक महिला थी। वहीं आरएसएफ प्रवक्ताओं ने शनिवार को इस पर कोई टिप्पणी नहीं की। जून में, आरएसएफ ने खार्तूम से लगभग 350 किलोमीटर (217 मील) दक्षिण-पूर्व में सिन्नार की प्रांतीय राजधानी सिंगा पर हमला किया। उन्होंने शहर के बाज़ार को लूट लिया और उसके मुख्य अस्पताल पर कब्ज़ा कर लिया, जिससे हज़ारों लोगों को भागने पर मजबूर होना पड़ा। इसके बाद नया हमला तब हुआ जब अमेरिका ने सेना और आरएसएफ के बीच शांति वार्ता फिर से शुरू करने के प्रयासों का नेतृत्व किया है। इस बातचीत का सेना ने बहिष्कार किया है, यह पिछले हफ्ते स्विट्जरलैंड में शुरू हुई थी। इसमें सऊदी अरब, मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात, अफ्रीकी संघ और संयुक्त राष्ट्र के राजनयिक भाग ले रहे थे। आरएसएफ ने जिनेवा में एक प्रतिनिधिमंडल भेजा लेकिन बैठकों में हिस्सा नहीं लिया।

मानवता के खिलाफ अपराध

संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय अधिकार समूहों के अनुसार, इस संघर्ष में बड़े पैमाने पर बलात्कार और जातीय रूप से प्रेरित हत्याएं शामिल हैं, जो युद्ध अपराध और मानवता के खिलाफ अपराध हैं।

टेक्सास में बेटी को कॉलेज छोड़ने जा रहा था परिवार, सड़क दुर्घटना में तीन सदस्यों की गई जान

टेक्सास, 18 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के टेक्सास में एक कार दुर्घटना में भारतीय मूल के एक परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। इस हादसे में एक 14 साल के बच्चे की जान बच गई। मृतकों की पहचान 45 वर्षीय अरविंद मणि, उनकी 40 वर्षीय पत्नी प्रदीपा अरविंद और 17 वर्षीय बेटी एंड्रिल अरविंद के तौर पर की गई है।

ये सभी लिएंडर के रहने वाले थे और उनकी मौत बुधवार की सुबह 5:45 बजे लैम्पस काउंटी के पास हुई। उनका 14 वर्षीय बेटा एडिरयान उनके साथ वाहन में नहीं था, जिस वजह से उसकी जन बच गई। बच्चे की आर्थिक सहायता के लिए गोफंडमी पेज ने 700,000 अमेरिकी डॉलर (58713025 रुपये) से अधिक राशि जुटाई है।

अमेरिकी चुनाव प्रचार पर 370 मिलियन डॉलर खर्च करेंगी कमला हैरिस, ट्रंप का है ये प्लान

वॉशिंगटन, 18 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका में 5 नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव होने हैं, जिसके चलते पूरे देश में हलचल मची हुई है। इस बार मुकाबला डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस और रिपब्लिकन पार्टी के डोनाल्ड ट्रंप के बीच है। चुनाव करीब आने के साथ ही देश में चुनावी प्रचार बढ़ रहा है। हालांकि, इस वक्त लोग मीडिया का इस्तेमाल ज्यादा करते हैं जिसके चलते पार्टी डीजिटल और टेलीविजन पर प्रचार बढ़ा रही है। कमला हैरिस और टिम वॉल्ज जिन्हें उन्होंने अपने उप राष्ट्रपति के लिए चुना है, वो लेबर डे (2 सितंबर) और इलेक्शन के बीच टीवी और डिजिटल विज्ञापन में डॉलर 370 मिलियन रुपये खर्च करेंगे। चुनाव प्रचार के मैनेजर क्वेंटिन फुल्क्स और रॉब फ्लेहर्टी ने बताया कि इस हफ्ते पार्टी ने टीवी प्रचार में 170 मीलियन खर्च करने का तय किया है, साथ ही डीजिटल में 200 मिलियन खर्च करने का तय किया है।

विज्ञापन को लेकर छिड़ी जंग

डेमोक्रेटिक पार्टी ने बड़े इवेंट में अपने एड लगाए हैं, जिससे वो ज्यादा से ज्यादा लोगों तक अपनी बात पहुंचा सके और प्रचार कर सके, जिसमें ग्रे'ज़ एनाटॉमी और गोल्डन बैचलरेट के सीज़न प्रीमियर के समय भी एड लगाए गए हैं। हालांकि, डेमोक्रेटिक पार्टी और रिपब्लिकन पार्टी के बीच विज्ञापनों को लेकर जंग चल रही है और जहां एक तरफ कमला हैरिस की पार्टी बड़े पैमाने पर विज्ञापनों पर खर्च कर रही है, वहीं ट्रंप की पार्टी ने भी लगभग 60% विज्ञापन का समय बुक किया है। ट्रंप की पार्टी ने ओलंपिक के समय अपना पहला विज्ञापन दिया था और अब लेबर डे तक पार्टी ने 60 मिलियन तक का खर्च करने का तय किया है।

विज्ञापन में बढ़ोतरी

विज्ञापन-ट्रैकिंग फर्म ने देश में दोनों पार्टी विज्ञापन में कितना खर्च कर रहे हैं इस पर एक आंकड़ा सामने रखा है। रिपोर्ट में कहा गया, 14 अगस्त तक, चुनावी अभियानों के लिए इस महीने चलाने के लिए 247 मिलयन के विज्ञापन खरीद लिए गए हैं। हालांकि रिपोर्ट में बताया गया कि साल 2020 में अगस्त के महीने में विज्ञापनों पर जितना खर्च किया गया था यह उस से 19 प्रतिशत ज्यादा है। हैरिस-वाल्ज़ अभियान ने न सिर्फ टीवी बल्कि डीजिटल में भी अच्छा-खासा खर्च किया है, पार्टी हुलु, रोकु, यूट्यूब, स्पॉटिफ़ाई और पैंडोरा जैसे प्लेटफार्मों पर $200 मिलियन से ज्यादा तक के विज्ञापन खरीद चुकी है।

पाकिस्तान के लिए शर्मिंदगी पाकिस्तानी सेना जिस टीटीपी से नहीं जीत पाई, तालिबान ने कर डाली मध्यस्थता कराने की पेशकश

इस्लामाबाद, 18 अगस्त (एजेंसियां)। अफगान तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने पाकिस्तान तालिबान टीटीपी और इस्लामाबाद के बीच मध्यस्थता की पेशकश की है। उन्होंने टीटीपी को पाकिस्तान का आंतरिक बताया लेकिन साथ ही कह कि अगर पाकिस्तान सरकार चाहे तो अफगान तालिबान मध्यस्थता कर सकता है। तालिबान के प्रभाव वाला टीटीपी अफगानिस्तान सीमा से लगे पाकिस्तान के उत्तरी इलाके में काफी असर रखता है। टीटीपी के साथ जंग में पाकिस्तान के अंदर हजारों लोग मारे जा चुके हैं। पाकिस्तानी सेना ने इसके खिलाफ 2014 में एक बड़ा ऑपरेशन भी चलाया था लेकिन वह इसे खत्म करने में नाकाम रही। अफगानिस्तान में तालिबान का शासन आने के बाद पाकिस्तान में टीटीपी के हमलों में तेजी आई है। पाकिस्तानी मीडिया आउटलेट इंटिपेंडेंट उर्दू के साथ बातचीत में मुजाहिद ने कहा, 'हम पाकिस्तान के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना चाहते हैं।'

हमास ने किया इजरायली सैनिकों की हत्या का दावा

इजरायल ने की बदले की कार्रवाई, गाजा में 40 ठिकानों पर हमला

यरूशलेम/गाजा, 18 अगस्त (एजेंसियां)। इजरायली सेना ने कहा है कि उसने सेंट्रल गाजा में 40 ठिकानों पर बमबारी की है। ये कार्रवाई हमास के उस दावे के बाद की गई कि उसके लोगों ने दक्षिण गाजा में कुछ इजरायली सैनिकों को मार डाला है और घायल कर दिया है। इजरायली सैन्य प्रवक्ता अविचाय एड्रै ने एक प्रेस बयान में कहा कि इजरायली विमानों ने पिछले कुछ घंटों में गाजा पट्टी में 40 आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया, जिसमें सैन्य भवन, हथियार डिपो और अन्य शामिल हैं। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि एक अलग बयान में, इजरायली सेना ने सेंट्रल गाजा में माघाजी शरणार्थी शिविर में रह रहे लोगों से तुरंत हटने को कहा। यहां से इजरायल की ओर राकेट दागे गए थे। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों से हमास द्वारा लगातार रॉकेट दागे जाने के कारण हटने के लिए कहा गया, नहीं तो सेना बलपूर्वक हटाएगी।

इजरायली सेना के दो वाहनों में बम ब्लास्ट

इस बीच, हमास की सशस्त्र शाखा अल-क़स्साम ब्रिगेड ने दावा किया कि उसके लोगों ने गाजा शहर के दक्षिण में कुछ इजरायली सैनिकों को मार डाला और घायल कर दिया। प्रेस बयान में कहा गया, हमारे लोगों ने गाजा शहर के दक्षिण में ताल अल-हवा में यूनिवर्सिटी कॉलेज के आसपास इजरायली सेना के दो वाहनों में बम विस्फोट किए। बयान में कहा गया कि हमास के लोगों ने मशीनगनों से सैनिकों के साथ संघर्ष किया, जिसमें कुछ इजरायली सैनिक मारे गए और कुछ घायल हो गए। इजरायली सेना ने अभी तक इस घटना पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

इजरायली टीवी ने 11 सैनिकों के घायल होने की पुष्टि की

इजरायली कान टीवी समाचार ने बताया कि गाजा में एक घटना में 11 इजरायली सैनिक घायल हो गए, लेकिन उसने कोई और जानकारी नहीं दी।गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों ने एक बयान में कहा कि पिछले 48 घंटों के दौरान, इजरायली सेना ने 69 लोगों को मार डाला है और 136 अन्य को घायल कर दिया है, जिससे अक्टूबर 2023 में फिलिस्तीनी-इजरायल संघर्ष शुरू होने के बाद से कुल मौतों की संख्या 40,074 और घायलों की संख्या 92,537 हो गई है।

सरकार के 'राइजिंग राजस्थान' समिट में आएंगे एलन मस्क!

5.21 लाख करोड़ के मिले निवेश प्रस्ताव

जयपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में होने वाली इन्वेस्टमेंट समिट 'राइजिंग राजस्थान' के लिए टेस्ला के सीईओ एलन मस्क को न्योता देंगे। इसके लिए केन्द्र सरकार के जरिए बुलावा भेजा जाएगा। सूत्रों के अनुसार यूएस के भारत में एम्बेसेडर से भी बातचीत की जा रही है। सीएम भजनलाल शर्मा खुद अगले माह के पहले पखवाड़े में दिल्ली में 12 देशों के एम्बेसेडर के साथ मीटिंग करेंगे। यहां भी मस्क को भारत में बुलावे पर चर्चा हो सकती है। मस्क की कुछ माह पहले भारत यात्रा प्रस्तावित थी, लेकिन वे नहीं आए। फिर उन्होंने जल्द भारत आने की बात कही थी।

उधर, मुख्यमंत्री का समिट को लेकर देश में पहला रोड शो (इनवेस्टर मीट) मुंबई में तय हो गया है। 30 अगस्त को पांच सितारा होटल में होने वाले कार्यक्रम में बड़ी कंपनियों के

सीईओ शामिल होंगे। प्रदेश के उद्योग मंत्री, मुख्य सचिव सहित पूरी टीम साथ होगी। कुछ कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ भी मुख्यमंत्री की अलग मीटिंग भी होगी।

राज्य सरकार समिट में एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) के अलग से कॉन्क्लेव कराने की भी संभावना तलाश रही है। गौरतलब है कि सीएम निवेशकों से मीटिंग करने दो देशों में भी जाएंगे। समिट 9 से 11 दिसम्बर को होनी है।

एमओयू प्रस्ताव अर्थव्यवस्था का 33 प्रतिशत

राजस्थान सरकार को मिले 5.21 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव राजस्थान की वर्तमान अर्थव्यवस्था के 33 प्रतिशत से भी अधिक हैं। राजस्थान की अर्थव्यवस्था का आकार 2023-24 में 15.28 लाख करोड़ रुपए (प्रचलित मूल्यों पर) अनुमानित है।

ऑनलाइन-ऑफलाइन एमओयू के प्रस्ताव आ रहे हैं। मुख्यमंत्री स्तर पर इन्वेस्टर मीट तीस अगस्त को मुंबई में होगी। दिल्ली में भी सीएम कई देशों के एम्बेसेडर से राउंड टेबल मीटिंग करेंगे। – अजिताभ शर्मा, प्रमुख सचिव, उद्योग विभाग

5.21 लाख करोड़ के एमओयू प्रस्ताव मिले

सरकार निवेश के लिए इच्छुक कंपनियों से ऑनलाइन प्रस्ताव भी ले रही है। इसके लिए अलग राजनिवेश पोर्टल शुरू किया गया है।

इसमें आने वाले प्रस्ताव सहित अब तक 5.21 लाख करोड़ के एमओयू प्रस्ताव आ चुके हैं। इनके लिए ढाई लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार देने का दावा भी किया गया है।

मुख्य सचिव 20 को सचिवों की लेंगे बैठक

मुख्य सचिव सुधांश पंत 20 अगस्त को विभागों के प्रमुख सचिवों की बैठक लेंगे। इसमें हर विभाग की समिट से जुड़ी जिम्मेदारी तय कर दी जाएगी। आयोजन को सफल बनाने के लिए कंपनियों के साथ पहले प्री-समिट भी होगी, ताकि जो भी एमओयू-एलओआई हों, उन्हें आसानी से धरातल पर उतारा जा सके। प्री-समिट के लिए शुरुआती स्तर पर जयपुर, जोधपुर, उदयपुर शहर को चुना गया है।

विधायक को बुलाया लेकिन पिता के गनमैन को लेकर पहुंचा बेटा

सियासत गरमाई तो विधायक ने दी ये सफाई

भीलवाड़ा, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भीलवाड़ा। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में अति विशिष्ट व्यक्ति दिखने की चाहत में विधायक पुत्र का पिता की जगह सरकारी कार्यक्रम में पहुंचना चर्चा का विषय बन गया। मामला रायपुर क्षेत्र के बोरियापुरा में 68वीं व्रत स्तरीय उच्च प्राथमिक विद्यालयी वॉलीबॉल प्रतियोगिता (14 वर्ष) के उद्घाटन समारोह का है। इस मामले पर सियासत गरमाई तो विधायक के बेटे ने कहा कि वो तो अपने पिता के लेने आया था। लेकिन, उनके पिता तो बेंगलूरु में थे।

सहाड़ा विधायक लादूलाल पितलिया प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि थे। विधायक समारोह में नहीं आए। उनके बेटे विजय पितलिया कार्यक्रम में पहुंचे। तब विधायक का सरकारी गार्ड विजय की सुरक्षा

में तैनात था। उद्घाटन जिला प्रमुख बरजी देवी भील ने किया। सरपंच देवीलाल जाट व रोशनलाल सालवी, खंड मुख्य शिक्षा अधिकारी राजेश शर्मा आदि मौजूद थे।

विधायक बोला-मैं अभी बेंगलूरु में हूं

इधर, सरकारी गार्ड लेकर बेटे के समारोह में पहुंचने के बारे में पूछने पर विधायक लादूलाल ने कहा कि मैं अभी बेंगलूरु में हूं। विधायक ने फोन काट दिया।

बेटे की सफाई-समारोह में पिता को लेने गया

इस मामले में विधायक पुत्र विजय ने सफाई देते हुए कहा कि वह तो समारोह में अपने पिता को लेने गया था। इसके बाद बेटे ने भी पिता की तरह फोन काट दिया और आगे सवालों के जवाब देना मुनासिब नहीं समझा।

खाचरियावास ने भाजपा पर लगाया दंगे की साजिश का आरोप

एक करोड़ मुआवजा और नौकरी दे सरकार

जयपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि जयपुर में शास्त्री नगर स्वामी बस्ती गरीब परिवार के दिनेश स्वामी की एक्सीडेंट में हुए झगड़े के बाद मौत हो जाने के मामले में उसके परिवारजनों की कमजोर आर्थिक स्थिति को देखते हुए प्रदेश की भाजपा सरकार को मृतक दिनेश स्वामी के परिवार को एक करोड़ रुपये मुआवजा एवं परिवार के एक व्यक्तियों को सरकारी नौकरी तुरंत देकर परिवारजनों की आर्थिक मदद करनी चाहिए।

दिया कुछ नहीं, बातें बड़ी-बड़ी

प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि इस तरह की दुर्घटनाओं के संदर्भ में जब भाजपा विपक्ष में थी तब बड़ा हंगामा करती थी। तब हमने ऐसे मामलों में एक करोड़ रुपये मुआवजा एवं सरकारी नौकरी

देने का काम किया। आज तो आश्चर्य हो गया कि जब राज्य सरकार ने मृतक परिवार को दिया कुछ नहीं, बातें बड़ी-बड़ी की और भाजपा नेताओं ने पुलिस के साथ दुर्व्यवहार करने में पूरा जोर लगा दिया और जयपुर में दंगा कराने में सरकार के लोग ही पूरी कोशिश कर रहे थे। जयपुर की जनता और पुलिस ने जयपुर में दंगा करने के भाजपा के मंसूबों पर पानी फेर दिया।

शांति बनाने वाले ही अशांति फैला रहे

खाचरियावास ने कहा कि सरकार रूपी बाढ़ ही जब खेत को खा जाएगी तो खेत को बचाएगा कौन? जिन भाजपा नेताओं की जिम्मेदारी मृतक दिनेश स्वामी के परिवार को मुआवजा दिलवाना और शांति बहाल करना है था वही मुआवजा दिलवाने और शांति बहाल करवाने की बजाय अशांति फैलाने में पूरा जोर लगा रहे थे। खाचरियावास ने कहा कि तुरंत प्रभाव से मृतक दिनेश स्वामी के परिवार को एक करोड़ रुपये मुआवजा एवं सरकारी नौकरी देकर राज्य सरकार को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

किरोड़ी लाल मीना के इस्तीफे के 54 दिन, न स्वीकार, न अस्वीकार

जयपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। राज्य सरकार में कृषि एवं आपदा प्रबंधन मंत्री की जिम्मेदारी निभा रहे किरोड़ी लाल मीना ने मंत्री पद से अपना इस्तीफा 27 जून को सार्वजनिक किया था। उस इस्तीफे को रविवार को 54 दिन हो गए, लेकिन न तो इस्तीफा स्वीकार हुआ और न ही अस्वीकार की बात सरकार की तरफ से आई।

खुद मीना भी कभी तो मंत्री के रूप में काम करते हुए दिखाई देते हैं तो कभी सरकारी सुविधाओं को छोड़ने का दावा करते हैं। हाल ही उन्होंने स्वतंत्रता दिवस पर मंत्री के नाते सवाईमाधोपुर में झंडारोहण किया था। मीना मंत्री की हैसियत से भी तबादलों की नोटशीट चला रहे हैं और कभी-कभी छोटा-मोटा विभागीय काम भी करते हैं। पूर्वी राजस्थान में बाढ़ आई तो आपदा मंत्री के रूप में जायजा लेने के लिए उन्होंने हेलिकॉप्टर मांग लिया। ऐनवक्त पर मांगा गया हेलीकॉप्टर उपलब्ध नहीं हो सका तो वे अपनी निजी गाड़ी से ही दौरा करने निकल पड़े।

विभागों के बंटवारे के बाद से ही उखड़े-उखड़े

राजस्थान में सरकार के गठन के बाद से ही किरोड़ी अंदर ही अंदर असंतोष जाहिर करने लगे थे। मंत्री बने और फिर विभागों का बंटवारा हुआ तो उससे वे खुश नहीं थे। किरोड़ी से जुड़े एक नेता ने बताया कि लोकसभा चुनाव से पहले उनकी भाजपा नेताओं से बातचीत हुई थी और यह तय हुआ था कि कृषि विपणन एवं ग्रामीण विकास-पंचायती राज विभाग भी उनको दे देंगे। विभाग देने का आश्वासन तो पूरा नहीं हुआ, वहीं पंचायती राज विभाग के पांच टुकड़े कर दिए गए। लोकसभा चुनाव में उन्होंने अपने भाई के लिए दौसा लोकसभा क्षेत्र से टिकट मांगा, वह भी नहीं मिला। इससे वे फिर उखड़ गए। मीना को पीएम नरेन्द्र मोदी के नजदीक माना जाता है। किरोड़ी ने दावा

किया था कि पीएम ने उन्हें सात लोकसभा सीटों की जिम्मेदारी दी थी। वे इन सीटों पर हार गए तो मंत्री पद से इस्तीफा देने की घोषणा भी कर दी।

उपमुख्यमंत्री बनने की थी उम्मीद

कांग्रेस राज में किरोड़ी ने कई आंदोलन किए और 2023 में भाजपा की सरकार बनी तो उनके समर्थक चाहते थे कि उन्हें बड़ा पद मिले। कम से कम डिप्टी सीएम का पद तो समर्थक तय मान चल रहे थे। ऐसा नहीं हुआ और किरोड़ी समर्थक लगातार यह दबाव डालने लगे कि वे मंत्री पद की शपथ न लें। किरोड़ी ने मंत्री पद की शपथ तो ले ली, लेकिन विभागों के बंटवारे से फिर से असंतोष पनप गया।

विधानसभा में भी दूसरे मंत्रियों को दी गई जिम्मेदारी

विधानसभा सत्र में भी किरोड़ी ने सदन से दूरी बनाए रखी। उनके विभागों के जवाब देने की जिम्मेदारी सरकार को दूसरे दो मंत्रियों को देनी पड़ी। विधानसभा सत्र खत्म हुए भी दो सप्ताह होने को है, लेकिन सरकार अभी तक उनके विभागों के कामकाज के लिए किसी अन्य को चार्ज नहीं दे सकी है।

सचिवालय नहीं जा रहे, सरकारी गाड़ी भी छोड़ दी

किरोड़ी ने लोकसभा चुनाव का परिणाम आने के बाद से ही सचिवालय जाकर अपने कार्यालय में कामकाज करना छोड़ दिया था। मंत्री के रूप में किरोड़ी को आवास भी अलॉट हो गया था, लेकिन वे अभी तक अपने निजी आवास पर रह रहे हैं। किरोड़ी सरकारी गाड़ी भी छोड़ चुके हैं।

दिल्ली से मिले संकेत तो मंत्री बने रहने के आए बयान

पार्टी सूत्रों के अनुसार दिल्ली में किरोड़ी के इस्तीफे को लेकर बड़े नेताओं के दो धड़े बन गए हैं। एक धड़ा चाहता है कि उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया जाए। इन नेताओं का कहना है कि जब भी भाजपा की सरकार बनी। कोई न कोई विवाद खड़ा ही हुआ है। वहीं, एक धड़ा यह चाहता है कि फिलहाल प्रदेश में सरकार में किसी तरह का विवाद न हो। इसलिए किरोड़ी का इस्तीफा स्वीकार न किया जाए। इस संकेत के बाद से ही भाजपा प्रदेश अध्यक्ष लगातार यही संदेश दे रहे हैं कि किरोड़ी अभी मंत्री हैं और वे मंत्री के रूप में ही काम कर रहे हैं। किरोड़ी को मना लिया जाएगा।

किसानों की बिगड़ी स्थिति पर पायलट ने जताई चिंता

देर से पहुंचने वाली मदद का कोई फायदा नहीं

टोंक, 18 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने प्रदेश में हाल ही में हुई अतिवृष्टि से आई आपदा को लेकर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आपदा राहत विभाग की वर्तमान स्थिति चिंताजनक है और सरकार को इस पर पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्रवाई करनी चाहिए। खासकर किसानों के हुए नुकसान पर पायलट ने कहा कि सरकार को जितनी जल्दी हो सके उन्हें मुआवजा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर मदद देर से पहुंचती है तो उसका कोई फायदा नहीं होगा। पायलट ने ये बात टोंक जिले में मीडिया से बातचीत करते हुए कही। पायलट ने कहा कि ये पहली बार नहीं है, जब बारिश के कारण फसल खराब हुई हो। उन्होंने सरकार से मांग की है कि वह फसल खराबे के समाधान के लिए एक सरल और छोटे प्रक्रिया की योजना बनाएं। टोंक जिले में हुए नुकसान को देखते हुए उन्होंने तुरंत मुआवजा देने की भी अपील की।

हिंसा का समर्थन नहीं किया जा सकता

बांग्लादेश में हुई हिंसा पर बोलते हुए पायलट ने कहा कि किसी भी देश में हिंसा का समर्थन नहीं किया जा सकता। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए दबाव बनाना चाहिए। उदयपुर हिंसा के मामले में पायलट ने कहा कि सबको शांति बनाए रखनी चाहिए और अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। उन्होंने सरकार से कानून व्यवस्था को सख्ती से लागू करने की अपील की।

जम्मू-कश्मीर चुनाव और वन नेशन वन इलेक्शन पर टिप्पणी

जम्मू-कश्मीर में 10 साल बाद होने जा रहे चुनावों पर प्रतिक्रिया देते हुए सचिन पायलट ने कहा कि कांग्रेस वहां मजबूती के साथ काम करेगी और बेहतर प्रदर्शन करेगी। वन नेशन वन इलेक्शन के मुद्दे पर पायलट ने केंद्र सरकार की आलोचना की। कहा कि सरकार चार राज्यों में भी एक साथ चुनाव नहीं करवा पा रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में उनकी सरकार तीन चौथाई बहुमत के साथ बनने जा रही है।

सचिन पायलट ने अपनी बातों के माध्यम से राजस्थान में आपदा से पीड़ित किसानों, देश में शांति व्यवस्था और आने वाले चुनावों के बारे में अपने विचार स्पष्ट रूप से व्यक्त किए।

कोर्ट में फाइल पेश करने के बदले एएसआई ने मांगी रिश्वत

एसीबी ने रंगेहाथ गिरफ्तार किया

भीलवाड़ा, 18 अगस्त (एजेंसियां)। जिले के बनेड़ा थाने में भीलवाड़ा भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने थाने के ही एएसआई मदनलाल वैष्णव को दस हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह रिश्वत एक एक्सीडेंट केस की फाइल को कोर्ट में पेश करने के बदले में मांगी गई थी। पीड़ित मोहम्मद अली कायमखानी ने बताया कि कुछ दिन पहले उसके ट्रैक्टर के गुलाबपुरा रोड पर पलट जाने से दो लोगों की मौत हो गई थी। हादसे के बाद पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर लिया था। ट्रैक्टर छुड़ाने के लिए कायमखानी ने बनेड़ा थाने के एएसआई मदनलाल वैष्णव से संपर्क किया। एएसआई ने इस मामले की फाइल कोर्ट में पेश करने के बदले 15,000 रुपये की रिश्वत की मांग की। इसके लिए एएसआई ने 5 हजार रुपये पहले ही ले लिए थे।

रिश्वत मांगने की इस घटना से परेशान होकर मोहम्मद अली ने एसीबी में शिकायत दर्ज कराई। एसीबी ने शिकायत का सत्यापन करने के बाद ट्रैप करके एएसआई मदनलाल वैष्णव को रिश्वत की राशि के साथ रंगे हाथ पकड़ लिया। अब मामले की जांच जारी है और एएसआई मदनलाल वैष्णव के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई, ट्रेवल्स बस रुकवाकर 837 लीटर घी किया सीज

बीकानेर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षाबंधन त्योहार को देखते हुए 'शुद्ध आहार, मिलावट पर वार' अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अहमदाबाद से हनुमानगढ़ जा रही बस को रोककर 835 लीटर घी जब्त किया। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर 3 कार्रवाईयां की गईं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश कुमार गुप्ता के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए गंगाशहर में हंसा गेस्ट हाउस के पास शर्मा ट्रेवल्स की बस को रुकवाया गया। बस में श्री करनी ब्रांड घी जो कि अहमदाबाद से पीलीबंगा हनुमानगढ़ जा रहा था, उसको कब्जे में लिया गया। पड़ताल करने पर सामने आया कि यह घी सुभाष लालवानी का था, जो की मैसर्स अंजनी मार्केटिंग

अहमदाबाद से मेसर्स लव्या एंटरप्राइजेज पीलीबंगा हनुमानगढ़ जाना था। बस में एक लीटर, 500 एमएल, 200 एमएल, 5 लीटर, 15 लीटर आदि विभिन्न साइज में लगभग 837 लीटर घी था। फर्म के मालिक द्वारा मौके पर आने में असमर्थता जताने पर उपरोक्त 837 लीटर घी को नमूने लेने तक मुक्ता प्रसाद नगर के एक घर में सीज किया गया।

दूसरी कार्रवाई में पुरानी गजनेर रोड पर राठौर ट्रेवल्स की एक बस को रुकवाया गया। उसमें मैसर्स डूडी एंड सारस्वत मावा भंडार का मीठा मावा व घी बिना बिल के डीडवाना कुचामन जा रहा था। यहां से मावा व घी के कुल 3 नमूने लिए गए। इसके अलावा शिकायत के आधार पर रानी बाजार औद्योगिक क्षेत्र स्थित मैसर्स शगुन मिष्ठान पर निरीक्षण एवम नमुनीकरण की कार्रवाई की गई। यहां नाली के ऊपर भट्टी लगाकर खुले में जलेबियां बनाते हलवाई को रोका और संस्थान मालिक को साफ सफाई रखने के लिए पाबंद किया।

रक्षाबंधन से पहले राजस्थान में दर्दनाक हादसा

देवरानी-जेठानी की मौत से परिवार में मचा कोहराम

दौसा, 18 अगस्त (एजेंसियां)। सैंथल थाना इलाके के जसोता गांव में दो सगे भाइयों की पत्नियों की सड़क दुर्घटना में मौत हो जाने से परिवार व गांव में कोहराम मच गया। हादसे में देवरानी व जेठानी की मौत होने पर ग्रामीणों की आंखों में आंसू आ गए। ग्रामीणों ने मृतका के परिवारजनों को सांत्वना दी। जसोता निवासी चेतराम बैरवा ने यहां थाने में मुकदमा दर्ज कराया कि उसका बड़ा भाई गिर्राज 14 अगस्त को मोटर साइकिल पर परिवादी की पत्नी संगीता (38) व गिर्राज की पत्नी केशंता (43) को लेकर बांकी माता के जा रहा था। तभी मनोहरपुर शाहपुरा हाइवे के चलाना बालाजी मंदिर के पास पीछे से अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। इससे दोनों महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गई। जिन्हें दौसा राजकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया।

निजी अस्पतालों को बम से उड़ाने की धमकी, मचा हड़कंप

जयपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर। राजधानी जयपुर में एक बार फिर बदमाशों ने दहशत फैलाई है। इस बार निजी अस्पतालों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। फिलहाल दो निजी अस्पतालों के नाम अब तक सामने आए है। जिसमें मोनिलेक अस्पताल व सीके बिरला अस्पताल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। जिसके बाद पुलिस व प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। मौके पर डॉग स्क्वॉयड व बम निरोधक दस्ता पहुंचा है। जिसके बाद अस्पतालों में बम को लेकर सर्च ऑपरेशन जारी है। इसके अलावा अन्य निजी अस्पतालों को लेकर भी पुलिस जांच कर रहीं है।

अस्पतालों में बम की धमकी मिलने के बाद अस्पताल प्रशासन भी हरकत में आ गया। मौके पर पहुंची टीमों ने अस्पतालों से स्टॉफ, मरीजों, डॉक्टर्स व अन्य स्टॉफ को एहतियात के तौर पर बाहर निकाला है। बदमाश ने मेल कर धमकी दी है। जिसमें लिखा है कि हॉस्पिटल के बेड के नीचे और बाथरूम के अंदर बम है। हॉस्पिटल में मौजूद सभी लोग मारे जाएंगे। हर तरफ खून ही खून होगा। हॉस्पिटल से जानकारी मिलने के बाद पुलिस टीमें मौके पर पहुंच गई है। सर्च शुरू कर दिया गया है। बता दें कि मोनिलेक हॉस्पिटल जवाहर नगर के सेक्टर 4 में स्थित है। वहीं, सीके बिरला हॉस्पिटल गोपालपुरा मोड़ पर त्रिवेणी फ्लाइओवर के पास शांति नगर में है। पुलिस ने बताया कि सूचना मिलने पर एटीएस और बम निरोधक दस्ता एटीएस, एसओजी के अधिकारियों को अस्पताल भेजा गया है। दोनों ही अस्पतालों में सर्च चल रहा है। अभी तक किसी भी प्रकार की कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। मेल करने वाले का आईपी एड्रेस सर्च किया जा रहा है

हॉस्पिटल को मेल कर धमकी दी गई कि बिल्डिंग में बम है। जो हॉस्पिटल के बेड के नीचे और बाथरूम के अंदर है। हॉस्पिटल में मौजूद सभी लोग मारे जाएंगे। कोई नहीं बच पाएगा। हर तरफ खून ही खून होगा। तुम सभी लोग मौत के ही लायक हो। इसके साथ मेल में अपनी पहचान बताते हुए लखा आतंकवादी चिंग और कल्टिस्ट इन सब के पीछे हैं।

भीमलत महादेव के झरने से 150 फीट गहरी खाई में गिरा युवक

एसडीआरएफ टीम कर रही है रेस्क्यू

बूंदी, 18 अगस्त (एजेंसियां)। जिले के धार्मिक एवं पिकनिक स्थल भीमलत महादेव में एक युवक झरने में नहाते समय 150 फीट गहरी पानी की खाई में गिर गया। लोगों ने युवक के चिल्लाने की आवाज सुनी और उसे गिरते हुए देखा तो पुलिस को सूचना दी। सूचना पर सदर थाना पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और युवक की तलाश में रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। सदर थानाधिकारी भगवान सहाय मीणा ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम से कुंड में युवक के गिरने की सूचना मिलने मौके पर पहुंचे थे, जहां झरने के ऊपर एक बैग, मोबाइल, चाबी और जूते मिले हैं। बैग के अंदर एक फार्म मिला है, जिसमें मंगाल पंचायत के लाखा की झोपड़ीया निवासी दीपू कुमार मीणा का नाम लिखा हुआ था, साथ ही इस पर फोटो भी लगा है।

डेंगू और वायरल बुखार का प्रकोप बढ़ा

सरकारी अस्पतालों में मरीजों की भीड़

खम्मम, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। डेंगू और अन्य वायरल बुखार ने खम्मम जिले को जकड़ लिया है, जिसके परिणामस्वरूप शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाएं मरीजों से भरी हुई हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, सरकारी अस्पतालों में आने वाले ज़्यादातर मरीज वायरल बुखार से पीड़ित होते हैं। उदाहरण के लिए, सथुपल्ली अस्पताल में हर दिन बुखार के लगभग 400 मरीज इलाज के लिए आते हैं, जबकि पेनुबली में हर दिन 200 मरीज इलाज के लिए आते हैं।

खम्मम में सरकारी सामान्य अस्पताल के अलावा चार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, 26 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 224 उप-केंद्र और 161 पल्ले दवाखाना हैं। अस्पताल में भर्ती मरीजों के वार्ड में जगह की कमी के कारण मरीजों की भारी भीड़ को संभालने में असमर्थ हैं, इसलिए मरीजों को उपचार के बाद वापस घर भेज दिया जा रहा है या फिर दो मरीजों को एक ही बिस्तर पर लिटाया जा रहा है। डॉक्टरों और स्टाफ की कमी से अस्पतालों में इलाज पर भी असर पड़ रहा है।

जिले में जनवरी से अब तक एकत्र किए गए 14,740 नमूनों में से 348 डेंगू के मामले सामने आए हैं। मानसून की शुरूआत के बाद मामलों में वृद्धि हुई है। अधिकारियों ने कहा कि स्वास्थ्य अधिकारी मच्छरों के प्रसार को रोकने के लिए स्वच्छता बनाए रखने के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा कर रहे हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण आयुक्त आर.वी. कर्णन ने वायरल बुखार के बढ़ते मामलों के मद्देनजर स्थिति का जायजा लेने के लिए हाल ही में जिले का दौरा किया।

उन्होंने जिला कलेक्टर मुजम्मिल खान के साथ जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं का दौरा किया और अधिकारियों से नियमित आधार पर बुखार सर्वेक्षण करने को कहा। उन्होंने सुझाव दिया कि जहां डेंगू के पॉजिटिव मामले सामने आते हैं, वहां आसपास के इलाकों में जांच की जानी चाहिए।

इस बीच, वायरल बुखार के कारण कई लोगों की मौत हो गई है। पेनुबली मंडल के वीएम बंजार में एक व्यापारी एन वेंकट राव (65) की वायरल बुखार के कारण मौत हो गई। इसी तरह, खम्मम ग्रामीण मंडल के एक युवक एम मधु (30) की वारंगल में इलाज के दौरान मौत हो गई। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य अधिकारी इस समस्या के समाधान के लिए गांवों में स्वास्थ्य शिविर आयोजित नहीं कर रहे हैं।

दूसरी ओर, जिला कलेक्टर मुजम्मिल खान ने वायरल बुखार को फैलने से रोकने के लिए कदम उठाने में कथित रूप से विफल रहने तथा जमीनी स्तर पर स्थिति की निगरानी नहीं करने के आरोप में जिला स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी (डीएम एंड एचओ) डॉ. बी मालती को सरकार के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया।

इंडियन कोस्ट गार्ड के डीजी राकेश पाल का हार्ट अटैक से निधन

चेन्नई, 18 अगस्त (एजेंसियां)। इंडियन कोस्ट गार्ड के डीजी राकेश पाल का रविवार को चेन्नई में निधन हो गया। दोपहर करीब 2:30 बजे सीने में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान शाम करीब 7:00 बजे उनकी मौत हो गई। उन्हें पिछले साल जुलाई में इंडियन कोस्ट गार्ड का डीजी बनाया गया था। वे अधिकारियों के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की चेन्नई यात्रा की तैयारियों का जायजा ले रहे थे। उसी समय उनके सीने में दर्द उठा था।

सरकारी कर्मचारियों की समस्या का हो समाधान

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य अल्पसंख्यक कर्मचारी सेवा संघ (टीएसएमईएसए) ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को एक ज्ञापन सौंपकर उनसे सरकारी कर्मचारियों और विशेष रूप से अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों की समस्याओं को हल करने के लिए पहल करने का आग्रह किया। टीएसएमईएसए के अध्यक्ष मोहम्मद फारूक अहमद ने कहा कि राज्य उर्दू अकादमी में निजी आधार पर काम करने वाले कर्मचारियों को पिछले कई महीनों से वेतन नहीं मिला है। उन्होंने मांग की कि इससे गंभीर आर्थिक समस्याएं पैदा हो रही हैं। सरकार को जल्द से जल्द वेतन जारी करना चाहिए।

एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री से कर्मचारियों के लंबित महंगाई भत्ते (डीए) को जारी करने तथा इंटरमीडिएट बोर्ड में सेवारत कर्मचारियों की पदोन्नति से संबंधित मुद्दे को शीघ्र निपटाने का आग्रह किया। एसोसिएशन ने सरकार से होमगार्डों को आरोग्य भद्रता स्वास्थ्य कार्ड जारी करने, योग्य उम्मीदवारों को पदोन्नत करने तथा स्कूलों में डीएससी के तहत नियुक्तियों तक विद्या स्वयंसेवकों की नियुक्ति करने पर गंभीरता से विचार करने को कहा।

मोहम्मद फारूक ने मांग की कि अल्पसंख्यक कल्याण विभाग में प्रतिनियुक्ति पर अन्य विभागों के कर्मचारियों को स्थानांतरित किया जाना चाहिए। इसके बजाय, सरकार को अल्पसंख्यक योजनाओं के कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाने के लिए योग्य अल्पसंख्यक कर्मचारियों को नियुक्त करना चाहिए, उन्होंने आग्रह किया।

कार के डिवाइडर से टकराने से 4 घायल

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार सुबह मसाब टैंक पर एक बीएमडब्ल्यू कार के सड़क डिवाइडर से टकरा जाने से 4 लोग घायल हो गए। यह घटना सुबह करीब 7.30 बजे हुई जब कार में 4 लोग सवार थे, जिनमें 2 पुरुष और 2 महिलाएं थीं। यह कार खैरताबाद से बंजारा हिल्स की ओर जा रही थी। घटना के समय कथित तौर पर जितेश भग्गा नामक व्यक्ति कार चला रहा था। घायलों को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस उन परिस्थितियों का विश्लेषण कर रही है जिनके कारण यह दुर्घटना हुई।

गोदावरी नदी में दो किशोर डूबे

मंचेरियल, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दांडेपल्ली मंडल के द्वारका गांव में रविवार को गोदावरी नदी में स्नान करते समय दो किशोर दुर्घटनावश डूब गए। दांडेपल्ली के उपनिरीक्षक जी उदय किरण ने बताया कि दांडेपल्ली मंडल के कोंडापुर गांव के डिग्री छात्र अलथेती अजय (19) और गंधम चरण (19) उस समय पानी में समा गए, जब वे नदी के सबसे गहरे स्थान पर डुबकी लगा रहे थे। विशेषज्ञ गोताखोरों की मदद से शवों को मौके से बाहर निकाला गया। बताया जा रहा है कि घटना के समय युवा पादरी के मार्गदर्शन में बपतिस्मा ले रहे थे। पुलिस ने कहा कि घटना की पृष्ठभूमि किशोरों के परिवार के सदस्यों की शिकायत मिलने के बाद ही पता चल सकेगी।

नामपल्ली में जॉब मेला

फार्मा, आईटी, स्वास्थ्य कंपनियां देंगी नौकरियां

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। 20 अगस्त को रेड रोज पैलेस फंक्शन हॉल नामपल्ली में एक मेगा जॉब मेला का आयोजन किया जाएगा। एक प्रेस विज्ञप्ति में आयोजक मन्नान खान इंजीनियर ने कहा कि कई कंपनियां नौकरी मेले में भाग ले रही हैं और फार्मा, स्वास्थ्य, आईटी और आईटीईएस फर्मों, शिक्षा, बैंकों और अन्य क्षेत्रों में विभिन्न पदों पर नौकरियों की पेशकश कर रही हैं। अभ्यर्थियों की योग्यता एसएससी से ऊपर होनी चाहिए तथा प्रारंभिक साक्षात्कार स्थल पर ही आयोजित किए जाएंगे। आरआर ग्रुप ऑफ़ कंपनीज, विज़ फैशन इंडिया और आरआर मार्ट द्वारा समर्थित इस मेले में प्रवेश निःशुल्क है।

रेवंत कर्ज माफी के आंशिक क्रियान्वयन को लेकर नाटक कर रहे हैं : हरीश

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक हरीश राव ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर फसल ऋण माफी के आंशिक क्रियान्वयन को लेकर नाटक करने और लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया है। यहां तेलंगाना भवन में मीडिया से बात करते हुए हरीश राव ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान रेवंत रेड्डी ने दावा किया था कि कर्ज माफी पर 40,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे और सोनिया गांधी को उपहार के रूप में 9 दिसंबर तक कर्ज माफ करने का वादा किया था। हालांकि, वह वादा पूरा नहीं किया गया। बाद में संसदीय चुनाव जीतने के लिए मुख्यमंत्री ने फिर कहा कि कर्जमाफी पर 31,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे और 15 अगस्त तक कर्जमाफी का वादा किया, लेकिन बजट में केवल 26,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। हरीश राव ने कहा, 15 अगस्त के बाद रेवंत रेड्डी ने अपना वादा पूरा नहीं किया।

तुम्माला ने फसल ऋण माफी पर दुर्भावनापूर्ण अभियान चलाने के लिए विपक्ष की आलोचना की

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव ने फसल ऋण माफी पर दुर्भावनापूर्ण अभियान चलाने के लिए विपक्षी दलों की आलोचना की है। रविवार को यहां एक विज्ञप्ति में, मंत्री ने कहा कि पिछले चार दिनों से विपक्षी नेता फसल ऋण माफी पर किसानों को गुमराह कर रहे हैं, सोशल मीडिया को एक मंच के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं और वे कांग्रेस सरकार के खिलाफ सस्ती रणनीति अपना रहे हैं। तुम्माला ने आलोचना करते हुए कहा, विपक्षी नेता कांग्रेस सरकार की योजनाओं की आलोचना करके अपने राजनीतिक अस्तित्व को बचाने की कोशिश कर रहे हैं, जिन्हें वादे के अनुसार लागू किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा लोगों का विश्वास बढ़ाने के साथ, विपक्षी नेता तथ्यों को पचाने में असमर्थ हैं और इसके अलावा, वे अपने झूठे बयानों से किसानों के बीच भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार ने उन सभी किसानों को ऋण माफी योजना का लाभ दिया है, जिनके परिवार का निर्धारण हो चुका है और 2 लाख रुपये तक की राशि का भुगतान किया जाएगा। साथ ही, उन किसानों को भी ऋण माफी योजना का लाभ दिया जाएगा, जिनके खाते में परिवार निर्धारण के बाद दो लाख रुपये से कम राशि बची है। तुम्माला ने कहा, हम बैंकों से गलत जानकारी प्राप्त करने वाले किसानों का विवरण भी एकत्र कर रहे हैं और सभी पात्र किसानों को ऋण माफी सुविधा प्रदान करने के लिए गलतियों को सुधारने का प्रयास कर रहे हैं।

अग्रवाल समाज की मैरेज डेटा कमिटी की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज की मैरेज डेटा कमिटी की 43वीं बैठक समाज कार्यालय राघव रत्ना टॉवर में आयोजित की गई। एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा कमिटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रति रविवार कमिटी की बैठक 11 बजे से 1 बजे तक होती है जिसमे अभिभावक गण अपने बालक एवं बालिकाओं के बायोडेटा जमा कर उपलब्ध बायोडेटा का संज्ञान ले सकते हैं। कमिटी द्वारा व्हाट्सप में एक ग्रुप बना हुआ है जिसमे उन सभी लड़कियों के जिनके बायोडेटा समाज में उपलब्ध हैं केवल उन्हीं के अभिभावक गण उस ग्रुप के सदस्य हैं तथा सभी बालकों के बायोडेटा फोटो सहित ग्रुप में उपलब्ध है।

लड़कियों के अभिभावक गण उस ग्रुप में देखकर अपनी लड़की के लिए उचित लड़का ढूंढ सकते हैं। पहली बार यह ग्रुप बनाया गया है जो काफ़ी उपयोगी सिद्ध हो रहा है। सभी अग्रबंधुओं से आग्रह है अपने अपने विवाह योग्य बालक बालिकाओं के बायोडेटा समाज में जमा करवायें। व्हाट्सप ग्रुप के बारे में जानकारी कमेटी के किसी भी सदस्य से ली जा सकती है। कमेटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल के घर पर भी बायोडेटा जमा करके उपलब्ध बायोडेटा का संज्ञान लिया जा सकता है।

रोजाना 12 बजे से 5 बजे तक अपने निवास बंजारा हिल्स पर वे उपलब्ध है। कमेटी में उपलब्ध बायोडेटा में समाज के इस सत्र अर्थात 11 महीने में 130 रिश्ते नक्की हुए हैं। बैठक में चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल, कन्वेनर रमेश तुल्सीयान, वाइस चेयरमैन सतीश अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल, अशोक कुमार दादरीवाला समाज के आक्यूपंचर के डॉक्टर बालकृष्ण सुरेखा एवं बालक बालिकाओं के अभिभावक गण उपस्थित थे।

कोलकत्ता मेडिकल छात्रा से सामूहिक बलात्कार के आरोपी को तुरंत गिरफ्तार करें : ए सागर यादव

आसिफाबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) के राज्य नेता अल्ली सागर यादव राज्य के नेता ने कुमरम भीम आसिफाबाद जिले में आयोजित एक बैठक में बात कही कि कोलकाता शहर में कार्यरत डॉक्टर पर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को ऐसी कड़ी सजा दी जाए कि समाज के लोग इसके बारे में सोचें। उन्होंने मांग की कि रेप के आरोपियों की पहचान कर उन्हें फांसी दी जाए। उन्होंने सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने, महिलाओं पर हो रहे हमलों को रोकने की मांग की।

उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार को मेडिकल छात्र के परिवार का समर्थन करना चाहिए। महिलाओं पर हमलों को दंडित करने के लिए विशेष कानून बनाए जाएं। सरकार से तत्काल कदम उठाने का आग्रह करते हुए कहा कि गांजा और कोकीन जैसे नशीले पदार्थों के इस्तेमाल पर रोक नहीं लगाने की सरकार की लापरवाही के कारण महिलाओं को कई नुकसान झेलने पड़ रहें हैं। उन्होंने सरकार से सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट जैसे कानून लागू करने, कोलकत्ता में सामूहिक दुष्कर्म की शिकार मेडिकल छात्रा के परिवार को न्याय दिलाने, दुष्कर्म के आरोपियों को तुरंत सजा देने की मांग की। इस कार्यक्रम में प्रशांत, राकेश, राजू, गणेश, वामसी, सुरेश व अन्य ने भाग लिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

चंपाई सोरेन ने

जिस पार्टी को हमने अपने खून-पसीने से सींचा है, उसका नुकसान करने के बारे में तो कभी सोच भी नहीं सकते।

खरसावां से जेएमएम विधायक दशरथ गागराई ने बीजेपी में शामिल होने की खबरों का खंडन किया है। उन्होंने एक शपथ पत्र जारी किया है जिसमें लिखा है कि राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के साथ मेरे भाजपा में शामिल होने की खबर का खंडन करता हूं। मेरे बारे में मीडिया में भ्रामक खबर चलाई जा रही है कि मैं पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के साथ दिल्ली जा रहा हूं। हम आधी रोटी खा लेंगे मगर गुरुजी के मान सम्मान को नीचे नहीं होने देंगे। जेएमएम इस राज्य की माटी की पार्टी है और मुझे गर्व है कि मैं इस पार्टी का सिपाही हूं।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पाकुड में हैं। उन्होंने यहां मंईयां सम्मान योजना की शुरूआत की। 57,120 महिलाओं के खातों में हेमंत सोरेन ने एक-एक हजार रुपये ट्रांसफर किए। ये इस योजना की पहली किस्त है। इस योजना के तहत राज्य की 21 साल से 50 साल तक की महिलाओं को सालाना 12 किस्तों में 12000 रुपये दिए जाएंगे।

जम्मू में अकेले

पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह चुनावी रैली करेंगे।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मंत्री चौधरी जुल्फकार अली भाजपा में शामिल हो गए हैं। इससे पहले शनिवार (17 अगस्त) को चौधरी जुल्फकार अली ने गृह मंत्री अमित शाह से दिल्ली में मुलाकात की थी। पेशे से वकील रहे जुल्फकार ने 2008 और 2014 के विधानसभा चुनावों में पीडीपी के टिकट पर राजौरी जिले की दरहाल विधानसभा से चुनाव लड़ा था और जीत हासिल की थी। 2015 से 2018 तक वे महबूबा मुफ्ती के नेतृत्व वाली पीडीपी-भाजपा गठबंधन सरकार में कैबिनेट मंत्री भी रहे थे। रविंदर रैना ने कहा कि जुल्फकार जम्मू-कश्मीर के बड़े नेता हैं। हम उनका भाजपा में स्वागत करते हैं। उनके शामिल होने से भाजपा को मजबूती मिलेगी।

इलेक्शन कमीशन ने 16 अगस्त को जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान किया।

कांचीपुरम वरमहालक्ष्मी सिल्क्स के शोरूम का उद्घाटन

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कांचीपुरम वरमहालक्ष्मी सिल्क्स ने ग्रेटर हैदराबाद के जुबली हिल्स में नए शोरूम का उद्घाटन ब्रह्मश्री चागंटी कोटेश्वर राव ने की।

ब्रह्मश्री चागंटी कोटेश्वर राव ने उद्घाटन अवसर पर कहा कि कांचीपुरम वरमहालक्ष्मी सिल्क्स ब्रांड रेशम बुनाई की प्राचीन कला को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस बारे में बताया गया कि, ग्रेटर हैदराबाद के जुबली हिल्स के मध्य में स्थित, यह शोरूम प्रीमियम सिल्क साड़ियों का भंडार है, जो कांचीपुरम की समृद्ध विरासत के साथ प्रतिध्वनित होने वाले उत्तम हथकरघा और डिजाइनर संग्रह की एक विस्तृत श्रृंखला प्रस्तुत करता है। शोरूम में आकर्षक साड़ियों की एक विस्तृत विविधता प्रदर्शित की गई है, जिसमें कालातीत कांचीपुरम सिल्क, बनारसी बुनाई, उप्पाडा, धर्मावरम और समकालीन डिजाइनर साड़ियों की एक विशेष श्रृंखला है। शोरूम ग्राहकों को सर्वश्रेष्ठ पेशकश करने के लिए उनकी अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

इस शुभावसर पर कांचीपुरम वरमहालक्ष्मी सिल्क्स के बारे में यह भी बताया कि, कांचीपुरम वरमहालक्ष्मी सिल्क्स एक प्रसिद्ध ब्रांड है जो शुद्ध कांचीपुरम रेशमी साड़ियों के उत्कृष्ट संग्रह के लिए पहचाना जाता है। इस ब्रांड की मौजूदगी देश के विभिन्न राज्यों जैसे तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु में है। वर्तमान में इस समूह के दक्षिण भारत में कुल 61 शोरूम हैं। इन विशाल शोरूमों द्वारा भारत के कई ग्राहकों को तत्संबंधित आकर्षक साडियों को चयन करने एवं खरीदने का अवसर प्राप्त होता है।

सामूहिक रक्षा बंधन कार्यशाला

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में रक्षाबंधन कार्यशाला का आयोजन युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की विदुषी सुशिष्या शासन श्री साध्वी श्री शिवमाला जी आदि ठाना 4 के सान्निध्य में दिनांक 18 अगस्त को तेरापंथ युवक परिषद एवं तेरापंथ महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में डी वी कॉलोनी स्थित जैन तेरापंथ भवन में किया गया।

जैन संस्कारक श्री ललित लूनिया एवं श्री जिनेंद्र बैद ने नमस्कार महामंत्र एवं मांगलिक मंत्रोच्चार के साथ मंगलभावना पत्र स्थापित करवाया। विधि विधान एवं समुचित मंत्रोच्चार के साथ सब को रक्षाबंधन को जैन संस्कार विधि से कैसे मनाया जाए, यह बताया। अध्यक्ष श्री अभिनंदन नाहटा ने सभी का स्वागत करते हुए संस्कार विधि की महता पर प्रकाश डाला। महिला मंडल अध्यक्ष श्री कविता जी आछा ने आध्यात्मिक राखी के बारे में बताते हुए सभी को संकल्प दिलायें।

इस तरह की कार्यशालाएं जैन समाज के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने में मदद करती हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी संस्कारों के प्रति जागरूक बनाती हैं। इस कार्यशाला में बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और जैन संस्कार विधि के महत्व को समझा। तेयुप का यह प्रयास समाज में धार्मिक और सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ परंपराओं को सहेजने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मंत्री अनिल दुगर ने सभी का आभार ज्ञापन किया। तेरापंथ समाज, तेयुप, महिला मंडल, ज्ञानशाला एवं श्रावक-श्राविकाओं की शानदार उपस्थिति रही।

ओयू कर्मचारी ने चट्टानों, पत्थरों पर की पेंटिंग

पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करने का प्रयास

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कला और पर्यावरण वकालत के एक अनूठे मिश्रण में उस्मानिया विश्वविद्यालय के डॉ. बीआर अंबेडकर मेमोरियल लाइब्रेरी के एक कर्मचारी ने अपने कलात्मक कौशल का उपयोग परिसर की चट्टानों और पत्थरों में एक नया जीवन डालने के लिए किया है। पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करते हुए ई. वेंकन्ना ने लगभग 140 पेंटिंग्स बनाई हैं, जिनमें जानवरों, पक्षियों और प्रदूषण के रूपों को दर्शाया गया है, तथा जल, पेड़, ऊर्जा और पृथ्वी को बचाने का संदेश दिया गया है।

कला और पर्यावरण सक्रियता के प्रति जुनून के साथ, विश्वविद्यालय के मुख्य पुस्तकालय के 45 वर्षीय कर्मचारी ने परिसर में डाकघर के पास एक तोते के आकार की चट्टान पर पेंटिंग बनाकर इस परियोजना की शुरूआत की। एक पेंटिंग के रूप में शुरू हुई यह पहल अब पूरे परिसर में फैल चुकी है जहा जानवरों, पक्षियों और पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर उनकी रंगीन पेंटिंग अब परिसर में कई चट्टानों की शोभा बढ़ा रही हैं। उनकी प्रतिभा से प्रभावित होकर और उनके संदेश से प्रभावित होकर, विश्वविद्यालय के कई कर्मचारियों, छात्रों और पैदल यात्रियों ने इस कार्य के लिए दान देना शुरू कर दिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

संन्यास के फैसले को लेकर अनिश्चित हैं विनेश फोगाट

कुश्ती जारी रखने पर कही बड़ी बात

नई दिल्ली, , 18 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट पेरिस ओलंपिक के बाद अपने संन्यास लेने के फैसले को लेकर अनिश्चित हैं। विनेश ने 50 किग्रा वर्ग में फाइनल में पहुंचने के बाद अयोग्य करार दिए जाने के बाद अचानक से कुश्ती से संन्यास लेने का फैसला किया था। विनेश ने पेरिस में शानदार प्रदर्शन किया था और फाइनल में पहुंचने में सफल रही थीं। विनेश पहली भारतीय पहलवान थीं जो ओलंपिक फाइनल तक पहुंची हैं, लेकिन स्वर्ण पदक मुकाबले से ठीक पहले उनका वजन निर्धारित सीमा से अधिक पाया गया और उन्हें अयोग्य घोषित किया गया था।

स्वदेश पहुंचने पर हुआ भव्य स्वागत

पदक से चूकने के बावजूद विनेश का स्वदेश पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया था। दिल्ली एयरपोर्ट पर उनके प्रशंसकों ने

विनेश का जोरदार स्वागत किया। विनेश खुली कार में सवार होकर प्रशंसकों का अभिवादन करती रहीं और प्रशंसकों ने उन पर फूलों की बौछार की।

हरियाणा में अपने गांव पहुंचने पर विनेश का सम्मान किया गया जहां उन्होंने स्वीकार किया कि ओलंपिक में पदक से चूकना एक गहरा घाव है जिससे उबरने में समय लेगा।

संन्यास को लेकर क्या बोलीं विनेश?

विनेश ने कहा कि वह अपने संन्यास के फैसले को लेकर अनिश्चित हैं। उन्होंने हालांकि इस मामले में ज्यादा कुछ नहीं बोला, लेकिन आश्वासन दिया कि उनकी लड़ाई जारी रहेगी। विनेश ने कहा, ओलंपिक पदक से चूकना एक गहरा जख्म है जिससे उबरने में समय लगेगा। लेकिन मैं देशवासियों, परिवार और गांव वालों का धन्यवाद देती हूं जिन्होंने मुझे इतना प्यार दिया और इस दुख से उबरने में मेरी मदद की। मुझे लगा कि मैं कुश्ती छोड़ दूंगी, लेकिन फिलहाल कुछ नहीं कह सकती कि मैं कुश्ती छोड़ूंगी या इसे जारी रखूंगी। आपने मुझे जो भी साहस दिया है, उसे मैं सही दिशा में ले जाना चाहती हूं। हमारी लड़ाई खत्म नहीं हुई है। मैंने अभी इसका एक हिस्सा पार किया है लेकिन वह भी पूरा नहीं हो सका। यह एक लंबी लड़ाई है, हम पिछले एक साल से इसे लड़ रहे हैं और यह जारी रहेगी। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि सत्य की जीत हो।

खेल पंचाट में अपील हुई खारिज

विनेश ने अयोग्य करार दिए जाने के फैसले के खिलाफ खेल पंचाट (सीएएस) में अपील की थी। विनेश ने अपनी अपील में उन्हें संयुक्त रूप से रजत पदक देने की मांग की थी।

हालांकि, उनका यह प्रयास भी काम नहीं आया क्योंकि खेल पंचाट ने उनकी अपील खारिज कर दी थी जिससे उनका पदक जीतने का सपना टूट गया था।

पंत ने दिल्ली लीग में गेंदबाजी की

लेकिन मैच हारे, पहली ही बॉल फुल टॉस डाली

दिल्ली सुपरस्टार्स ने पुरानी दिल्ली-6 को हराया

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय विकेटकीपर ऋषभ पंत गेंदबाजी करते नजर आए। पंत ने दिल्ली प्रीमियर लीग के ओपनिंग मैच का आखिरी ओवर डाला। तब साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स को जीत के लिए आखिरी ओवर में महज एक रन बनाने थे। ऐसे में पंत ने खुद गेंदबाजी करने का फैसला लिया।

26 साल के पंत ने लेग स्पिन गेंदबाजी करते हुए पहली ही बॉल फुल टॉस डाल दी, जिसे बल्लेबाज ने लॉन्ग ऑफ में खेलकर एक रन आसानी से निकाल लिया।

नई दिल्ली अरुण जेटली स्टेडियम में इस मुकाबले में दिल्ली सुपरस्टार्स ने पुरानी दिल्ली-6 को 3 विकेट से हराया।

मैच से पहले एक शानदार

उद्घाटन समारोह में डीडीसीए ने टी-20 वर्ल्ड कप जीतने पर पंत सम्मान किया। यह दिल्ली प्रीमियर लीग का पहला सीजन है।

दिल्ली-6 ने दिया 198 रन का टारगेट

मैच में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। जहां पहले बल्लेबाजी करते हुए पुरानी दिल्ली-6 ने निर्धारित 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 197 रन बनाए। ओपनर अर्पित बाला ने 41 गेंदों पर 59 रनों की पारी खेली। जबकि कप्तान ऋषभ पंत ने 34 गेंदों पर 35 रन और ललित यादव ने 21 गेंदों पर 34 रन बनाए। आखिर में वंश बेदी ने 19 गेंदों पर 47 रन बनाकर टीम के लिए फिनिश की भुमिका निभाई।

आखिरी ओवर में जीते सुपरस्टार्ज, बडोनी की फिफ्टी

198 रन का टारगेट चेज कर रही साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने 19.1 ओवर में 7 विकेट पर 198 रन बनाते हुए जीत हासिल की। टीम को आखिरी ओवर में एक रन बनाने थे। ऐसे में कप्तान पंत ने खुद गेंदबाजी का फैसला लिया। उन्होंने लेग स्पिन गेंदबाजी की। पंत ने पहली बॉल पर फुल टॉस डाली, जिस पर बल्लेबाज ने लॉन्ग ऑन से एक रन निकाला।

सुपरस्टार्ज की ओर से प्रियांस आर्या ने 57 रन, सार्थक राय ने 41 रन और आयुष बडोनी ने 57 रनों की पारी खेली।

विराट कोहली हैं सबसे ज्यादा कैच छोड़ने वाले खिलाड़ी

भारत में इनसे खराब रिकॉर्ड किसी का नहीं!

मुंबई, 18 अगस्त (एजेंसियां)। कहते हैं पकड़ो कैच, जीतो मैच. लेकिन, लगता है विराट कोहली को सिर्फ बल्ले से ही मैच जिताना आता है. क्योंकि, इंटरनेशनल क्रिकेट में कैच तो वो पकड़ नहीं रहे. पिछले 5 साल के जो आंकड़े सामने आए हैं, उसमें विराट कोहली का प्रदर्शन इस मामल में सबसे बदतर है. उनका रिकॉर्ड दूसरे भारतीय खिलाड़ियों की तुलना में इस दौरान सबसे बेकार रहा है. इंटरनेशनल क्रिकेट में जिस आंकड़े के आधार पर हम विराट कोहली पर कैच ना पकड़ने का आरोप लगा रहे हैं, वो साल 2019 से लेकर अब तक का है.

पिछले 5 सालों में विराट ने छोड़े सबसे ज्यादा कैच

साल 2019 से अब तक विराट

कोहली कैच छोड़ने के मामले में नंबर वन भारतीय रहे हैं. ये सिलसिला क्रिकेट के तीनों ही फॉर्मेट में जारी रहा है. और, अगर तीनों फॉर्मेट में टपकाए कुल कैच को जोड़ दिया जाए तो जो फीगर आता है, वो विराट कोहली के कद को मैच करने वाला नहीं दिखता. वो आंकड़ा हैरान करता है.

विराट ने 36 कैच छोड़े, रोहित ने 33 कैच टपकाए

विराट कोहली ने इंटरनेशनल क्रिकेट में साल 2019 से अब तक कुल 36 कैच टपकाए हैं. इस दौरान कैच छोड़ने के मामले में दूसरे भारतीय खिलाड़ियों का ग्राफ देखें तो रोहित शर्मा ने 33 कैच छोड़े हैं और वो लिस्ट में नंबर 2 हैं. यानी सिर्फ 69 कैच इंटरनेशनल क्रिकेट में पिछले 5 सालों में विराट और रोहित ने मिलकर टपकाए हैं.

जडेजा और गिल टॉप 5 से बाहर

2019 से अब तक मोहम्मद सिराज ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 16 कैच छोड़े हैं, और वो तीसरे नंबर पर हैं. लिस्ट में चौथा नंबर चहल का है, जिन्होंने 13 कैच छोड़े हैं. जबकि 12 कैच छोड़कर श्रेयस अय्यर 5वें स्थान पर हैं. रवींद्र जडेजा और शुभमन गिल जैसे खिलाड़ी इस दौरान सबसे कम कैच छोड़ने वाले खिलाड़ी रहे हैं. तीनों फॉर्मेट मिलाकर ये बस 11-11 कैच ही छोड़ सके हैं.

विराट और रोहित ने किस फॉर्मेट में छोड़े कितने कैच?

साफ है विराट कोहली और रोहित शर्मा पिछले 5 सालों में 2 सबसे ज्यादा कैच छोड़ने वाले भारतीय खिलाड़ी रहे हैं. अगर फॉर्मेट वाइज इन दोनों के छोड़े कैचों की तुलना करें तो वनडे को छोड़ बाकी दो फॉर्मेट में विराट आगे ही खड़े नजर आते हैं. विराट कोहली ने टेस्ट में 16 कैच छोड़े हैं, जबकि रोहित ने इस फॉर्मेट में 10 कैच टपकाए हैं. विराट ने T20I में 13 कैच टपकाए, जबकि रोहित ने 9 कैच छोड़ दिए. वहीं वनडे में कोहली ने 7 कैच ही छोड़े हैं. वहीं रोहित का फीगर इस फॉर्मेट में विराट के मुकाबला डबल यानी 14 है.

पैट कमिंस लंबे समय तक नहीं खेलेंगे क्रिकेट

टीम इंडिया को लगातार 5वीं बार ऐसा करने से रोकने लिए उठाया बड़ा कदम

खेल डेस्क, 18 अगस्त (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस ने लंबे समय के लिए क्रिकेट से किनारा कर लिया है. क्रिकेट से ये दूरी उन्होंने अपने वर्कलोड को मैनेज कर खुद को तरोताजा करने के लिए बनाई है. खबर है कि कमिंस 7 से 8 हफ्ते क्रिकेट खेलते नहीं दिखेंगे. इंग्लैंड और स्कॉटलैंड दौरे की ऑस्ट्रेलियाई टीम में भी उनका सेलेक्शन इसी वजह से नहीं हुआ है. यानी, कमिंस का इरादा अब सीधे भारत के खिलाफ नवंबर 2024 से जनवरी 2025 के बीच होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में वापसी करने का है. क्रिकेट फील्ड पर कमिंस ने अपना आखिरी मैच पिछले महीने अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट में खेला था. फॉक्स स्पोर्ट्स से बातचीत में कमिंस ने कहा कि भारत

के खिलाफ होने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज से पहले वर्कलोड को मैनेज करना जरूरी है. उन्होंने कहा कि वो लगभग 18 महीने से लगातार क्रिकेट खेल रहे हैं. ऐसे में 7-8 हफ्ते आराम की जरूरत है ताकि शरीर को रिकवर कर तरोताजा होने का टाइम मिल सके.

इंटरनेशनल क्रिकेट में पैट कमिंस के लिए पिछले 12 महीने काफी व्यस्त रहे हैं. इस दौरान उन्होंने भारत से वनडे सीरीज खेली. वनडे वर्ल्ड कप जीता, पाकिस्तान में 3 टेस्ट की सीरीज जीती, वेस्ट इंडीज में 2 टेस्ट की सीरीज जीती, टी20 और टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड का दौरा किया, आईपीएल में एसआरएच की कप्तानी की, टी20 वर्ल्ड कप खेला और अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट में हिस्सा लिया.

अब इतने व्यस्त शेड्यूल के बाद आराम तो बनता है. लेकिन, अगर आप सोच रहे हैं कि पैट कमिंस के क्रिकेट से दूर होने की वजह सिर्फ इतनी सी है तो आप गलत है. इसके पीछे की एक बड़ी वजह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से भी जुड़ी है. दरअसल, पैट कमिंस के कैबिनेट में यही एक ट्रॉफी है जो नहीं है. ऐसा इसलिए क्योंकि 2016 के बाद से अब तक बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी पर टीम इंडिया का कब्जा है.

भारतीय हॉकी टीम के सदस्य अमित रोहिदास को ओडिशा सरकार ने किया सम्मानित

भुवनेश्वर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे अमित रोहिदास को ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने लोक सेवा भवन में सम्मानित किया। वह भारतीय पुरुष हॉकी टीम में ओडिशा के एकमात्र खिलाड़ी हैं। समारोह के दौरान माझी ने रोहिदास की प्रशंसा करते हुए उन्हें राज्य का गौरव बताया।

सीएम ने की रोहिदास की तारीफ

सीएम ने अमित को युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया और साथ ही हॉकी के समर्थन को लेकर राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को भी दोहराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय हॉकी टीम की स्पांसरशिप 2036 ओलंपिक तक जारी रहेगी। रोहिदास ने मुख्यमंत्री को ओलंपिक जर्सी भेंट की।

ओडिशा सरकार ने किया बड़ा एलान

मुख्यमंत्री मांझी ने कहा कि सभी खिलाड़ियों के ऑटोग्राफ युक्त जर्सी ओडिशा के हॉकी खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी। इससे पहले ओडिशा सरकार ने रोहिदास को चार करोड़ रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की। भारतीय हॉकी टीम के सभी खिलाड़ियों को 15-15 लाख रुपये दिए जाएंगे। वहीं, सपोर्ट स्टाफ को 10-10 लाख रुपये दिया जाएगा।

जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप के लिए भारत की 39 सदस्यीय टीम चीन रवाना

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। अगले वर्ष होने वाली विश्व जूनियर चैंपियनशिप से पहले भारत ने चीन के चेंगदू में 20-25 अगस्त तक होने वाली बैडमिंटन एशिया (अंडर-15/अंडर-17) जूनियर चैंपियनशिप के लिए 39 सदस्यीय टीम भेजी है। इसका उद्देश्य अगले साल होने वाली चैंपियनशिप से पहले खिलाड़ियों का एक मजबूत पूल तैयार करना है।

इनको मिली अहम जिम्मेदारी

बेंगलुरु में चयन ट्रायल के बाद चुनी गई भारतीय टीम का अंडर 17 वर्ग में नेतृत्व ज्ञान दत्तू और तन्वी रेड्डी एंडलुरी करेंगे जबकि अंडर 15 वर्ग में श्याम बिंदिगनविले और तन्वी पत्री शीर्ष एकल खिलाड़ी होंगे। चेंगदू में ही हुए बैडमिंटन एशिया जूनियर

चैंपियनशिप के पिछले सत्र में भारत ने एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक जीता था। बोर्निल चांगमेई अंडर-15 पुरुषों के वर्ग में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीत चुके हैं।

बीएआई के सचिव संजय मिश्रा का बयान

भारतीय और विदेशी कोचों के मार्गदर्शन में गुवाहाटी के नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में तैयारी शिविर के बाद भारतीय दल चेंगदू के लिए रवाना हुआ। टीम की संभावनाओं के बारे में बात करते हुए भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) के सचिव संजय मिश्रा ने कहा - भारत बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप के लिए सबसे बड़ी टीम में से एक को मैदान में उतार रहा है और मुझे पूरा विश्वास है कि हम काफी पदक जीत सकते हैं।

शाइना लेंगी दो स्पर्धाओं में भाग

शाइना मणिमुथु दो स्पर्धाओं में भाग लेने वाली एकमात्र खिलाड़ी होंगी। वह अंडर-17 वर्ग में महिलाओं के एकल अलावा एक्या शेट्टी के साथ युगल स्पर्धा में भी हिस्सा लेंगी। संजय मिश्रा ने कहा - खिलाड़ियों और कोच ने शिविर में बहुत मेहनत की है और हमारे खिलाड़ी अब प्रतियोगिता में अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं।

अरशद नदीम के सम्मान में कई ओलंपियन का किया गया अपमान?

निमंत्रण रद्द करने का लगा आरोप

कराची, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान सरकार ने पेरिस ओलंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी अरशद नदीम के सम्मान में रात्रिभोज आयोजित किया, लेकिन इसमें भी विवाद खड़ा हो गया। पाकिस्तान के पूर्व हॉकी खिलाड़ी राव सलीम नाजिम ने दावा किया कि पाकिस्तान सरकार ने नदीम के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम के निमंत्रण को अतिथि प्रबंधन के नाम पर वापस लेकर कई ओलंपियन का अपमान किया है। नदीम ने ओलंपिक रिकॉर्ड 92.97 मीटर की दूरी के साथ पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था। पाकिस्तान का पिछला ओलंपिक पदक 1992 के बार्सीलोना खेलों में हॉकी का कांस्य पदक था। उनके थ्रो ने आसानी से नॉर्वे के एंड्रियास थोरकिल्डसन के 200 बीजिंग ओलंपिक में बनाए गए 90.57 मीटर के पिछले ओलंपिक रिकॉर्ड को पार कर लिया। पाकिस्तान ने ओलंपिक में अपना पिछला स्वर्ण पदक 1984 में लॉस एंजिलिस में हॉकी में ही जीता था।

नदीम से पहले ओलंपिक का पिछला पदक भी पाकिस्तान की हॉकी टीम के नाम है। टीम ने 1992 में कांस्य पदक जीता था। पाकिस्तान के पूर्व हॉकी खिलाड़ियों के मंच का नेतृत्व करने वाले नाजिम ने कहा, पीएम हाउस ने इस समारोह में शामिल होने के लिए हॉकी के कई दिग्गजों को निमंत्रण भेजा था और उन सभी को उनके निमंत्रण की पुष्टि करने वाले ईमेल मिले थे। लेकिन आखिरी समय में हमारे में से कई लोगों को प्रधानमंत्री सचिवालय से संदेश मिला कि मेहमानों की संख्या समायोजित करने में कठिनाई हो रही है।

साउथ अफ्रीका ने 40 रन से जीता दूसरा टेस्ट

वेस्टइंडीज से सीरीज 1-0 से जीती, केशव महाराज रहे प्लेयर ऑफ सीरीज

गयाना, 18 अगस्त (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका ने टेस्ट सीरीज के दूसरे और आखिरी मुकाबले में वेस्टइंडीज को 40 रन से हर दिया। साउथ अफ्रीका ने 2 टेस्ट मैचों की सीरीज 1-0 से जीत ली है। पहला मुकाबला ड्रॉ रहा था।

साउथ अफ्रीका की वेस्टइंडीज पर यह लगातार 10वीं टेस्ट सीरीज जीत है। स्पिनर केशव महाराज प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे। उन्होंने 13 विकेट लिए।

गुयाना में वेस्टइंडीज को दूसरी पारी में जीत के लिए साउथ अफ्रीका की ओर से 263 रन का टारगेट मिला, लेकिन पूरी टीम 66.2 ओवर में 222 रन ही बना सकी। पहली पारी में साउथ अफ्रीका ने 160 रन पर आउट होने के बाद दूसरी पारी में 246 रन बनाए थे। वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 144 रन बनाए थे।

इस जीत से साउथ अफ्रीका वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 की पॉइंट्स टेबल के 5वें नंबर पर आ गई है। टीम के पास 38.89% अंक हैं।खराब रही विंडीज की शुरुआत

जीत के लिए 263 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ओपनर माइकल लुईस 4 रन बनाकर कगिसो रबाडा की गेंद पर कैच आउट हो गए।

इसके बाद कप्तान क्रैग ब्रेथवेट ने कैसी कार्टी के साथ मिलकर पारी को संभाला और स्कोर 50 रन के पार पहुंचाया, लेकिन 54 के स्कोर पर ब्रेथवेट 25 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद जल्दी ही कार्टी भी मुडलर की गेंद पर बोल्ड हो गए। उन्होंने 17 रन बनाए।

104 रन पर विंडीज ने गंवाए 6 विकेट

वेस्टइंडीज ने 62 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद एलिक अथनाजे और केवम हॉज ने पारी को आगे बढ़ाया, लेकिन दोनों स्कोर को 99 रन तक ले जा सके और रबाडा ने हॉज को बोल्ड करके इस साझेदारी को तोड़ दिया। टीम को 100 रन के पार पहुंचाने के बाद अथनाजे भी पवेलियन लौट गए।

104 रन पर वेस्टइंडीज के जिसके बाद गुणाकेश मोती और जोशुआ डिसिल्वा ने पारी को संभाला और टीम का स्कोर 181 तक ले कर गए। दोनों के बीच 105 गेंदों पर 77 रन की साझेदारी हुई। मोती ने 59 गेंदों का सामना कर 45 रन और डिसिल्वा ने 51 गेंद का सामना कर 27 रन बनाए।

इन दोनों के आउट होने के बाद जोमिल वॉरिकन ने पारी को संभालने का प्रयास किया और एक छोर पर डटे रहे, पर उन्हें किसी अन्य बैटर का साथ नहीं मिल पाया। वे 25 रन बना कर नाबाद रहे। साउथ अफ्रीका की ओर से केशव महाराज और कगिसो राबाडा ने 3-3 विकेट लिए। वियान मुडलर और डेन पिडिट ने 2-2 विकेट लिए।

साउथ अफ्रीका ने 23 रन बनाकर गंवाए 5 विकेट

गयाना के प्रोविडिंस स्टेडियम में खेले गए दूसरे और निर्णायक मुकाबले में साउथ अफ्रीका की टीम दूसरी पारी में 246 रन ही बना पाई। तीसरे दिन 5 विकेट पर 223 रन से आगे खेलते हुए 23 रन जोड़कर सिमट गई और10.4 ओवर में अपने आखिरी 5 विकेट गंवाए। वेस्टइंडीज के जेडन सील्स 61 रन देकर 6 विकेट झटके। जबकि गुणाकेश मोती और जोमेल वॉरिकन ने 2-2 विकेट लिए।

आर्सेनल ने जीत के साथ शुरू किया अभियान

वॉल्व्स को 2-0 से हराया, साका का दमदार प्रदर्शन

खेल डेस्क, 18 अगस्त (एजेंसियां)। इस मुकाबले में आर्सेनल शुरुआत से ही हावी रही। हालांकि, वॉल्व्स के खिलाड़ियों ने विरोधियों का डटकर सामना किया। 14वें मिनट में बुकायो साका ने जोस सा को बचाव के लिए मजबूर किया और इसके बाद बेन व्हाइट ने काफी दूर से शॉट मारा। आर्सेनल ने वॉल्व्स पर 2-0 से जीत के साथ अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। साका ने एक गोल किया और काई हैवर्टज को ओपनर के लिए तैयार किया, जिससे गनर्स ने पहले सप्ताहांत में बढ़त हासिल कर ली। दूसरे हाफ में वॉल्व्स ने शुरुआत में हाथ-पांव मारे लेकिन गैरी ओ'नील की सेना वापसी करने से चूक गई।

खेल डेस्क, 18 अगस्त (एजेंसियां)। इस मुकाबले में आर्सेनल शुरुआत से ही हावी रही। हालांकि, वॉल्व्स के खिलाड़ियों ने विरोधियों का डटकर सामना किया। 14वें मिनट में बुकायो साका ने जोस सा को बचाव के लिए मजबूर किया और इसके बाद बेन व्हाइट ने काफी दूर से शॉट मारा। आर्सेनल ने वॉल्व्स पर 2-0 से जीत के साथ अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। साका ने एक गोल किया और काई हैवर्टज को ओपनर के लिए तैयार किया, जिससे गनर्स ने पहले सप्ताहांत में बढ़त हासिल कर ली। दूसरे हाफ में वॉल्व्स ने शुरुआत में हाथ-पांव मारे लेकिन गैरी ओ'नील की सेना वापसी करने से चूक गई।

इस मुकाबले में आर्सेनल शुरुआत से ही हावी रही। हालांकि, वॉल्व्स के खिलाड़ियों ने विरोधियों का डटकर सामना किया। 14वें मिनट में बुकायो साका ने जोस सा को बचाव के लिए मजबूर किया और इसके बाद बेन व्हाइट ने काफी दूर से शॉट मारा। साका ने 19वें मिनट में एक बार फिर सा को चुनौती दी। वॉल्व्स ने अपना खेल आगे बढ़ाया। दरअसल, बेलेगार्डे का फ्रीकिक बार के ऊपर चला गया था। इस स्थिति में 36वें मिनट में जॉर्गेन लार्सन ने एक स्पष्ट हेडर लगाया, जिसे डेविड राया ने बचाया। आर्सेनल के पास 44वें मिनट में 2-0 का स्कोर बनाने का मौका था, जब मार्टिनेली का शॉट ऊपर चला गया।

भट्टी ने सरदार सर्वई पापन्ना गौड़ को जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

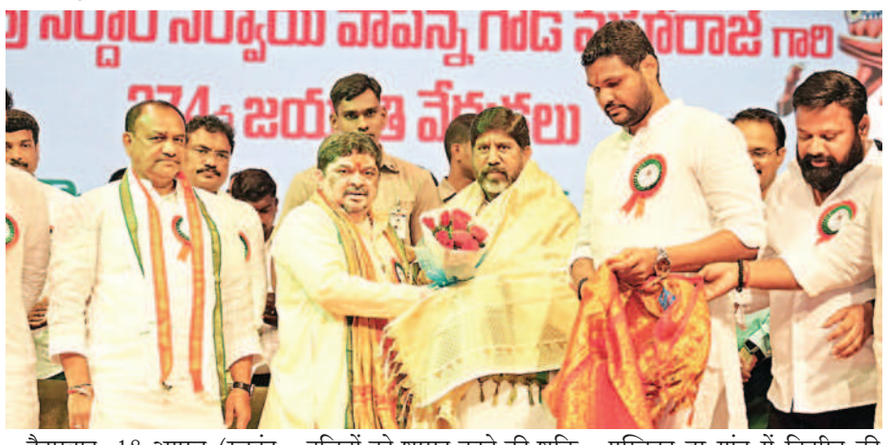

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने दलितों के अधिकारों के लिए सामंती ताकतों के खिलाफ लड़ने वाले सरदार सर्वई पापन्ना को श्रद्धांजलि अर्पित की है। रविवार को सरदार पापन्ना की जयंती के अवसर पर बोलते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की इंदिराम्मा राज्यम अवधारणा ने सरदार पापन्ना के जीवन से प्रेरणा ली है। भट्टी ने कहा, "पापन्ना चाहते थे कि दलितों को शासन करने की शक्ति मिले और उन्होंने इसे हासिल करने का प्रयास किया। उन्होंने कमजोर वर्गों को उनके जीवन स्तर में सुधार के लिए पर्याप्त अवसर दिलाने के लिए संघर्ष किया।"

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने पापन्ना के जन्म और मूल स्थान को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए 4.7 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। पापन्ना के जीवन इतिहास पर एक पुस्तिका हर गांव में वितरित की जानी चाहिए और लोगों को इसकी प्रतियां दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार इसके लिए आवश्यक धनराशि मंजूर करेगी।

कांग्रेस सरकार ने कमजोर वर्गों के लिए बड़े पैमाने पर बजट आवंटित किया है और कई कार्यक्रमों को लागू कर रही है। एकीकृत स्कूलों के निर्माण के लिए बजट में 5,000 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई थी क्योंकि सरकार का मानना था कि केवल अच्छी शिक्षा प्रणाली के माध्यम से ही बदलाव लाया जा सकता है। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले उम्मीदवारों की मदद के लिए हर निर्वाचन क्षेत्र में मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग प्रदान की जा रही है। हर निर्वाचन क्षेत्र में अंबेडकर ज्ञान केंद्र बनाए जाएंगे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पापन्ना की जीवन गाथा को प्रचारित करने के लिए धन की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा, "यदि बीसी कल्याण मंत्री योजना बनाते हैं, तो राज्य सरकार को मंजूरी दी जाएगी।" उन्होंने शहर के मध्य में सर्वई पापन्ना की प्रतिमा स्थापित करने की जिम्मेदारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर को सौंपी। उन्होंने खुलासा किया, "यदि कोई स्थान चिन्हित हो जाता है, तो सरकार योजना को क्रियान्वित करने के लिए तैयार है।" भट्टी ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने उनसे यह संदेश साझा करने को कहा कि राज्य सरकार पापन्ना गौड़ के विचारों और उद्देश्यों को लागू करेगी।

चेन्नई के अस्पताल में वरिष्ठ गायिका पी सुशीला भर्ती

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ पार्श्व गायिका पी सुशीला को रविवार को खराब स्वास्थ्य के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया। 88 वर्षीय गायिका को चेन्नई के कावेरी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें कथित तौर पर पेट में तेज दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल ले जाया गया था। गायक के परिवार ने जहां प्रशंसकों और शुभचिंतकों को आश्वस्त किया है कि गायक की अच्छी देखभाल की जा रही है, वहीं अस्पताल ने भी पुष्टि की है कि गायक की हालत स्थिर है। 2009 में पद्म भूषण से सम्मानित पी सुशीला कई सालों तक लाइमलाइट से दूर रहीं। उन्हें 'गाना कोकिला' के नाम से जाना जाता था और भारतीय भाषाओं में सबसे ज़्यादा गाने गाने के लिए गिनीज़ बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में उनका नाम दर्ज है।

मेजर गोपाल नायडू को अडिग नेतृत्व और दो आतंकवादियों को मार गिराने के लिए कीर्ति चक्र

आंध्र प्रदेश के किसान परिवार से है मेजर

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के संथाबोम्मली मंडल के नागरीपेंटा गांव के मेजर मल्ला राम गोपाल नायडू को इस साल 78वें स्वतंत्रता दिवस पर शांति काल में दूसरा सबसे बड़ा वीरता पुरस्कार कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया है। मेजर नायडू सैनिक स्कूल कोरुकोंडा (2005 से 2012) के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने 2012 से 2015 तक पुणे में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और 2016 में भारतीय सैन्य अकादमी में प्रशिक्षण लिया। वे ऑर्डर ऑफ मेरिट में प्रथम स्थान पर रहे और भारतीय सैन्य अकादमी में राष्ट्रपति स्वर्ण पदक प्राप्त किया। वह वर्तमान में जम्मू और कश्मीर में राष्ट्रीय राइफल्स की एक बटालियन के साथ सेवारत हैं। 26 अक्टूबर 2023 को, वह सीमा पर कुपवाड़ा सेक्टर में एक गश्ती दल का नेतृत्व कर रहे थे और एक आतंकवादी समूह के साथ संपर्क स्थापित किया। मेजर मल्ला राम गोपाल नायडू नियंत्रण रेखा पर

तैनात घात दल की कमान संभाल रहे थे। उनके सैनिकों ने पाँच आतंकवादियों को देखा। उन्होंने उन्हें फँसाने के लिए तुरंत अपना घात दल बदल दिया। भीषण गोलीबारी शुरू हुई और आतंकवादी पत्थरों के पीछे छिप गए। अधिकारी ने एक निगरानी अभियान चलाया और एक आतंकवादी के स्थान की पहचान की। हालाँकि, आतंकवादियों ने उसे देख लिया और भारी गोलीबारी शुरू कर दी। अपने सैनिकों के लिए खतरे को भांपते हुए, उन्होंने एक आतंकवादी को मार गिराया और एक अन्य आतंकवादी को घायल कर दिया, जिसने उनके दल पर भारी गोलीबारी की। अधिकारी ने गोलीबारी की बौछार के बीच पलटकर आतंकवादी को गोली मार दिया, जिससे तीन आतंकवादियों का सफाया हो गया। तलाशी के दौरान एक गुफा में छिपे पांचवें आतंकवादी ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। अधिकारी गुफा की ओर भागा, और आतंकवादी ने उस पर ग्रेनेड फेंके, लेकिन वह बाल-बाल बच गया। आतंकवादी के सामने पल भर की चुनौती का लाभ उठाते हुए, उसने उसे मार गिराया। अपने सैनिकों की जान बचाते हुए, दृढ़ निश्चयी और अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए क्लिनिकल ऑपरेशन की योजना बनाने और उसे अंजाम देने, अडिग नेतृत्व और दो आतंकवादियों को मार गिराने के लिए मेजर मल्ला राम गोपाल नायडू को "कीर्ति चक्र" से सम्मानित किया गया। वह एक किसान परिवार से हैं और शादीशुदा हैं और उनकी एक बेटी है जो 2 साल की है।

सर्वई पापन्ना गौड़ की संघर्ष भावना सभी के लिए प्रेरणादायक : शशांक

बीसी कल्याण विभाग के तत्वावधान में मनाई गई जयंती

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला कलेक्टर शशांक ने कहा कि सरदार सर्वई पापन्ना गौड़ द्वारा जारी संघर्ष का जज्बा सभी के लिए प्रेरणादायी है। जिला कलेक्टर शशांक ने रविवार को सरवई पपन्ना गौड़ की 374वीं जयंती के उपलक्ष्य में जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग में आयोजित जन्मदिन समारोह में भाग लिया और सर्वई पापन्ना गौड़ की छवि पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर बोलते हुए, कलेक्टर ने कहा कि सेनानी सरवई पपन्ना गौड़ ने अन्याय का सामना किया और सरवई पपन्ना गौड़ द्वारा दिखाई गई लड़ाई की भावना को असाधारण बताया। उन्होंने कहा कि उन दिनों जब राजशाही व्यवस्था जारी थी, एक आम आदमी जो जातिगत पेशे में विश्वास रखता था और जातिगत पेशे पर टैक्स लगाने के खिलाफ रहता था, उसने

असाधारण वीरता के साथ लड़ाई लड़ी। हजारों लोगों के साथ एक सेना खड़ी करके और कराधान प्रणाली के बिना एक महान प्रशासन प्रदान करके उस समय के अत्याचार को कम करने के लिए उनकी प्रशंसा की जाती है। उन्होंने कहा कि गोलकोंडा किले को जीतना और लोकप्रिय रूप से शासन करना सरवई की बहादुरी को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि सरवई पप्पनगौड का मार्गदर्शन बहुत उपयोगी है और उन्होंने लोगों से कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया ताकि आम लोगों को उस महान व्यक्ति की महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप फल मिल सके। समाज में सभी लोग समान नहीं हैं की भावना को बढ़ावा देने के लिए सभी को दलित वर्गों के उत्थान में योगदान देना चाहिए। अपर कलेक्टर प्रतिमा सिंह श, बी.सी. कल्याण विभाग के अधिकारियों, बीसी एसोसिएशन के सदस्यों, कर्मचारियों और अन्य लोगों ने भाग लिया।

विश्व फोटोग्राफी दिवस पर समारोह आज

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सूचना एवं नागरिक संबंध विभाग के तत्वावधान में विश्व फोटोग्राफी दिवस समारोह सोमवार सुबह सिकंदराबाद ग्रीन पार्क होटल में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में राज्य राजस्व, सूचना नागरिक संबंध, आवास विभाग मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी मुख्य अतिथि होंगे। इस कार्यक्रम में राज्य मीडिया अकादमी के अध्यक्ष श्रीनिवास रेड्डी, राज्य सूचना नागरिक संबंध विभाग के आयुक्त हनुमंत राव, मुख्यमंत्री कार्यालय के सीपीआरओ अयोध्या रेड्डी और कई अधिकारी भाग लेंगे। विशिष्ट सेवाएं देने वाले कई फोटोग्राफरों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जायेगा।

तेलंगाना में बिजली खपत में हुई तीव्र वृद्धि

10 हजार से 14 हजार मेगावाट पहुंच गई मांग * 15 अगस्त को 14,268 मेगावाट थी अधिकतम मांग

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में अगस्त महीने के दौरान बिजली खपत में तीव्र वृद्धि देखी गई, जिससे राज्य की बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) को मांग को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर बिजली खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। जुलाई में बिजली की औसत खपत 180 मिलियन यूनिट (एमयू) प्रतिदिन थी, जो पिछले एक सप्ताह में 290 एमयू से ऊपर पहुंच गई है। इसी तरह, जुलाई में अधिकतम मांग 10,000 मेगावाट से कम थी, जो अगस्त में 14,000 मेगावाट को पार कर गई है।

15 अगस्त को अधिकतम मांग 14,268 मेगावाट थी और बिजली की खपत 287.48 एमयू थी। इसी तरह 14 अगस्त को अधिकतम मांग 14,765 मेगावाट थी, जबकि बिजली की खपत 290.54 एमयू थी। पिछले साल 15 अगस्त को बिजली की खपत 252.41 एमयू थी और 14 अगस्त को 269 एमयू थी। अधिकारियों के अनुसार, कृषि क्षेत्रों में मानसून के मौसम में सिंचाई जलाशयों में प्रचुर मात्रा में पानी आने और भूजल स्तर में वृद्धि के कारण बिजली की खपत आम तौर पर कम हो जाती है। गर्मियों की तुलना में अपेक्षाकृत कम तापमान के कारण घरेलू खपत भी कम है। बिजली अधिकारियों ने कहा कि अगस्त में बिजली की उच्च मांग को असामान्य माना जाता है क्योंकि यह मानसून का महीना होता है लेकिन, इस साल सूखे और नमी के कारण स्थिति अलग रही है। इसने मई और जून जैसे गर्मियों के महीनों में खपत को भी पीछे छोड़ दिया है। इस साल अप्रैल की तुलना में अगस्त महीने में बिजली की खपत बराबर या उससे ज़्यादा है।

अधिकारियों ने बताया कि राज्य में बिजली की मांग में वृद्धि दिन के बढ़ते तापमान, कृषि बिजली उपयोग और औद्योगिक बिजली उपयोग के कारण हुई है। बिजली अधिकारियों ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में राज्य में उद्योगों, आईटी कंपनियों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की संख्या में वृद्धि और घरेलू खपत में वृद्धि के कारण राज्य में बिजली की मांग बढ़ रही है। बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए बिजली कंपनियां खुले बाजार से बिजली खरीद रही हैं। सूत्रों के मुताबिक डिस्कॉम रोजाना खुले बाजार से करीब 8 से 9 करोड़ रुपये की बिजली खरीद रही हैं।

शिक्षक अभ्यर्थियों ने सीएम आवास के सामने किया प्रदर्शन

की नियुक्ति की मांग

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुकुल शिक्षक अभ्यर्थियों ने रविवार को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के आवास के बाहर फिर से धरना दिया और नियुक्ति की मांग की। उन्होंने राज्य सरकार से अनुरोध किया कि वह विभिन्न विभागों के अंतर्गत तेलंगाना आवासीय शैक्षणिक संस्थानों (टीआरईआई) में लगभग 2,500 रिक्त पदों को भरने के लिए डाउन मेरिट सूची जारी करे और भर्ती करे। रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर अभ्यर्थियों ने अपने बच्चों के साथ एक फ्लेक्सी बैनर प्रदर्शित कर मुख्यमंत्री को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं तथा उनसे उनकी चिंताओं का समाधान करने का आग्रह किया। शिक्षक अभ्यर्थी पिछले 3 महीनों से अपने मुद्दों को उजागर करने के लिए विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे पहले, उन्होंने पेद्दम्मा थल्ली मंदिर के पास भिक्षा मांगकर और घुटनों के बल चलकर विरोध प्रदर्शन किया था।

शिक्षक अभ्यर्थियों ने रेवंत रेड्डी को संबोधित एक पत्र जारी किया, जिसमें कहा गया कि टीआरईआई भर्ती बोर्ड विभिन्न आवासीय शिक्षण संस्थानों में लगभग 9,210 पदों के लिए परीक्षा आयोजित करता है। अलग-अलग कैडर के लिए अलग-अलग अधिसूचना जारी करने के बावजूद, बोर्ड ने एक ही विषय की परीक्षाएं एक साथ करा दीं। इसके अलावा, कोई अवरोही क्रम नहीं अपनाया गया।

कुछ उम्मीदवारों ने अलग-अलग कैडर के कई पदों के लिए आवेदन किया और उन्हें एक ही नौकरी मिल गई, जिसके कारण करीब 2,500 पद खाली रह गए। सर्वोच्च न्यायालय के पिछले निर्णयों का हवाला देते हुए, जिनके आधार पर तेलंगाना उच्च न्यायालय ने अंतरिम आदेश जारी किए थे। अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि वे आवासीय शिक्षण संस्थानों में रिक्तियों को जल्द से जल्द डाउन मेरिट (अगली मेरिट) सूची जारी करके भरें और उनके लिए न्याय सुनिश्चित करें।

सरदार सर्वई पापन्ना गौड़ को उनकी जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। लोकप्रिय स्वतंत्रता सेनानी सरदार सर्वई पापन्ना गौड़ को उनकी 374वीं जयंती के अवसर पर रविवार को गांधी भवन में भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नाला प्रभाकर ने सरदार सर्वई पापन्ना गौड़ के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में पीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष एमएलसी महेश कुमार गौड़, राज्यसभा सदस्य अनिल कुमार यादव और अन्य कांग्रेस नेता शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री पोन्नाला प्रभाकर ने कहा कि सरदार सर्वई पापन्ना गौड़ की जयंती तेलंगाना में कमजोर वर्गों के कल्याण को याद करने का दिन माना जाता है। मंत्री ने गरीबों को एकजुट करने और शासकों के खिलाफ लड़ने और गोलकोंडा किले को जीतने के लिए एक अलग सेना बनाने के लिए सरदार सर्वई पापन्ना गौड़ की प्रशंसा की है। "सरदार पापन्ना गौड़ की जीवन गाथा सभी के लिए प्रेरणास्रोत होनी चाहिए और पिछड़े वर्गों की एकता के लिए उनकी लड़ाई एक मार्गदर्शक शक्ति है। लोगों को पापन्ना गौड़ के मार्ग का अनुसरण करना चाहिए और लोकतांत्रिक तरीकों से कमजोर वर्गों की एकता और विकास के लिए काम करना चाहिए।"

बीआरएस पार्षद ने की आत्महत्या की कोशिश

सहायक पुलिस आयुक्त पर परेशान करने का आरोप

मंचेरियल, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के एक पार्षद ने रविवार को यहां अपना गला रेतकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। पार्षद ने आरोप लगाया कि सहायक पुलिस आयुक्त एसीपी आर. प्रकाश उनके खिलाफ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उन्हें परेशान कर रहे हैं। नासपुर नगरपालिका के 21वें वार्ड के पार्षद बेरा सत्यनारायण ने मंचेरियल एसीपी कार्यालय के परिसर में केक काटने के लिए इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक के चाकू से खुद को मारने की कोशिश की। उन्होंने एसीपी पर नासपुर नगर आयुक्त श्रीकांत द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद मामला दर्ज करके उन्हें परेशान करने का आरोप लगाया।

उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत स्थिर बताई गई है। पुलिस ने बताया कि सत्यनारायण पर श्रीकांत और नगरपालिका के कर्मचारियों को फोन पर गाली देने और 16 अगस्त को नासपुर में एक समारोह हॉल के पास नाले पर अवैध निर्माण को हटाने के दौरान उनके काम में बाधा डालने का मामला दर्ज किया गया है। जांच के सिलसिले में उन्हें एसीपी कार्यालय में बुलाया गया था।

सत्यनारायण ने पत्रकारों से कहा कि उन्हें इस मामले में फंसाया गया है, हालांकि उन्होंने नगर निगम आयुक्त को गाली नहीं दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिस जमीन पर यह ढांचा बनाया गया था, वह उनकी नहीं थी। उन्होंने खेद व्यक्त किया कि पुलिस जानबूझकर उन्हें निशाना बना रही है। उन्होंने कहा कि एसीपी उन्हें जमीन हड़पने वाला बताकर धमका रहे हैं। सत्यनारायण ने 2018 में तेलंगाना विधानसभा के चुनाव में बीएसपी के टिकट पर चुनाव लड़ा था। वह नासपुर के पूर्व मंडल परिषद अध्यक्ष थे।

स्कूटर फिसलने से 28 वर्षीय व्यक्ति की मौत

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार रात वनस्थलीपुरम में सड़क पर स्कूटर फिसलने से 28 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। पीड़ित कादरी शंकर (28), बोडुप्पल निवासी, सागर रिंग रोड से बैरमलगुडा की ओर जा रहा था, तभी उसका स्कूटर सड़क पर फिसल गया। वनस्थलीपुरम के सब इंस्पेक्टर एम वेंकटेश्वरलू ने बताया कि शंकर सड़क पर गिर गया और उसके सिर में चोट लग गई। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान एक घंटे बाद उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

सरकार टैंक बंड में पापन्ना की प्रतिमा स्थापित करे : केटीआर

राजन्ना सिरसिला, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने प्रस्ताव दिया कि राज्य सरकार को हैदराबाद के टैंक बंड में सरदार सर्वई पापन्ना की प्रतिमा स्थापित करनी चाहिए। सरदार सर्वई पापन्ना जयंती में भाग लेते हुए केटीआर ने कहा कि प्रतिमा स्थापित करने के अलावा, एक जिले का नाम पापन्ना के नाम पर रखा जाना चाहिए। यह समारोह रविवार को सिरसिला शहर के बाहरी इलाके में पहले बाईपास रोड पर मनाया गया।

पापन्ना एक महान नेता थे जिन्होंने तेलंगाना में निरंकुशता के खिलाफ़ लड़ाई लड़ी और कमजोर वर्गों के अधिकारों के लिए काम किया। पापन्ना की विचारधारा को लागू करने के लिए, पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली पिछली बीआरएस सरकार ने ताड़ी के पेड़ों पर कर समाप्त कर दिया और ताड़ी निकालने वालों के सभी लंबित करों को माफ कर दिया। बाद में, रामा राव ने सिरसिला में मार्कण्डेय मंदिर के निर्माण के भाग के रूप में आयोजित चंडी यज्ञ में भाग लिया।

बीआरएस नेता ने आशा व्यक्त की कि कपड़ा उद्योग में उत्पन्न संकट देवी चंडी के आशीर्वाद से हल हो जाएगा। रामा राव ने आश्वासन दिया कि स्थानीय विधायिका होने के नाते वह मार्कण्डेय मंदिर के निर्माण के लिए अपना पूरा सहयोग देंगे।

बस का टायर निकला, बाल-बाल बची यात्रियों की जान

150-170 लोग सवार थे बस में, 55 लोगों की है क्षमता

बस में सवार थी अधिकतर महिलाएं * सोशल मीडिया पर वायरल हुईं तस्वीरें

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को जगतियाल जिले के मोरापल्ली गांव के बाहरी इलाके में एक सतर्क आरटीसी बस चालक द्वारा एक बड़ी दुर्घटना को टाला गया, जब वाहन के पिछले टायर कथित तौर पर निकल गए।

सौभाग्य से, इस घटना में किसी भी यात्री को कोई बड़ी चोट नहीं आई क्योंकि चालक ने बस को तुरंत रोक दिया। यह घटना उस समय हुई जब निर्मल डिपो की बस में 55 यात्रियों की क्षमता के मुकाबले करीब 150-170 लोग सवार थे, जिनमें ज्यादातर महिलाएं थीं। सूत्रों ने बताया कि बसों की कम संख्या के कारण 'पल्ले वेलुगु' में भीड़भाड़ थी।

इसके अलावा, लंबे सप्ताहांत के कारण कई लोग अपने मूल स्थानों की यात्रा करने लगे, जिसके कारण कई बसें अपनी क्षमता से अधिक चल रही थीं। टायर सड़क से उतरकर पास की झाड़ियों में जा गिरे, जिन्हें ड्राइवर ने कुछ यात्रियों की मदद से निकाला। घटना के बाद सड़क पर फंसे यात्रियों, खासकर महिलाओं की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं।

घटना को लेकर केटीआर ने की राज्य सरकार की आलोचना

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने इस घटना को लेकर राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि एक संभावित आपदा केवल किस्मत के कारण टल गई। उन्होंने पूछा कि क्या राज्य सरकार की टीजीएसआरटीसी बेड़े के विस्तार की योजना है? उन्होंने एक्स पर सवाल उठाते हुए कहा कि निर्दोष नागरिकों के जीवन के साथ खिलवाड़ क्यों किया जा रहा है? क्या यात्रियों की संख्या सीमित करने के मामले में कोई सुरक्षा प्रोटोकॉल है जिसका पालन किया जाता है? आप अत्यधिक काम करने वाले ड्राइवरों और कंडक्टरों को कैसे मुआवजा दे रहे हैं?

'कालेश्वरम' पर सतर्कता प्रवर्तन रिपोर्ट अंतिम चरण में

मुख्यमंत्री के नियंत्रण में काम कर रही सतर्कता शाखा

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मेडिगड्डा बैराज और कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना के अन्य प्रमुख घटकों के निर्माण में सतर्कता और प्रवर्तन विंग की जांच अंतिम चरण में है। सरकारी सूत्रों ने बताया कि इसकी रिपोर्ट अंतिम चरण में है। सतर्कता शाखा सीधे मुख्यमंत्री के नियंत्रण में काम कर रही है। कांग्रेस सरकार की इच्छा के अनुसार, सतर्कता और प्रवर्तन (वीएंडई) विंग की टीमों ने राज्य भर में सिंचाई विभाग के कार्यालयों में तलाशी ली और जल सौधा तथा अन्य जगहों पर वरिष्ठ इंजीनियरों के कार्यालयों से दस्तावेज जब्त किए।

सरकार ने अंतरिम रिपोर्ट में दिए गए निष्कर्षों के आधार पर केएलआईएस कार्यों से जुड़े वरिष्ठ सिंचाई अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की थी लेकिन लगातार जांच के बावजूद अंतिम रिपोर्ट तैयार नहीं हुई। देरी की वजह 9 अप्रैल को दिल का दौरा पड़ने से इसके महानिदेशक राजीव रतन का निधन भी था। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सतर्कता शाखा को सौंपी गई जांच को अस्थायी झटका लगा।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक सी.वी. आनंद को जुलाई में सतर्कता एवं प्रवर्तन महानिदेशक का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार दिया गया था।

केएलआईएस पर सतर्कता विंग की अंतिम रिपोर्ट की सावधानीपूर्वक समीक्षा की जा रही है। न्यायमूर्ति पी.सी. घोष की अध्यक्षता वाले न्यायिक आयोग ने केएलआईएस के निर्माण की जांच करने वाले सतर्कता विंग के निष्कर्षों के बारे में जानकारी मांगी थी, जो परियोजना और इसके तीन बैराजों के निर्माण की एक साथ जांच कर रहा है चूंकि सिंचाई विभाग सतर्कता शाखा की अंतरिम रिपोर्ट के लिए न्यायिक आयोग के अनुरोधों का जवाब देने में विफल रहा, इसलिए आयोग ने सरकार को इसके लिए पत्र लिखा। वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, सिंचाई विभाग ने सतर्कता शाखा द्वारा ईएनसी (जनरल) के कार्यालय और परियोजना के ईएनसी के कार्यालय सहित विभाग के विभिन्न कार्यालयों से जब्त किए गए सभी दस्तावेजों की केवल फोटोकॉपी ही साझा की थी।

परियोजना के निर्माण से जुड़े सभी सिंचाई अधिकारियों ने न्यायिक आयोग को लिखित रूप में अपने हलफनामे सौंपे हैं, जिसमें उनके पास उपलब्ध जानकारी साझा की गई है। न्यायिक आयोग ने जल संसाधन के क्षेत्र के विशेषज्ञों की टिप्पणियों को ध्यान में रखा है। अब वह सिंचाई विभाग के कुछ प्रमुख अधिकारियों को जिरह के लिए बुला सकता है, जो इसकी जांच का महत्वपूर्ण चरण होगा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.